Prospect

रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल

JUMBO LONG BOOK

कार्यालय प्राचार्य (अग्रणी) शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

College Code- 1401 Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 299100

:: आदेश ::

क्रमांक / 1602 / 2022 महासमुन्द, दिनांक 07 / 12 / 2022

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र क्रमांक No. F.1-5/2021 (NEP/Desk-Parl.) November 10, 2022 के परिपालन में महाविद्यालय में Research and Development - Cell का गठन निम्नानुसार किया जाता है :-

संयोजक	–	डॉ. मालती तिवारी, विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र
सह-संयोजक	–	डॉ. ई.पी. चेलक, विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र
सदस्य	–	डॉ. रीता पाण्डेय, विभागाध्यक्ष इतिहास
सदस्य	–	श्रीमती सीमारानी प्रधान, सहायक प्राध्यापक हिन्दी
सदस्य	–	श्री अजय कुमार देवांगन, विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर एप्लीकेशन
सदस्य	–	कु. प्रियंका चक्रधारी, सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र
सदस्य	–	श्री मनबोध चौहान, सहायक प्राध्यापक वाणिज्य

7.12.2022
(U.G.C. जमादी)

07/12/2022
प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल, डी.लिट्
प्र. प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt.M.V.P.G. College
MAHASAMUND(Chhattisgarh)

पृ. क्रमांक / / 2022 महासमुन्द, दिनांक 07/12/2022

प्रतिलिपि :- संबंधित अधिकारी को सूचनार्थ।

प्र. प्राचार्य

बैठक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनाँक 14/12/2022 को समय अपराह्न 02:30 को प्राध्यापक कक्ष में Research and Development-cell की बैठक रखी गई है।

जिसमें निम्न एजेंडा सम्मिलित है-

1. महाविद्यालय में रिसर्च को विकसित करना।
2. रिसर्च से संबंधित दस्तावेजों का संग्रहण
3. स्तरीय शोध-पत्र लेखन हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण
4. शोध-केन्द्र (महाविद्यालयीन) को व्यवस्थित करना।
5. शोध-पत्रिका के प्रकाशन संबंधित चर्चा
6. नियमित शोध-पत्रिका मंगवाने हेतु चर्चा
7. शोधार्थियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु चर्चा

(हस्ताक्षर) 14/12/2022

संयोजक - डॉ. मालती तिवारी

(हस्ताक्षर) 14/12/2022
प्राचार्य

प्राचार्य
शास. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

सदस्य
1. डॉ. ई.पी. चेलक (सहसंयोजक) (हस्ताक्षर)
2. डॉ. शीला पाण्डेय (हस्ताक्षर)
3. सीमारानी प्रधान - (हस्ताक्षर)
4. श्री अजय कुमार देवाँगन - (हस्ताक्षर)
5. कु. प्रियंका चक्रधारी - (हस्ताक्षर)
6. मनबोध चौहान - (हस्ताक्षर)
7. जगदीश कुमार सत्यम (हस्ताक्षर)

दिनांक
14/12/2022

आज दिनांक 14/12/2022 को प्राध्यापक कक्ष में समय अपराह्न 02.30 बजे प्राचार्य के मार्गदर्शन में डॉ॰ मालती तिवारी के संयोजन में Research and Devlopment - cell की बैठक आयोजित हुई।
जिसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति में निम्नांकित चर्चाएँ हुई एवं निर्णय लिये गये।

(1) महाविद्यालय के वातावरण को रिसर्च के अनुकुल बनाये जाने पर चर्चा की गई। रिसर्च संबंधित जागरूकता विकसित करने के लिए समय-समय पर बैठकें आयोजित कर जानकारी दी जाये। महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ व स्नातकोत्तर के छात्रों को इस दिशा मे निरंतर प्रेरित किया जायेगा।

(2) Research & Devlopment - cell मैं महाविद्यालय के शोध केन्द्रों (हिंदी, राजनीति) एवं समस्त शोध गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया जायेगा।
समस्त जानकारी मेरी के पास आनलाइन व आफलाइन रखा जायेगा।

(3) शोध-पत्र लेखन हेतु महाविद्यालयीन शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण हेतु निर्देश दिया गया। जिसके तहत दिनांक 16/12/22 को प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है।
प्रशिक्षण डॉ॰ ई॰ पी चेलक (विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र) व डॉ॰ मालती तिवारी (विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र) द्वारा दी जायेगी।
यह प्रशिक्षण सभी शैक्षणिक स्टाफ के लिए होगा, इसमें पी.पी.टी के माध्यम से जानकारी दी जायेगी।

(4) शोध-केन्द्र को आगामी दिनों में व्यवस्थित कर लिया जायेगा, नेक मूल्यांकन को देखते हुए शोध-केन्द्र को उन्नत किया जाये। आवश्यक सामग्री व व्यवस्था रखी जाये।

(5) महाविद्यालय में शोध-पत्रिका के प्रकाशन पर चर्चा की गई। जिसमें यह निर्णय लिया गया है भविष्य में महाविद्यालय से ही रिफर्ड जर्नल का प्रकाशन किया जायेगा जिसका दिशा निर्देश आगामी बैठक में तय किया जायेगा।

(6) महाविद्यालय मैगजीन व शोध-पत्रिकायें मँगवाने का निर्णय लिया गया। जिसमें से -

हिंदी विभाग से - हंस, वागर्थ

शोधपत्रिका में - शोध-संचार (मल्टीडिसीप्लीन)
- सार्क, अंतराष्ट्रीय शोध-पत्रिका

डिमिट - कम्प्युटर साईंस

पत्रिका मंगाने की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जायेगी।

(7) शोधार्थियों को शोध-केन्द्र में बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयास किया जाये।
- उनके बैठक व्यवस्था हो।
- उनके लिए ऑनलाइन कार्य हेतु सुविधा प्रदान किया जाये।
- शोध-केन्द्र में उनके रिकार्ड व जरुरत के पेपर रखने हेतु आलमिरा की व्यवस्था किया जाये।
- शोधार्थियों के शोध-विषय से संबंधित किताबें शोध-केन्द्र में रखा जाये।
- शोध-केन्द्र में समय-समय पर शोध संबंधी व्याख्यान व सेमिनार का आयोजन किया जाये जिससे शोध-ग्रंथ लिखने में उनकी मदद हो सके एवं शोध ग्रंथ लेखन में सावधानियां बरत सकें।

(8) महाविद्यालय के सभी शोध निर्देशकों की शोधजानकारी पी.पी.टी में संग्रहण करना सुनिश्चित करें।

(9) अन्य शैक्षणिक स्टाफ की शोध-जानकारी भी पी.पी.टी. फार्म में रखा जाये।

(10) शोध-पत्र के मुख्य पृष्ठ, व शोध जानकारी डिसप्ले कराया जाये।

(11) महाविद्यालय के वेबसाइट में रिसर्च संबंधी गतिविधि दस्तावेज, शोध-पत्र अपलोड किया जाये।

वेबसाइट में अपलोड का कार्य अजय कुमार देवांगन एवं जगदीश सत्यम द्वारा किया जायेगा।

14/12/2022

संयोजक - डॉ॰ मालती तिवारी 14/12/2022

प्राचार्य
प्राचार्य
स. महाप्रभुवल्लभाचार्य स्ना...
महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

सदस्य - डॉ. डी.पी. चेलक (सहसंयोजक)

डॉ. रीता पाण्डेय 14/12/2022

सीमारानी प्रधान -

अजय कुमार देवांगन

कु॰ प्रियंका चक्रधारी

मनबोध चौहान

जगदीश सत्यम

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द

पत्र क्रमांक / /2022

महासमुंद दिनांक 16 / 12 / 2022

:: सूचना ::

महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि प्राचार्य के निर्देशन में शोध लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण आज दिनांक 17.12.2022 को कक्ष क्रमांक–06 में समय दोप. 02:30 बजे आयोजित है। उक्त प्रशिक्षण में उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

16/12/2022

डॉ. मालती तिवारी
सयोजक, शोध विकास समिति

16/12/2022

प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल
प्राचार्य
शास. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय

क्र.	अधिकारी / कर्मचारी का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	प्रो. करुणा दूबे	सहा.प्राध्यापक	
2	डॉ. रीता पाण्डेय	सहा.प्राध्यापक	
3	डॉ. मालती तिवारी	सहा.प्राध्यापक	
4	डॉ. आर. के. अग्रवाल	सहा.प्राध्यापक	
5	डॉ. नीलम अग्रवाल	सहा.प्राध्यापक	
6	प्रो. सी. खलखो	सहा.प्राध्यापक	
7	श्री एस.आर. रात्रे	ग्रंथपाल	
8	श्री मनी राम धीवर	सहा.प्राध्यापक	
9	डॉ. दुर्गावती भारतीय	सहा.प्राध्यापक	
10	श्रीमती सीमारानी प्रधान	सहा.प्राध्यापक	
11	डॉ. ईश्वरी प्रसाद चेलक	सहा.प्राध्यापक	
12	श्री प्रदीप कन्हेर	सहा.प्राध्यापक	
13	श्रीमती सरस्वती सेठ	सहा.प्राध्यापक	
14	श्री अजय कुमार राजा	सहा.प्राध्यापक	
15	श्रीमती राजेश्वरी सोनी	सहा.प्राध्यापक	
16	श्री दिलीप कुमार लहरे	क्रीडा अधिकारी	
17	श्री अजय कुमार देवांगन	सहा.प्राध्यापक	
18	श्री मनबोध चौहान	सहा.प्राध्यापक	
19	श्री दिलीप कुमार बढ़ाई	सहा.प्राध्यापक	
20	श्री आशुतोष पूरी गोस्वामी	सहा.प्राध्यापक	
21	कु. प्रियंका चक्रधारी	सहा.प्राध्यापक	
22	कु. मनीषा बेहरा	सहा.प्राध्यापक	
23	श्री जगदीश सत्यम	सहा.प्राध्यापक	
24	सुश्री प्रियंका सोनवानी	सहा.प्राध्यापक	

क्र.	अधिकारी / कर्मचारी का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
25	श्री केशरचन्द बनपाल	सहा.प्राध्यापक	
26	डॉ. जीवन लाल चंद्राकर	अतिथि व्याख्याता	
27	श्रीमती गायत्री चंद्राकर	अतिथि व्याख्याता	
28	श्री विजय कुमार मिर्चे	अतिथि व्याख्याता	
29	कु. मृणाली चंद्राकर	अतिथि व्याख्याता	
30	श्री नरेश कुमार	अतिथि व्याख्याता	
31	श्री अंजन कुमार भोई	अतिथि व्याख्याता	
32	श्रीमती कविता भावलकर	अतिथि व्याख्याता	
33	श्री गौरव कुमार सोनी	अतिथि व्याख्याता	
34	कु. दीप्ति पटेल	अतिथि व्याख्याता	
35	डॉ. ममता सिरमौर	अतिथि व्याख्याता	
36	कु. नम्रता तम्बोली	अतिथि व्याख्याता	
37	कु. डाकेश्वरी साहू	अतिथि व्याख्याता	
38	परवीन करीम	अतिथि व्याख्याता	
39	श्री योगेश कुमार साहू	अतिथि व्याख्याता	
40	श्री टीकम साहू	कम्प्यू.शि.स्ववित्तीय	
41	कु. पूजा यादव	कम्प्यू.शि.स्ववित्तीय	
42	कु. रूखमणी साहू	योगशि.स्ववित्तीय	
43	कु. रेणुका साहू	ज.भा.प्राध्यापक	
44	कु. शिवानी तावेरकर	ज.भा.प्राध्यापक	
45	श्री गुप्तेश नामदेव	ज.भा.प्राध्यापक	
46	कु. दीपिका साहू	ज.भा.प्राध्यापक	
47	श्रीमती रोशनी ध्रुव	ज.भा.प्राध्यापक	
48	रंजिता पटेल	अतिथि व्याख्याता	

आज दिनांक 17.12.2022 को 2.30 बजे महाविद्यालय के कक्ष क्र. 06 में प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन में रिसर्च को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों, अतिथि व्याख्याताओं एवं जनभागीदारी शिक्षकों के लिए शोध-पत्र लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निम्न सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता व जनभागीदारी शिक्षक उपस्थित रहे।

AAcb
17/12/2022
प्राचार्य
प्राचार्य
शास महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर ... महासमुन्द (छ.ग.)

प्रशिक्षणदाता अधिकारी :-

(1) डॉ. मालती तिवारी, विभागाध्यक्ष एवं सह. प्राध्यापक - राजनीतिशास्त्र 17.12.2022
(2) डॉ. नीलम अग्रवाल, विभागाध्यक्ष एवं सह. प्राध्यापक - अर्थशास्त्र
(3) डॉ. ई. पी. चेलक, विभागाध्यक्ष एवं स. प्रा. - वनस्पति विज्ञान

उपस्थित प्रशिक्षण प्राप्तकर्ता अधिकारी :-

(1) श्रीमती करुणा दुबे
(2) Dr. Reeta Pandey 17/12/2022
(3) Parveen Karim 17/12/22
(4) Ajay kumar Raja 17/12/22
(5) Saraswati seth 17.12.22
(6) Manisha Behra
7) priyanka chakradhari 17/12/22
17/12/22
8) Dakeshwari Sahu
9) Mrs. kavita Bhawalkar 17/12/2022
(10) Dipti Patel
(11) Gaurav Soni
(12) Naresh Kumar 17/12/2022
(13) Manbodh Chouhan

14/
15/
16/
17/
18
19
20.
21.
22.
23.
24.
25.
26
27
28.
29.
30
31
32.
33.

14/ डॉ. जीवन लाल चन्द्रवंशी - [signature]
15/ योगेश कुमार साहू (अतिथि व्याख्याता) - [signature]
16/ गुड्डेश नामदेव (अतिथि व्याख्याता) [signature]
17/ हीरामन साहू (सहा. प्राध्यापक) [signature]
18 Ashutosh Goswami (AP) [signature]
19 Jagdish kumar Satyam (AP) [signature]
20. Ajay Kumar (Asst. Prof.) [signature]
21. Keshar chandra banpal (Asst. prof.) [signature]
22. Dilip kumar lahre (sports officer) [signature]
23. Anjan Bhoi (Guest Lecturer) - [signature]
24. Mrinali Chandrakar (Guest Lecturer) [signature]
25. Dr. Mamta Sirmour Verma (Guest Lecturer) Mamta
26 Ranjita patel (Guest lecturer) Ranjita patel
27 Smt. Gayatri Chandrakar (Guest Lecture) Gayatri
28. Pooja yadav (Asst. Prof. (Self fin)) Pooja 17/12/2022
29. Shivani Tawedkar (G.B. Assi. lecturer) [signature]
30 Roshani Dhruw (GBS lecturer) [signature]
31. Dr. Ramakant Agrawal (Assistant Professor - Economics)
32. Priyanka Sonwani (Asst. prof. Zoology) [signature] 17/12/2022
33. Renuka sahu (J.B.S. Guest lect. Botany) - Renuka 17/12/2022

रायपुर, सोमवार 19 दिसंबर, 2022

नईदुनिया सिटी

सरायपाली-बर

एमवीपीजी कालेज में शोध पत्र लेखन व प्रकाशन प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक। ● प्रकाशमनी साहू

महासमुंद (वि)। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में शनिवार को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन में शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राध्यापक ,अतिथि व्याख्याता, जनभागीदारी शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य महाविद्यालयीन प्राध्यापकों को शोधकार्य के लिए जागरूक एवं प्रेरित करना, विकसित महाविद्यालय में विकसित करना रहा। उक्त प्रशिक्षण डॉ मालती तिवारी विभागाध्यक्ष शोध निर्देशक राजनीति विज्ञान, डॉ नीलम अग्रवाल विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक अर्थशास्त्र, डॉ ई. पी.चेलक विभागाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान शोध निर्देशक द्वारा पीपी के माध्यम से शोध पेपर हेतु विषय का चयन , प्रकाशन यूजी.केयर लिस्ट में करवाने प्रोत्साहित किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल द्वारा अपने उद्बोधन में अपने कार्य के साथ- साथ शोध पत्र लेखन से ज्ञान में वृद्धि एवं विचार चिन्तन का विकास होता है इसे अनिवार्य रूप से अमल में लाने की बात बताई। डॉ मालती तिवारी ने शोध पत्र लेखन हेतु विषय का चयन के महत्व को बताया। किन- किन बिन्दुओं को ध्यान में रखना आवश्यक होता है उसे बताते हुए शोध की मौलिकता उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रकाशित शोध प्रस्तुत किया।

डॉ नीलम अग्रवाल द्वारा शोध प्रविधि के महत्व शोध सारांश, निष्कर्ष, प्रथम द्वितीय स्रोत, लेखन शैली, आंकड़ों से सम्बंधित बातें बताई। डॉ ई.पी.चेलक द्वारा बताया गया कि शोधकार्य हेतु प्रोजेक्ट वर्क के लिए यूजीसी से प्राप्त राशि के बारे में जानकारी दी। डॉ रीता पाण्डेय,डॉ आर. के अग्रवाल ने भी शोध लेखन एवं प्रकाशन पर जानकारी दी प्रशिक्षण में करूणा दुबे सरस्वती सेठ, नम्रता तंबोली रसायन शास्त्र विभाग, मनबोध चौहान परवीन करीम गुप्तेश नामदेव वाणिज्य विभाग , आशुतोष गोस्वामी रोशनी नरेश साहू अंग्रेजी विभाग, दिलीप बढ़ाई , भूगोल विभाग , ममता सिरमौर शिवानी समाज शास्त्र विभाग , अजय देवांगन श्री टीकम साहू दीप्ति कंप्यूटर विभाग, जगदीश सत्यम भौतिक शास्त्र विभाग, प्रियंका चक्रधारी प्राणी शास्त्र विभाग, कुमारी रेणुका श्री रंजन भाई वनस्पति शास्त्र, जीवन चंद्राकर हिंदी विभाग, कुमारी मृणाली चंद्राकर इतिहास विभाग, श्री केसर चंदन वनपाल राजनीति विभाग कविता दीप्ति गौरव सोनी गणित विभाग से प्रशिक्षण में सहायक प्राध्यापक सम्मिलित हुए।

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 20 दिसंबर 2022

शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनुसूइया अग्रवाल के निर्देशन में शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, जनभागीदारी शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य महाविद्यालयीन प्राध्यापकों को शोधकार्य के लिए जागरूक एवं प्रेरित करना, विकसित महाविद्यालय में विकसित करना है।

उक्त प्रशिक्षण डॉ मालती तिवारी विभागाध्यक्ष शोध निर्देशक राजनीति विज्ञान, डॉ नीलम अग्रवाल विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक अर्थशास्त्र, डॉ ईपी चेलक विभागाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान शोध निर्देशक द्वारा पीपी के माध्यम से शोध पेपर के लिए विषय का चयन, प्रकाशन यूजी केयर लिस्ट में करवाने प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य डॉ अनुसूइया अग्रवाल द्वारा अपने उद्बोधन में अपने कार्य के साथ-साथ शोध पत्र लेखन से ज्ञान में वृद्धि एवं विचार चिन्तन का विकास होता है इसे अनिवार्य रूप से अमल में लाने की बात कही। डॉ मालती तिवारी ने बताया कि जब हम शोध पत्र लेखन हेतु विषय का चयन महत्वपूर्ण होता है किन-किन बिन्दुओं को ध्यान में रखना आवश्यक होता है उसे बताते हुए शोध की मौलिकता उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रकाशित शोध प्रस्तुत किया। डॉ नीलम अग्रवाल द्वारा शोध प्रविधि के महत्व शोध सारांश, निष्कर्ष, प्रथम द्वितीय स्रोत, लेखन शैली, आंकड़ों से सम्बंधित बातें बताई। डॉ ईपी चेलक द्वारा बताया गया कि शोधकार्य हेतु प्रोजेक्ट वर्क के लिए यूजीसी से प्राप्त राशि के बारे में जानकारी दी। डॉ रीता पाण्डेय, डॉ आरके अग्रवाल ने भी शोध लेखन एवं प्रकाशन पर जानकारी दी।

प्रशिक्षण में करूणा दुबे सरस्वती सेठ, नम्रता तंबोली रसायन शास्त्र विभाग, मनबोध चौहान, परवीन करीम गुप्तेश नामदेव वाणिज्य विभाग, आशुतोश गोस्वामी, रोशनी, नरेश साहू अंग्रेजी विभाग, दिलीप बढ़ाई भूगोल विभाग, ममता सिरमौर शिवानी समाज शास्त्र विभाग, अजय देवांगन, टीकम साहू दीप्ति कंप्यूटर विभाग, जगदीश सत्यम भौतिक शास्त्र विभाग, प्रियंका चक्रधारी प्राणी शास्त्र विभाग, रेणुका रंजन भाई वनस्पति शास्त्र, जीवन चंद्राकर हिंदी विभाग, मृणाली चंद्राकर इतिहास विभाग, केसर चंदन बनपाल राजनीति विभाग, कविता दीप्ति गौरव सोनी गणित विभाग से प्रशिक्षण में सहायक प्राध्यापक सम्मिलित हुए।

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)
Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 299100

:: शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन कार्यशाला ::
फीडबैक (Feedback)

प्रतिभागी का नाम :– ..... पदनाम :– .....

संस्था का नाम :– .....

मोबाईल / व्हाट्सप नं. :– ..... ई–मेल :– .....

1. विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों का स्तर –
   1. उत्कृष्ट 2. अच्छा 3. सामान्य
2. विषय विशेषज्ञों का सम्प्रेषण कौशल का स्तर –
   1. उत्कृष्ट 2. अच्छा 3. सामान्य
3. किस विषय का व्याख्यान सबसे अधिक पसंद आया?
   1. केवल राजनीति शास्त्र 2. केवल अर्थशास्त्र
   3. केवल वनस्पति शास्त्र 4. सभी
4. विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान में क्या अच्छा लगा?
   1. विशेषज्ञ द्वारा मौखिक सरल शब्दों में समझाना
   2. प्रोजेक्टर द्वारा व्यवस्थित ढंग से समझाना 3. दोनों
5. क्या आपको लगता है कि इस वर्कशॉप से आपको अपने शोधपत्र को अधिक व्यवस्थित ढंग से लिखने में मदद मिली?
   1. हॉ 2. नहीं 3. कुछ हद तक
6. दिए गए व्याख्यान आपके विषय से कितना संबंधित था?
   1. बहुत अधिक 2. आंशिक 3. कुछ कह नहीं सकते
7. वर्कशॉप से शोधपत्र लिखने से संबंधित समस्या दूर हुई?
   1. हॉ 2. नहीं 3. कुछ कह नहीं सकते
8. शोधपत्र लिखने में यह वर्कशॉप कितना उपयोगी रहा?
   1. कम 2. बहुत 3. बहुत अधिक
9. भविष्य के लिए सुझाव –

.....

.....

.....

.....

प्रतिभागी के हस्ताक्षर

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Mahasan

शोधार्थियों का पीएचडी विषय रूपरेखा का हुआ प्रस्तुतिकरण

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के राजनीति विज्ञान विभाग शोध केंद्र में 14 नवंबर को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी गई। शोध समिति के सदस्य राजनीति विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय चंद्राकर, विभागाध्यक्ष दुर्गा महाविद्यालय रायपुर, प्राचार्य ई.पी.चेलक डीआर सी शोध समिति चेयरमैन तथा डॉ. मालती तिवारी शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग की उपस्थिति में 03 शोधार्थी छात्र छात्राओं का पीएचडी विषय शोध रूपरेखा प्रस्तुतिकरण हुआ। जिसमें शोधार्थी श्रीमती अनीता अनंत फार्मेसी डिपार्टमेंट पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छग, टुपेश कुमार कोसमा अतिथि व्याख्याता जनभागीदारी समिति शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा शोध सिनॉपसिस जमा किया गया। एवं अरविंद चंद्राकर महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र महासमुंद का पीएचडी शोध विषय का चयन किया गया। डीआरसी में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईपी चेलक, केशर चंद्र बनपाल , विजय कुमार मिर्चे एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रायपुर - महासमुंद भूमि
15 Nov 2022

विभागीय शोध समिति की हुई बैठक

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग शोध केंद्र में विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी गई। शोध समिति के सदस्य राजनीति विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय चंद्राकर, महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य ईंपी चेलक तथा डॉ मालती तिवारी शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग की उपस्थिति में 3 शोधार्थी छात्र-छात्राओं का पीएचडी विषय शोध रूपरेखा प्रस्तुतीकरण हुआ। इसमें शोधार्थी अनीता अनंत फार्मेसी डिपार्टमेंट पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर, दुपेश कुमार कोसमा अतिथि व्याख्याता जनभागीदारी समिति शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर द्वारा शोध सिनॉपसिस जमा किया गया। अरविंद चंद्राकर महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र महासमुंद का पीएचडी शोध विषय का चयन किया गया। डीआरसी में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईंपी चेलक, केशर चंद्र बनपाल, विजय कुमार मिर्चे मौजूद रहे।

हरिभूमि
रायपुर - महासमुंद भूमि
14 Apr 2022

मालती के निर्देशन में पिता पर पुत्र ने लिखा शोध

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में सहायक प्राध्यापक एवं राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ मालती तिवारी (शोध निर्देशक) के शोध निर्देशन में हेमचंद जांगड़े बैरन बाजार रायपुर द्वारा राजनीति विज्ञान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के विकास में स्व रेशमलाल जांगड़े का योगदान के अध्ययन विषय पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी उपाधि प्राप्त की है। हेमचंद जांगड़े अपना शोध कार्य दुर्गा महाविद्यालय रायपुर से किया है। शोध कार्य में सहनिर्देशक के रूप में दुर्गा महाविद्यालय रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ सुभाष चंद्राकर थे। ज्ञात हो कि स्व. रेशमलाल जांगड़े हमारे देश के पहली लोकसभा के निर्वाचित सांसद भी रहे। इसके अलावा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन, पूर्व विधायक भी रहे और इन्हें इन उपलब्धि के लिए 2010 में उन्हें राज्य सरकार द्वारा दलित चेतना पुरस्कार से नवाजा गया था व 13 मई 2012 को संसद के केंद्रीय कक्ष में तत्कालीन राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री द्वारा प्रथम लोकसभा सांसद के रूप में सम्मानित किया गया था और पुत्र हेमचंद जांगड़े द्वारा अपने पिता द्वारा किये गये कार्यों से प्रभावित होकर अपने पिता स्व. रेशमलाल जांगड़े के ऊपर ही शोध लिखा है। पीएचडी उपाधि मिलने पर संस्था के प्राचार्य डॉ ज्योति पांडेय, दुर्गा महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ अजय चंद्राकर, डॉ अमन झा, डॉ सुष्मिता सेन, डॉ अन्त राम बंजारे, डॉ भूपेंद्र साहु, डॉ लक्ष्मण भरती, डॉ अनसुइया अग्रवाल, डॉ जया ठाकुर, करुणा दुबे, डॉ रीता पांडेय, डॉ ईपी चेलक, डॉ नीलम अग्रवाल, एमएस वर्मा, सी खालको, अजय कुमार राजा, राजेश्वरी सोनी, मनबोध चौहान, दिलीप बढ़ाई, विजय कुमार मिर्चे सहित आदि ने हर्ष जताया है।

राजनीति विज्ञान में पूर्णिमा को पीएचडी की उपाधि

महासमुंद(वि)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी अधिसूचना 13 दिसंबर को जारी हुई है।

अधिसूचना में डा. मालती तिवारी सहायक प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक राजनीति विज्ञान शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के निर्देशन में पूर्णिमा भट्टाचार्य जगदलपुर जिला बस्तर को राजनीति विज्ञान 'बस्तर जिले की जनजातियों में विकास योजनाओं का प्रभाव : एक अनुशीलन' (महिला एवं बाल विकास के संदर्भ में सन 2013 से अद्यतन) विषय पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी उपाधि प्राप्त किया। पूर्णिमा ने अपना शोध कार्य दुर्गा महाविद्यालय रायपुर से की है।

पूर्णिमा भट्टाचार्य। ● फाइल फोटो

शोध सह निर्देशक डा. सुभाष चंद्राकर दुर्गा महाविद्यालय रायपुर थे। पीएचडी की उपाधि मिलने पर डा. अजय चंद्राकर, प्राचार्य डा. अनुसुइया अग्रवाल, डा. अमन झा, डा. करुणा दुबे, डा. रीता पांडेय, डा. नीलम अग्रवाल, सी खलको, अजय कुमार राजा, राजेश्वरी सोनी, सीमारानी प्रधान, डा. दुर्गावती भारतीय, सरस्वती सेठ, दिलीप वढ़ाई, अजय देवांगन, मनबोध चौहान, मनीषा वेहेरा, अर्चना भट्टाचार्य, जोगेश भट्टाचार्य, लक्ष्मी भट्टाचार्य, करुणा देवांगन ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

04-07-2019-30-06-2022

डॉ. मालती के निर्देशन में पिता पर पुत्र ने लिखा शोध

महासमुंद (अमृत संदेश)। डॉ मालती तिवारी (शोध निर्देशक) सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के शोध निर्देशन में हेमचंद जांगड द्वारा राजनीति विज्ञान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के विकास में स्व रेशमलाल जांगड़े का योगदान के अध्ययन विषय पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी उपाधी प्राप्त कर लिया है। हेमचंद जांगड़े अपना शोध कार्य दुर्गा महाविद्यालय रायपुर से किया है।

शोध कार्य मे सहनिर्देशक के रूप में दुर्गा महाविद्यालय रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ सुभाष चंद्राकर थे। ज्ञात हो कि स्व. रेशमलाल जागड़ हमार दश क पहली लोकसभा के निर्वाचित सांसद भी रहे इसके अलावा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन पूर्व विधायक भी रहे है और इन्हें इन उपलब्धि के लिए 2010 में उन्हें राज्य सरकार द्वारा दलित चेतना परुस्कार से नवाजा गया था व 13 मई 2012 को संसद के केंद्रीय कक्ष में तत्कालीन राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री द्वारा प्रथम लोकसभा सांसद के रूप में सम्मानित किया गया था और पुत्र हेमचंद जांगड़े द्वारा अपने पिता के द्वारा किये गये कार्यों से प्रभावित होकर अपने पिता स्व. रेशमलाल जांगड़े के ऊपर ही शोध लिखा है। पीएचडी उपाधी मिलने पर संस्था के प्राचार्य डॉ ज्योति पांडेय, डॉ अजय चंद्राकर, डॉ अमन झा, डॉ सुष्मिता सेन, डॉ अन्त राम बंजारे,

डॉ भूपेंद्र साहु, डॉ लक्ष्मण भरती, डॉ अनसुइया अग्रवाल, डॉ जया ठाकुर, करुणा दुबे, डॉ रीता पांडेय, डॉ ईश्वर चेलक, डॉ नीलम अग्रवाल, एमएल वर्मा, सी खालको, अजय कुमार राजा, राजेश्वरी सोनी, मनबोध चौहान, दिलीप बढ़ाई,विजय कुमार मिर्चे सहित आदि ने बधाई प्रेषित किया है।

राजकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय · महावन

विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी संपन्न

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के राजनीति विज्ञान विभाग शोध केंद्र में दिनांक 14 नवंबर 2022 को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी गई। शोध समिति के सम्माननीय सदस्य राजनीति विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय चंद्राकर विभागाध्यक्ष दुर्गा महाविद्यालय रायपुर महाविद्यालय प्राचार्य ई.पी.चेलक डीआर सी शोध समिति चेयरमैन तथा डॉ. मालती तिवारी शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग की उपस्थिति में 03 शोधार्थी छात्र छात्राओं का पी.एच.डी.विषय शोध रूपरेखा प्रस्तुतीकरण हुआ। जिसमें शोधार्थी श्रीमती अनीता अनंत फार्मेसी डिपार्टमेंट पंडित रविशंकर शुक्ल

विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ , श्री टुपेश कुमार कोसमा अतिथि व्याख्याता जनभागीदारी समिति शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर उत्तर बस्तर कांकेर के द्वारा शोध सिनॉपसिस जमा किया गया। एवं श्री अरविंद चंद्राकर महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र महासमुंद का पी.एच.डी.शोध विषय का चयन किया गया । डी.आर.सी. में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई. पी. चेलक, श्री केशर चंद्र बनपाल सहायक अध्यापक राजनीति विज्ञान ,श्री विजय कुमार मिर्चे अतिथि सहायक अध्यापक राजनीति विज्ञान , एवं महाविद्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी संपन्न

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के राजनीति विज्ञान विभाग शोध केंद्र में दिनांक 14 नवंबर 2022 को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक रखी गई। शोध समिति के सम्माननीय सदस्य राजनीति विज्ञान विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय चंद्राकर विभागाध्यक्ष दुर्गा महाविद्यालय रायपुर महाविद्यालय प्राचार्य ई.पी.चेलक डीआर सी शोध समिति चेयरमैन तथा डॉ. मालती तिवारी शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग की उपस्थिति में 03 शोधार्थी छात्र छात्राओं का पी.एच.डी.विषय शोध रूपरेखा प्रस्तुतीकरण हुआ। जिसमें शोधार्थी श्रीमती अनीता अनंत फार्मेसी डिपार्टमेंट पंडित रविशंकर शुक्ल

विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ , श्री टुपेश कुमार कोसमा अतिथि व्याख्याता जनभागीदारी समिति शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर उत्तर बस्तर कांकेर के द्वारा शोध सिनॉपसिस जमा किया गया। एवं श्री अरविंद चंद्राकर महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र महासमुंद का पी.एच.डी.शोध विषय का चयन किया गया । डी.आर.सी. में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई. पी. चेलक, श्री केशर चंद्र बनपाल सहायक अध्यापक राजनीति विज्ञान ,श्री विजय कुमार मिर्चे अतिथि सहायक अध्यापक राजनीति विज्ञान , एवं महाविद्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

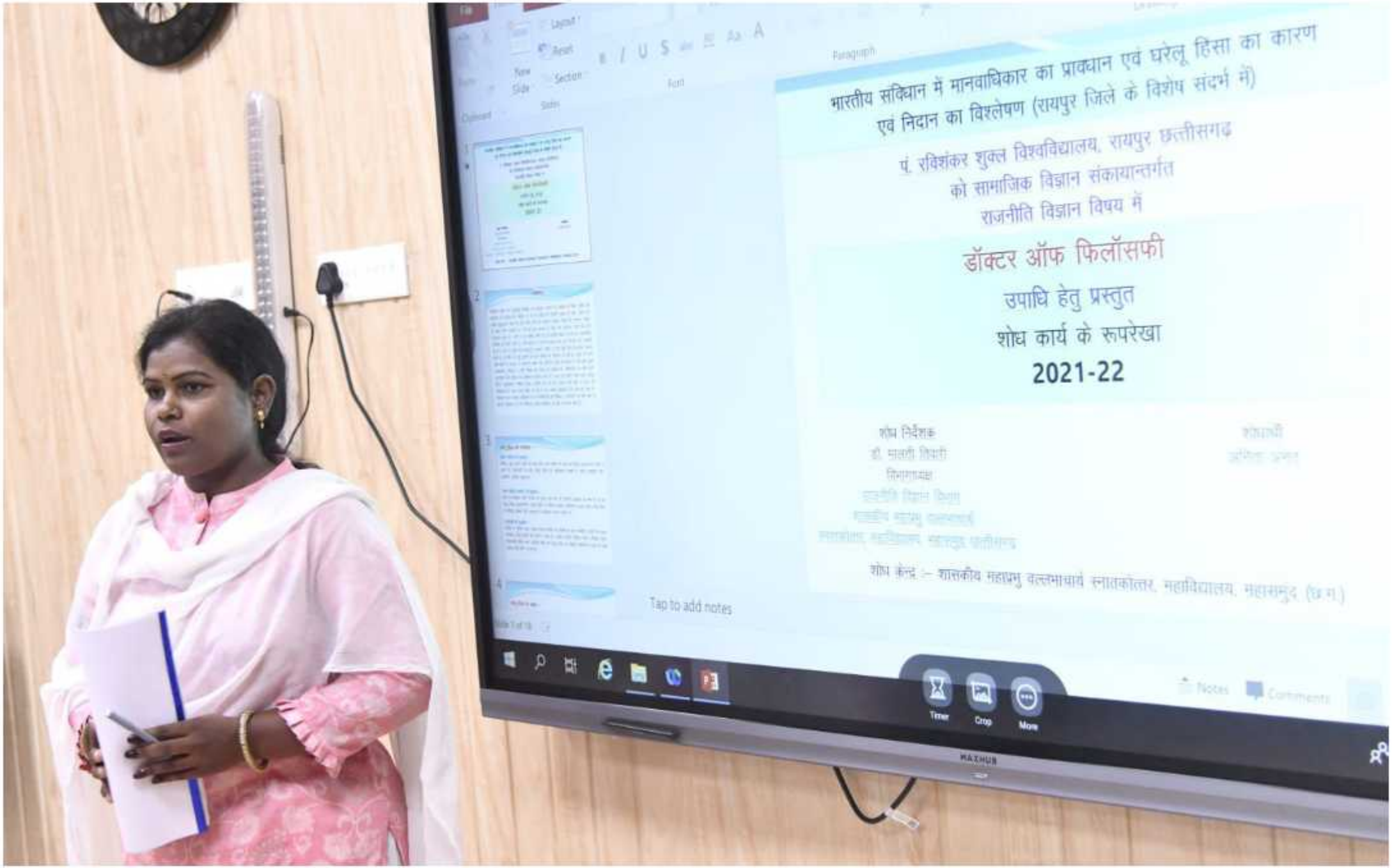
भारतीय संविधान में मानवाधिकार का प्रावधान एवं घरेलू हिंसा का कारण
एवं निदान का विश्लेषण (रायपुर जिले के विशेष संदर्भ में)
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़
को सामाजिक विज्ञान संकायान्तर्गत
राजनीति विज्ञान विषय में
डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
उपाधि हेतु प्रस्तुत
शोध कार्य के रूपरेखा
2021-22
शोध केन्द्र :- शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद (छ.ग.)
Tap to add notes
Timer
Crop
More
Notes
Comments

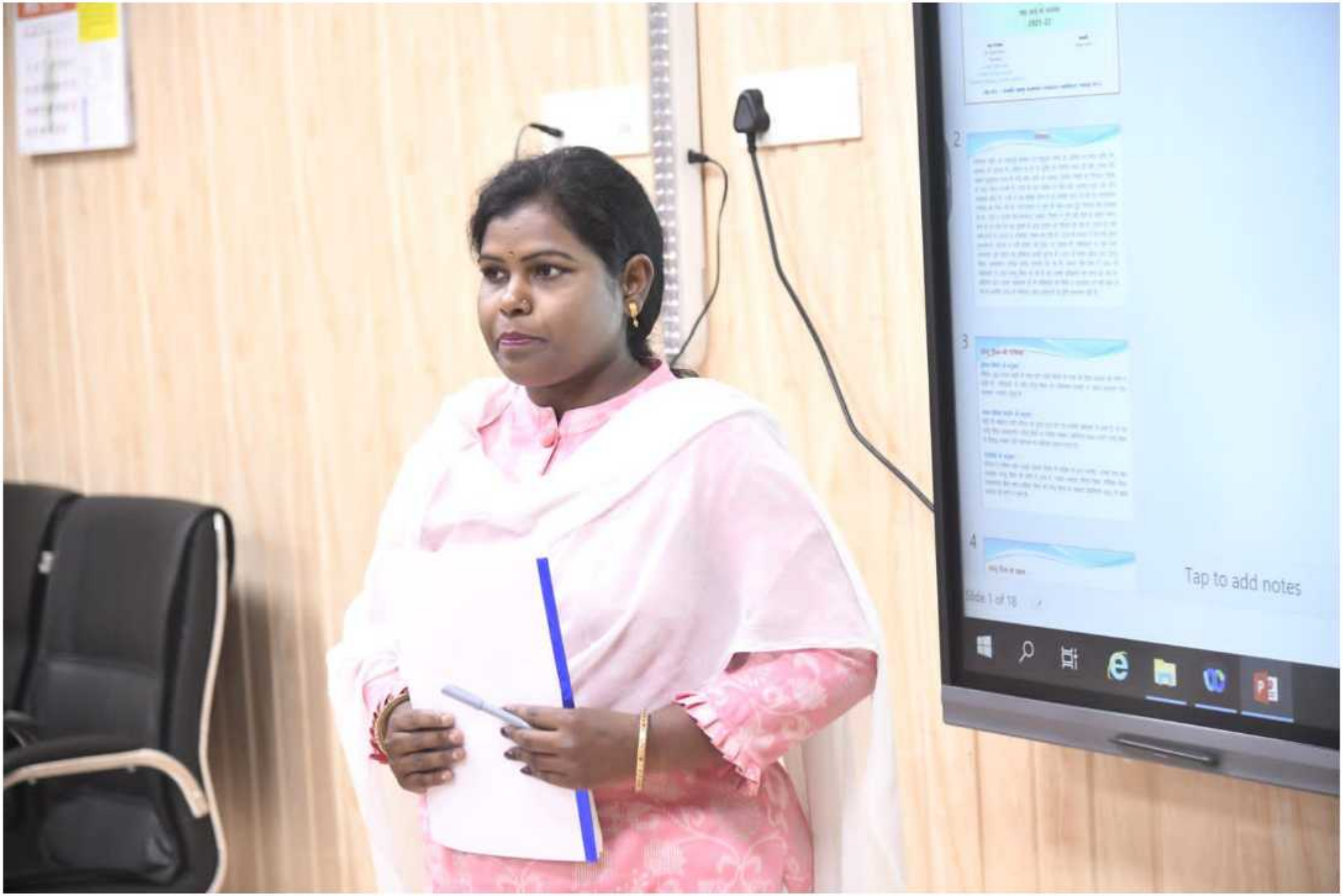
2
3
4
Tap to add notes
Slide 1 of 18

राजनीति विज्ञान में पूर्णिमा को पीएचडी की उपाधि

महासमुंद @ पत्रिका. पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी अधिसूचना 13 दिसंबर को जारी हुई है। अधिसूचना में डॉ. मालती तिवारी सहायक प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक राजनीति विज्ञान शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के निर्देशन में पूर्णिमा भट्टाचार्य जगदलपुर जिला बस्तर को राजनीति विज्ञान बस्तर जिले की जनजातियों में विकास योजनाओं का प्रभाव एक अनुशीलन (महिला एवं बाल विकास के संदर्भ में सन् 2013 से अद्यतन) विषय पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी उपाधि मिली।

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द, छत्तीसगढ़
आपका हार्दिक अभिनंदन करता हैं...
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)
कैरियर / रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ
LEAD-36

By Dr.Ansuya

By Dr Ansaya

Dr.Ansuya

By Dr.Ansuya

छत्तीसगढ़ महतारी
By Dr.Ansuya

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में निः शुल्क सीजी पीएससी कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

ट्रैक सीजी शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में आज दिनांक 09 अप्रैल 2023 को प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन व डॉ. मालती तिवारी जिला संगठक रासेयो जिला महासमुंद के मार्गदर्शन में रोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा नेतृत्व साधना केंद्र दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ के आर्थिक सामाजिक, भौगोलिक रूप से पिछड़े 70 प्रतिभावान छात्र छात्राओं को नि:शुल्क ष्द्धश्चह्यष्वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को नि:शुल्क ष्टत्रक्कस्ष्ट की कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा स्थ्रष्ठ-36(चतुर्थ वर्ष में) का आयोजन का आयोजन आज 9 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया । परीक्षा में कुल 76 अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा दी परीक्षा में 100 अंक के वस्तुनिष्ठ एवं व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे गए उक्त परीक्षा का परिणाम 24 अप्रैल को जारी किया जाएगा । लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार होगा साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों के घर जाकर पृष्ठभूमि सत्यापन के बाद अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी विद्यार्थियों को सीजीपीएससी 2023 की संपूर्ण निशुल्क कोचिंग एवं 14 माह उपलब्ध कराई जाएगी, कक्षाएं 15 मई 2023 से दुर्ग स्थित कैंपस में प्रारंभ होगी । इसका मुख्य उद्देश्य वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए मुख्य चुनौती सामाजिक पूंजी (स्शष्द्बड्डद्य ष्टड्डश्चद्बह्लड्डद्य) का अभाव होना ही माना गया है जिस वजह बहुत से मेधावी और प्रतिभावान छात्र आर्थिक सहयोग के बावजूद, अपने आस पास सही मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में कमी तथा व्यक्तिगत चुनौतियों को पहचान कर उन पर कार्य न कर सकने के कारण छत्तीसगढ़ पीएससी जैसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में पीछे रह जाते है । उक्त परीक्षा में डॉ. नीलम अग्रवाल समन्वयक नैक एवं रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सदस्य, डॉ. ई पी चेलक, रोजगार मार्गदर्शक प्रकोष्ठ समिति प्रभारी श्रीमती सीमारानी प्रधान, श्री अजय कुमार राजा प्रभारी रासेयो पुरुष इकाई, श्रीमती राजेश्वरी सोनी, रासेयो प्रभारी महिला इकाई , श्रीमती सरस्वती सेठ, श्री केशरचंद बनपाल, श्री आशुतोष पुरी गोस्वामी,श्रीमती मनीषा बेहरा, श्री जगदीश सत्यम, सुश्री मृणाली चंद्राकर, श्री पिंटू घृतलहरे नेतृत्व साधना केंद्र उपस्थित रहें ।

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

10 Apr 2023

76 अभ्यर्थी ने दी लिखित परीक्षा, 27 अप्रैल को आएगा परिणाम

निःशुल्क सीजी पीएससी कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸। महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में 9 अप्रैल 2023 को प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन व डॉ. मालती तिवारी जिला संगठक रासेयो जिला महासमुंद के मार्गदर्शन में रोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा नेतृत्व साधना केंद्र दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के आर्थिक सामाजिक, भौगोलिक रूप से पिछड़े 70 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को निःशुल्क सीजीपीएससी वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को निःशुल्क सीजीपीएससी की कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा लीड -36 (चतुर्थ वर्ष में) का आयोजन किया गया।

परीक्षा में कुल 76 अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा दी। परीक्षा में 100 अंक के वस्तुनिष्ठ एवं व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे गए। उक्त परीक्षा का परिणाम 24 अप्रैल को जारी किया जाएगा। लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों के घर जाकर पृष्ठभूमि सत्यापन के बाद अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। विद्यार्थियों को सीजीपीएससी 2023 की संपूर्ण निशुल्क कोचिंग एवं 14 माह उपलब्ध कराई जाएगी, कक्षाएं 15 मई 2023 से दुर्ग स्थित कैंपस में प्रारंभ होगी। इसका मुख्य उद्देश्य वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए मुख्य चुनौती सामाजिक पूंजी (सोशल केपिटल) का अभाव होना ही माना गया है, जिस वजह बहुत से मेधावी और प्रतिभावान छात्र आर्थिक सहयोग के बावजूद अपने आस पास सही मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में कमी तथा व्यक्तिगत चुनौतियों को पहचान कर उन पर कार्य न कर सकने के कारण छत्तीसगढ़ पीएससी जैसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में पीछे रह जाते हैं।

उक्त परीक्षा में डॉ. नीलम अग्रवाल समन्वयक नैक एवं रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सदस्य, डॉ. ईपी चेलक, रोजगार मार्गदर्शक प्रकोष्ठ समिति प्रभारी सीमारानी प्रधान, अजय कुमार राजा प्रभारी रासेयो पुरुष इकाई, राजेश्वरी सोनी, रासेयो प्रभारी महिला इकाई, सरस्वती सेठ, श्री केशरचंद बनपाल, आशुतोष पुरी गोस्वामी, मनीषा बेहरा, जगदीश सत्यम, मृणाली चंद्राकर, पिंटू घृतलहरे नेतृत्व साधना केंद्र उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय प्राचार्य सहित सभी अधिकारियों को नेतृत्व साधना केंद्र की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Mahasamund - 10 Apr 2023 - 10msd1
epaper.navabharat.news

पीएससी कोचिंग प्रवेश परीक्षा में 76 हुये शामिल

नवभारत कार्यालय । महासमुंद।

शासकीय पीजी महाविद्यालय में निः शुल्क सीजी पीएससी कोचिंग के लिये प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इसमें रोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा नेतृत्व साधना केन्द्र दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में छग के आर्थिक सामाजिक, भौगोलिक रूप से पिछड़े 70 प्रतिभावन छात्र-छात्राओं को निः शुल्क सीजीपीएससी की कोचिंग के लिये प्रवेश परीक्षा एलईएडी 36 का आयोजन किया गया। इसमें कुल 76 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा में 100 अंक के वस्तुनिष्ठ एवं व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे गये। कॉलेज की विज्ञप्ति में बताया कि परीक्षा का परिणाम 24 अप्रैल को जारी किया जायेगा। लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों के घर जाकर पृष्ठभूमि सत्यापन के बाद अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। विद्यार्थियों को सीजीपीएससी 2023 की संपूर्ण निःशुल्क कोचिंग एवं 14 माह उपलब्ध कराई जाएगी। कक्षाएं 15 मई 2023 से दुर्ग स्थित कैंपस में प्रारंभ होगी। परीक्षा में डॉ. नीलम अग्रवाल समन्वयक नैक एवं रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सदस्य, डॉ. ई पी चेलक, रोजगार मार्गदर्शक प्रकोष्ठ समिति प्रभारी श्रीमती सीमारानी प्रधान, अजय कुमार राजा प्रभारी रासेयो पुरुष इकाई, श्रीमती राजेश्वरी सोनी, रासेयो प्रभारी महिला इकाई , श्रीमती सरस्वती सेठ,केशरचंद बनपाल, आशुतोष पुरी गोस्वामी,श्रीमती मनीषा बेहरा,जगदीश सत्यम, सुश्री मृणाली चंद्राकर,पिंटू घृतलहरे नेतृत्व साधना केंद्र उपस्थित रहें। कार्यक्रम में प्राचार्य सहित अधिकारियों को नेतृत्व साधना केंद्र की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

By Dr.Ansuya

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द, छत्तीसगढ़
आपका हार्दिक अभिनंदन करता हैं...
DELHI IAS ACADEMY
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)
DELHI IAS ACADEMY

33W6+JRV, Chhattisgarh 493445, India
Mahasamund
Chhattisgarh
India
2023-04-23(Sun) 01:57(pm)
32°C
90°F
Google

By Dr.Ansuya

महाविद्यालय में दिल्ली आईएएस ओपन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

स्वदेश संवाददाता, महासमुंद।

रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं दिल्ली आई. ए. एस. अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ प्रतिभा खोज परीक्षा हुनर का सम्मान दिल्ली आई.ए.एस. ओपन स्कॉलरशिप परीक्षा का निःशुल्क आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार व कक्ष क्रमांक 12 में आयोजित किया गया। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवा मे जाने के इच्छुक छात्र छात्राओं बेहतर कोचिंग देना। इस हेतु स्कालर टेस्ट मे चयनित प्रथम 100 अभ्यर्थी हेतु 10 लाख तक की स्कॉलरशिप प्रदान किया जायेगा। इस टेस्ट के चयनित विद्यार्थियों के लिए कोचिंग व पूरे वर्ष मासिक पत्रिका का वितरण किया जाएगा। प्राचार्य डा. अनुसुइया अग्रवाल ने इस परीक्षा में सम्मिलित सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी हेतु महाविद्यालय मार्गदर्शन और सहयोग करने हेतु प्रतिबद्ध है। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास जारी है। आप लगन और मेहनत से अध्ययन करते रहें। सफलता जरूर मिलेगी। यह आयोजन महाविद्यालय द्वारा छात्र हित में किया जा रहा है व महाविद्यालय ऐसे परीक्षाओं का आयोजन आगे भी करता रहेगा। उक्त कार्यक्रम डॉ मालती तिवारी जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजनाए डॉ नीलम अग्रवाल समन्वयक नैक का विशेष सहयोग रहा। डा तिवारी ने प्रतियोगी परीक्षा के महत्व को उजागर किया। डा नीलम अग्रवाल ने भविष्य मे आयोजित परीक्षा के लिए अध्ययन व पुस्तकों की जानकारी प्रदान की। परीक्षा में 100 आब्जेक्टीव प्रश्न पूछे गये हैं। प्रत्येक प्रश्न 1-1 नंबर के थे। उत्तर हेतु ब्लैक सीट वितरित किये गये। दिल्ली आई ए एस अकादमी की तरफ से सभी परीक्षार्थियों को मैग्जिन व पाठय सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराया गया। श्रीमती सीमा रानी प्रधान रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजन मे, प्रकोष्ठ के सदस्य अजय कुमार राजा, सरस्वती सेठ, प्रदीप कन्हेर, केशरचंद्र बनपाल, मनीषा चेहरा, मृणाली चंद्राकर एव सहयोग हेतु लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर, नम्रता तंबोली, डाकेश्वरी साहू ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका निभाये। दिल्ली आई ए एस अकादमी से प्रकाश वर्मा, रूचि वर्मा, शिवकिशन, आकाश नारायण शर्मा, मयंक सिंग, सुमित श्रीवास्तव, स्वतंत्र सिंग, तनिष्क यादव, विजेन्द्र डोगरे उपस्थित होकर परीक्षा संपन्न किया।

कालेज में दिल्ली आईएएस ओपन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए महाविद्यालय मार्गदर्शन और सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध

पत्रिका

Share

पत्रिका
महासमुंद, रविवार, 30 अप्रैल 2023
SUN patrika

12 दिवसीय वैल्यू ऐडेड कोर्स संचालित

बैंकिंग के क्षेत्र में जाने के लिए छात्र-छात्राओं को किया प्रेरित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में 24 अप्रैल से 6 मई 2023 तक प्रतिदिन 8 से 11 बजे तक 12 दिवसीय वैल्यू ऐडेड कोर्स संचालित हो रहा है।

कोर्स के प्रथम और द्वितीय दिवस पर महेश मक्कड़ विकास अधिकारी भारतीय जीवन बीमा निगम महासमुंद ने अपने व्याख्यान में बीमा कल, आज और कल विषय पर जानकारी देते हुए जीवन बीमा के महत्व को बताया एवं छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। तृतीय और चतुर्थ दिवस पर मुख्य वक्ता राजेश कुमार सोनी जीवन बीमा अभिकर्ता ने भारतीय जीवन बीमा की संगठन व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए जीवन बीमा की कार्यप्रणाली और जीवन बीमा की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। अभिषेक बहादुर एबीएम भारतीय जीवन बीमा निगम महासमुंद ने संप्रेषण कौशल के संदर्भ में छात्रों से चर्चा कर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसके बाद वासुदेव पंसारी शाखा प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम महासमुंद ने बीमा के क्षेत्र में कैरियर की संभावनाओं को समझाया। 28 अप्रैल को वैल्यू ऐडेड कोर्स के पांचवें दिन के मुख्य वक्ता गजेंद्र साहू थे, जो भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर में सहायक महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2007 में शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय महासमुंद से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और सितंबर 2014 में प्रबंधक के रूप में आरबीआई में पदस्थ हुए। उन्होंने सितंबर 2014 से मार्च 2021 तक वित्तीय समावेश और विकास विभाग केंद्रीय कार्यालय आरबीआई मुंबई में कार्य किया। वर्तमान में गजेंद्र साहू आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में रायपुर में कार्यरत हैं। उन्होंने बैंकिंग के क्षेत्र में प्रवेश की प्रक्रिया का वर्णन करते हुए छात्र-छात्राओं को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया।

कार्यों की दी जानकारी

इस अवसर पर मुख्य वक्ता गजेंद्र साहू ने बैंकिंग क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पीपीटी प्रेजेंटेशन द्वारा छात्रों को रिजर्व बैंक के कार्यों एवं नीति निर्माण में योगदान आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा डॉली चंद्राकर ने किया। एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर के छात्र उदित कठौतिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के ब्रोशर किया प्रदान

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग के एमए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा धरोहर झरोखा मिनी संग्रहालय में छत्तीसगढ़ महतारी और शहीद वीर नारायण सिंह की पेंटिंग्स प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल को प्रदान की। प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी धरोहर झरोखा के माध्यम से अपनी संस्कृति को समृद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं। प्राचार्य द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से प्राप्त छत्तीसगढ़ के विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के ब्रोशर प्रदान किया। डॉ. रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने विद्यार्थियों को इस सराहनीय कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। इससे धरोहर झरोखा समृद्ध होगा और विद्यार्थियों को अपनी छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जानने का अवसर प्राप्त होगा। पर्यटन विभाग से प्राप्त ब्रोशर विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए सहायक होंगे।

महाविद्यालय में दिल्ली आईएएस ओपन स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

अमृत संदेश । महासमुंद

रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं दिल्ली आई. ए. एस. अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ प्रतिभा खोज परीक्षा हुनर का सम्मान दिल्ली आई.ए.एस. ओपन स्कॉलरशिप परीक्षा का नि:शुल्क आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार व कक्ष क्रमांक 12 में आयोजित किया गया।

परीक्षा का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवा मे जाने के इच्छुक छात्र छात्राओं बेहतर कोचिंग देना। इस हेतु स्कालर टेस्ट में चयनित प्रथम 100 अभ्यर्थी हेतु 10 लाख तक की स्कॉलरशिप प्रदान किया जायेगा। इस टेस्ट के चयनित विद्यार्थियों के लिए कोचिंग व पूरे वर्ष मासिक पत्रिका का वितरण किया जाएगा।

प्राचार्य डा. अनुसुइया अग्रवाल ने इस परीक्षा में सम्मिलित सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं को बेहतर तैयारी हेतु महाविद्यालय मार्गदर्शन और सहयोग करने हेतु प्रतिबद्ध है। आपके उज्वल भविष्य के लिए

निरंतर प्रयास जारी है। आप लगन और मेहनत से अध्ययन करते रहें। सफलता जरूर मिलेगी। यह आयोजन महाविद्यालय द्वारा छात्र हित में किया जा रहा है व महाविद्यालय ऐसे परीक्षाओं का आयोजन आगे भी करता रहेगा। उक्त कार्यक्रम डॉ मालती तिवारी जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजनाए डॉ नीलम अग्रवाल समन्वयक नैक का विशेष सहयोग रहा। डा तिवारी ने प्रतियोगी परीक्षा के महत्व को उजागर किया। डा नीलम अग्रवाल ने भविष्य में आयोजित परीक्षा के लिए अध्ययन व पुस्तकों की जानकारी प्रदान की। परीक्षा में 100 आब्जेक्टीव प्रश्न पूछे गये हैं। प्रत्येक प्रश्न 1-1 नंबर के थे। उत्तर हेतु ब्लड् सीट वितरित किये गये। दिल्ली आई ए एस अकादमी की तरफ से सभी परीक्षार्थियों को मैग्जिन व पाठय सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराया गया। श्रीमती सोमा रानी प्रधान रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजन मे, प्रकोष्ठ के सदस्य अजय कुमार राजा, सरस्वती सेठ, प्रदीप कन्हेर, केशरचंद बनपाल, मनीषा बेहरा, मृणाली चंद्राकर एव सहयोग हेतु लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर, नम्रता तंबोली, ढाकेश्वरी साहू ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका निभाये। दिल्ली आई ए एस अकादमी से प्रकाश वर्मा, रूचि वर्मा, शिवकिशन, आकाश नारायण शर्मा, मयंक सिंग, सुमित श्रीवास्तव, स्वतंत्र सिंग, तनिषा यादव, विजेन्द्र डोगरे उपस्थित होकर परीक्षा संपन्न किया।

33W7+WJC, Machewa, Chhattisgarh 493445, India
Machewa
Chhattisgarh
India
2022-06-15(Wed) 11:13(am)
37°C
99°F
Mata Karma Girls Co
Machewa Mahasam
शासकिय उचित
मूल्य दुकान...
Google

33W6+JRV, Chhattisgarh 493445, India
Chhattisgarh
India
2022-05-18(Wed) 11:48(am)
37°C
99°F
Google

सभागार
05
धरोहर झरोखा
DREAMS

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)

धरोहर झरोखा

सौजन्य - संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, छ.ग. शासन एवं इतिहास विभाग

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)

शाही गज

शाही गज

गणेश
मंजुश्री

गणेश
मंजुश्री

गणेश
मंजुश्री

एलुमनी संजय ने धरोहर झरोखा के लिए छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषण का किया दान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ ज्योति पांडे एवं विधायक विनोद चंद्राकर के निर्देशन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने के लिए संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक विवेक आचार्य द्वारा धरोहर झरोखा का निर्माण किया जा रहा है। धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने के लिए मूर्तियां एवं पर्यटन मंडल से प्राप्त पोस्टर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। 29 अप्रैल को एलुमनी संजय एक्का द्वारा धरोहर झरोखा के लिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति को प्रदर्शित करने, छत्तीसगढ़ के परंपरागत आभूषण ताबीज, ढोलकी, मोहर, सुता, पहुंची, पैरी करधन, बिछिया आदि आभूषण आभूषण फ्रेम करवाकर प्रभारी प्राचार्य डॉ ईपी चेलक एवं डॉ रीता पांडे एलुमनी संयोजक, विभागाध्यक्ष इतिहास डॉ दुर्गावती भारती, सचिव एलुमनी समिति कोषाध्यक्ष अजय राजा, कार्यालय प्रमुख राजेश शर्मा, मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास की उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने बताया कि जिले का यह प्रथम महाविद्यालय है, जहां धरोहर झरोखा, संचनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को जानने का अवसर प्राप्त होगा। संजय झरबड़े, आर्टिस्ट, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा विवेकानंद सभागार स्थित धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से उत्खनन से प्राप्त मूर्तियों की प्रतिकृति स्थापित की गई। महाविद्यालय में धरोहर झरोखा इतिहास विभाग एवं डॉ जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र द्वारा किया जा रहा है। धरोहर झरोखा की स्थापना के लिए महाविद्यालय परिवार डॉक्टर अनसूया अग्रवाल, डॉ मालती तिवारी, डॉ वैशाली गौतम हिरवे, एमएस वर्मा एवं सभी स्टाफ इतिहास विभाग के विद्यार्थी दुर्गा साहू, करिश्मा डोंगरे, हुलसी और थलेश साहू एवं एलुमनी परिवार ने हर्ष जताया है।

धरोहर झरोखा हेतु छग के पारंपरिक आभूषणों का दान

पीजी कॉलेज में हो रही धरोहर झरोखा की स्थापना

उत्खनन में प्राप्त मूर्तियों की प्रतिकृति स्थापित

▪ नवभारत कार्यालय। महासमुंद.
www.navbharat.news

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडे एवं संसदीय सचिव व विधायक विनोद चंद्राकर के निर्देशन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने हेतु संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक विवेक आचार्य द्वारा धरोहर झरोखा का निर्माण किया जा रहा है. धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने हेतु मूर्तियां एवं पर्यटन ▪शेष पेज 3 पर

1:54 83%
Vijay Amrit Sandesh Al...
Today, 12:20 pm

अमृत संदेश

संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा मूर्तियों की प्रतिकृति स्थापित

महासमुंद (अमृत संदेश)। छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने हेतु संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक विवेक आचार्य द्वारा धरोहर झरोखा का निर्माण किया जा रहा है। धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदर्शित करने हेतु मूर्तियां एवं पर्यटन मंडल से प्राप्त पोस्टर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। 29 अप्रैल 2022 को एलुमनी संजय एक्का द्वारा, धरोहर झरोखा हेतु छत्तीसगढ़ की संस्कृति को प्रदर्शित करने हेतु, छत्तीसगढ़ के परंपरागत आभूषण ताबीज, ढोलकी, मोहर, सुता, पहुंची, पैरी करधन, बिछिया, पहुंची आदि आभूषण आभूषण फ्रेम करवाकर प्रभारी प्राचार्य डॉ इ.पी .चेलक एवं डॉ रीता पांडे एलुमनी संयोजक,विभागाध्यक्ष इतिहास ,डॉ दुर्गावती भारती सचिव एलुमनी समिति, कोषाध्यक्ष अजय राजा, मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास की उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने बताया कि जिले का यह प्रथम महाविद्यालय है जहां धरोहर झरोखा, संचनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है विद्यार्थियों को इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं पुरातत्व को जानने का अवसर प्राप्त होगा। संजय झरबड़े, आर्टिस्ट, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा विवेकानंद सभागार स्थित धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से उत्खनन से प्राप्त मूर्तियों की प्रतिकृति स्थापित की गई। महाविद्यालय में धरोहर झरोखा इतिहास विभाग एवं

मधुरम्

2022-23

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द छत्तीसगढ़ - महाविद्यालय एक परिचय

सन् 1965 से स्थापित महाविद्यालय सन् 1981 में शासनाधीन हुआ। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द जिले का अग्रणी महाविद्यालय है। यहाँ वर्तमान में 5000 नियमित विद्यार्थी कला, वाणिज्य, विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर, योग इत्यादि विभिन्न विषयों में शिक्षा प्राप्त करते हैं। 02 शोध केन्द्रों व 12 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ महाविद्यालय का इतिहास हर क्षेत्र में उपलब्धियों से भरपूर है। वर्तमान में यह महाविद्यालय अपनी प्रगति के नित नये सोपानों की ओर अग्रसर है.....

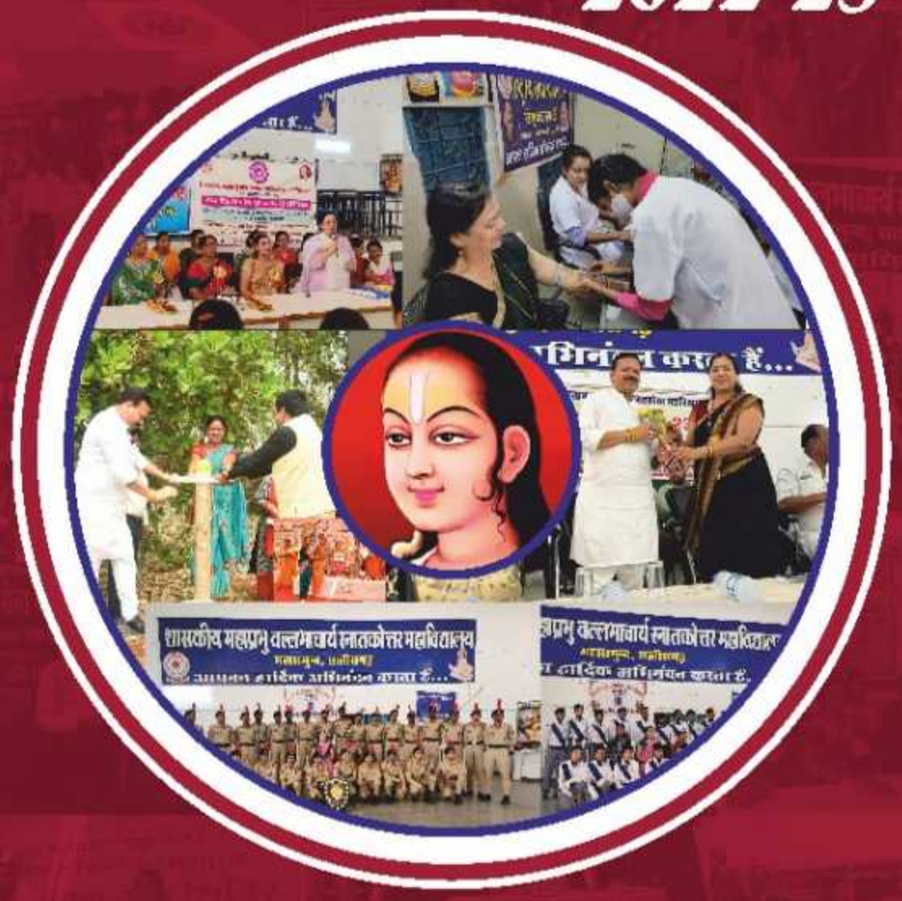

नैक द्वारा प्रत्यायित

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय

महासमुन्द (छ.ग.) 493445

Email : pgcollege.mahasamund@gmail.com Web : www.mvpgcollege.in

※ प्राचार्य/संपादक की कलम से ※

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है, कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की सृजनात्मकता के प्रयास स्वरूप ''मधुरम्'' आपके सम्मुख है। पूर्व के वर्षों में इस महाविद्यालय से ''ऋचा'' नाम से हमारी पत्रिका प्रकाशित होती रही है तथापि 16 सितम्बर 2006 को इस महा-विद्यालय का नवीन नामकरण शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द हुआ। संपादक मंडल ने महसूस किया कि पत्रिका का नाम भी महाप्रभु वल्लभाचार्य से संबंधित होना चाहिए तब सर्वसम्मति से महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की ''मधुराष्टकं'' रचना से ''मधुरम्'' को चुना गया। विदित हो कि इसमें ''मधुरम्'' विशेषण का प्रथम से अंतिम पंक्ति तक प्रयोग हुआ है। वल्लभाचार्य जी के ''मधुराष्टकं'' में श्री कृष्ण के बालरूप की मधुरता का वर्णन है। श्री कृष्ण की प्रत्येक अंग चेष्टाएं एवं क्रियाकलाप अत्यंत मधुर है। उनके संयोग, कृपा, दर्शन और प्रेम मात्र से सजीव ही नहीं निर्जीव वस्तुएं भी मधुरता प्राप्त कर लेती है। सच तो यह है कि श्री कृष्ण की नयन दृष्टि से संपूर्ण सृष्टि भी संचालित और संपूर्ण भाव मधुर बन पड़ी हैं, आपके साथ हमारे संबंध और विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के श्रेष्ठ भावों से समृद्ध यह पत्रिका भी। मुझे प्रसन्नता है, कि पत्रिका के इस नामकरण की साक्षी 'संस्था प्रमुख' के रूप में बनने का मुझे सुअवसर मिला। इस पत्रिका रूपी दीपक में, हमारे अनुभवी प्राध्यापकों ने अपने विचार रूपी तेल भरकर छात्राओं एवं समाज को नई दिशा व प्रेरणा देने के लिए कुछ नवाचार करने का बीड़ा उठाया है। कोरोना काल में ऑनलाईन अध्यापन की नई शिक्षा पद्धति के द्वारा अध्यापन कराया गया। यह समय की मांग थी किन्तु 'मधुरम्' कोरोना काल जैसे वैश्विक संकट को पार करके विद्यार्थी एवं शिक्षकों का यह अभिनव प्रयास है जिसमें पाठकों को महाविद्यालय के विकास, विभिन्न विभाग, अध्यापन किए जा रहे विभिन्न कोर्स, क्रीड़ा, एन.एस.एस., एन.सी.सी., शोध केन्द्र, धरोहर झरोखा, पी.एस.सी. निःशुल्क कोचिंग आदि के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी। यह ''मधुरम्'' पत्रिका नहीं अपितु सत्य, चिंतन, विकास का गुलदस्ता है जो विद्यार्थियों की कोमल कल्पनाओं को ऊँचाई देने का सशक्त माध्यम है। प्रस्तुत ''मधुरम्'' में लेख, कहानी, कविता, लघुकथा, संस्मरण, सुक्ति, विचार आदि पढ़ने को मिलेंगे; पाठकों को प्रेरणा भी मिलेगी। यूं तो पत्रिका प्रकाशन में बहुत दिक्कतें थी तथापि समस्याएँ ही सृजन की नई दृष्टि क्षमता या प्रतिमा को उभारती है, यथास्थिति से परे जाकर बदलाव और इसके अनुरूप कार्य करती है। हमारी प्रगति हमारे आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान को जगाने में अहम रोल अदा करती है। मेरा मानना है, कि समस्याएं ही हमारे जीवन में सफलता, व्यापकता और अधिकतम सार्थकता की जननी है। समस्या और निराशा हमें तराशने का जरिया है, और हम इसे अपना दुश्मन मान लेते है जबकि वास्तव में यह हमारा छिपा हुआ दोस्त है। किसी व्यक्ति की जिन्दगी में जो परिस्थितियाँ होती है; वो महत्वपूर्ण नहीं है; महत्वपूर्ण तो यह है कि व्यक्ति उन परिस्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। उसकी प्रतिक्रिया ही सफलता या असफलता का निर्णायक तत्व है। तद्अनुसार ही पत्रिका आपके हाथों में है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सम्यक विकास के लिए अपार संभावनाएँ है एवं महाविद्यालय में अध्यापन कराए जाने वाले विषय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक एवं रोजगारोन्मुखी है। जिन्दगी में यह महत्वपूर्ण नहीं होता कि आप कहाँ से शुरू करते है, महत्वपूर्ण यह होता है, कि आप कहाँ पहुँचते हैं एवं यह लम्हा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है; जब आप समस्या या विपत्तियों को पार कर विजयी होकर एक विजेता के तौर पर मंजिल तक पहुँचते हैं। बहरहाल प्रकाशक मंडल की ओर से उन सभी की आभारी हूँ। जिन श्रेष्ठ एवं गुणीजनों ने अपनी शुभकामनाओं द्वारा मधुरम् का मान बढ़ाया है; एवं रचनाओं से पत्रिका को श्री सम्पन्न किया है। महाविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापकगण एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ को साधुवाद! ''मधुरम्'' की रचनाधर्मिता एवं परिकल्पना अविराम हो। इन्हीं मंगलभावों के साथ ....

प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल, डी.लिट्.

प्राचार्य एवं संपादक

E-mail ID :

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

दिनांक 08.04.2022 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी सामाजिक विज्ञानों में शोध प्रविधि की उपादेयता

दिनांक 08.04.2022 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में उपस्थित प्राध्यापक एवं शोधार्थी

वार्षिक पुरस्कार समारोह 2022-23

अंतर महाविद्यालय युवा उत्सव के लिए चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

इतिहास विभाग द्वारा मेरिट में आए छात्र-छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया

इतिहास विभाग द्वारा मेरिट में आए छात्र-छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया

एनएसएस स्थापना दिवस के अवसर पर

ओपन जिम में माननीय विनोद सेवन लाल चंद्राकर विधायक, जनभागीदारी अध्यक्ष एवं संसदीय सचिव छ.ग. शासन तथा अलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष श्री दाऊलाल चंद्राकर जी

मधुरम्

2022-23

:: सम्पादक मण्डल ::

सम्पादक
प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी.लिट्.
प्राचार्य

उप सम्पादक
डॉ. नीलम अग्रवाल
विभागाध्यक्ष (अर्थशास्त्र)

सह सम्पादक
डॉ. मालती तिवारी
विभागाध्यक्ष (राजनीति शास्त्र)

:: सदस्य ::

श्रीमती सीमा रानी प्रधान
सहायक प्राध्यापक हिन्दी

दिलीप कुमार बढ़ाई
सहायक प्राध्यापक भूगोल

:: प्रकाशक ::

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छ.ग.) 493445

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	लेखक / संकलक	पृष्ठ क्र.
1	शुभकामना संदेश		1-7
2	महाप्रभु पुष्टि मार्ग के जनक	डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	8
3	नेक एवं आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	डॉ. नीलम अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक	9
4	वीरांगना बिलासा बाई	कु. बोधिता निषाद, एम.एस.सी. (प्राणीशास्त्र)	10
	स्वामी विवेकानंद	कु. ऋचा चन्द्राकर, एम.एस.सी. (वनस्पति शास्त्र)	
5	अग्रणी महाविद्यालय में शोध केन्द्र	प्रो. डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, प्राचार्य	11
		डॉ. मालती तिवारी, स.प्रा.	
6	हिन्दी विभाग - साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ	डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	12
7	राजनीति शास्त्र विभाग - नित नये आयाम	डॉ. मालती तिवारी, सहायक प्राध्यापक	13
8	शिविर अनुभव : मेरे द्वितीय एन.सी.सी. कैम्प, लखौली का अनुभव	कु. अदिति पाण्डेय-एन.सी.सी.	14
	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	कुंवर सिंह खुंटे	
9	महाविद्यालय की झलकियाँ	संपादक मण्डल	15
10	रसायन शास्त्र विभाग - प्रतिवेदन	प्रो. करूणा दुबे, सहायक प्राध्यापक	16
11	अर्थशास्त्र विभाग - गतिविधियाँ	डॉ. नीलम अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक	17
12	प्रमाण - रचना	सागर उपाध्याय,	18
	उम्मीद	केशरी ध्रुव, बी.कॉम 2 सेमे.	
13	अंग्रेजी विभाग - प्रतिवेदन	प्रो. सी खलको, सहायक प्राध्यापक	19
14	महाविद्यालय की झलकियाँ	संपादक मण्डल	20
15	इतिहास विभाग - कल आज और कल	डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	21
16	एन.सी.सी., एन.एस.एस.	प्रो. राजेश्वरी सोनी, सहायक प्राध्यापक	22
17	महाविद्यालय का वनस्पति शास्त्र विभाग	डॉ. ई.पी. चेलक, सहायक प्राध्यापक	23
18	निराशा के आगे जीत	गौरव पाटकर, बी.कॉम फाइनल	24
19	वाणिज्य विभाग - प्रतिवेदन	प्रो. अजय कुमार राजा, सहायक प्राध्यापक	25
20	महाविद्यालय में पीएससी नि:शुल्क कोचिंग का संचालन	डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	26
21	समाजशास्त्र विभाग - प्रतिवेदन	श्री दिलीप बड़ाई, सहायक प्राध्यापक	27
	भौतिक शास्त्र विभाग - प्रगति की ओर अग्रसर	प्रो. मनीराम धीवर, सहायक प्राध्यापक	
22	गणित विभाग - प्रतिवेदन	प्रो. मनीराम धीवर, सहायक प्राध्यापक	28
23	महाविद्यालय कन्या छात्रावास	प्रो. सरस्वती सेठ, सहायक प्राध्यापक	29
24	क्रीड़ा - प्रतिवेदन	श्री दिलीप लहरे, सहायक प्राध्यापक	30
25	राष्ट्रीय सेवा योगजना : ग्रामीण विकास के लिए युवा मेगा शिविर 2022	डॉ. मालती तिवारी, सहायक प्राध्यापक	31
26	महाविद्यालय पुस्तकालय - एक जानकारी	सूरज राम राज्रे, ग्रंथपाल	32
27	मेरिट सूची		33
28	योग विभाग - विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध	श्री दिलीप लहरे, सहायक प्राध्यापक	34
29	महाविद्यालय कार्यक्रमों की झलकियाँ	संपादक मण्डल	35
30	भूगोल विभाग -	प्रो. दिलीप बड़ाई, सहायक प्राध्यापक	36
31	कम्प्यूटर विभाग - प्रतिवेदन	डॉ. अजय कुमार देवांगन, सहायक प्राध्यापक	37
32	महाविद्यालय कार्यक्रमों की झलकियाँ	संपादक मण्डल	38
33	प्राणीशास्त्र विभाग - प्रतिवेदन	प्रियंका सोनवानी, सहायक प्राध्यापक	39
34	धरोहर झरोखा	डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	40

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता

यूथ 20 (Y-20) वार्ता जन-जागरूकता कार्यक्रम पर निबंध प्रतियोगिता

महाविद्यालय का क्रीड़ा विभाग प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं

यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण महाविद्यालय में

संस्था गत विकास योजना के अन्तर्गत राज्य नोडल अधिकारी सुश्री कीर्ति श्रीवास का व्याख्यान

यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी साहित्य में बसंत का औदात्य एवं प्रस्तुति का वैविध विषय विशेषज्ञ का सम्मान

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी साहित्य में बसंत का औदात्य की प्रस्तुति वैविध्य के विषय विशेषज्ञ का सम्मान

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

महाविद्यालय छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता

दिल्ली आई.ए.एस. एकेडमिक रायपुर शाखा के निर्देशक स्वतंत्र सिंग पुस्तिका भेंट करते हुए

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेट प्राइस सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान

आजादी के अमृत महोत्सव पर रैली कार्यक्रम

कन्या छात्रावास में प्राचार्य एवं स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं

योग विभाग द्वारा आयोजित योगशिविर

धरोहर झरोखा निरीक्षण करते प्राचार्य एवं स्टाफ

पुरस्कार वितरण में महाविद्यालय परिवार

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	लेखक / संकलक	पृष्ठ क्र.
35	महाविद्यालय का परिचय		1-7
36		डॉ. रीता पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	8
37			9
38			10

शुभकामना संदेश

विश्वभूषण हरिचंदन
Biswabhusan Harichandan

राजभवन, रायपुर
Rajbhavan, Raipur

राज्यपाल, छत्तीसगढ़
Governor, Chhattisgarh

क्र./67 /पीआरओ/रास/2023
रायपुर, दिनांक 24 अप्रैल 2023

—: संदेश :—

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद के द्वारा सत्र 2022–23 हेतु महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका **'मधुरम'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखनी को नया आयाम मिलेगा। महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी, पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज में प्रसारित होगी। इससे विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को नयी दिशा मिलेगी।

पत्रिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

विश्वभूषण हरिचंदन
(विश्वभूषण हरिचंदन) 23/4

हमारा महाविद्यालय परिवार

क्र.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पदनाम	क्र.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	प्रो. (डॉ.) अनुसुईया अग्रवाल	प्रभारी प्राचार्य	26	सुश्री प्रियंका सोनवानी	सहायक प्राध्यापक
2	प्रो. करूणा दुबे	सहायक प्राध्यापक	27	श्री केशरचंद बनपाल	सहायक प्राध्यापक
3	डॉ. सीता पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	28	डॉ. जीवन लाल चंद्राकर	अतिथि व्याख्या
4	डॉ. मालती तिवारी	सहायक प्राध्यापक	29	श्रीमती गायत्री चंद्राकर	अतिथि व्याख्या
5	डॉ. आर.के. अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	30	श्री विजय कुमार मिर्चे	अतिथि व्याख्या
6	डॉ. नीलम अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	31	कु. मृणाली चंद्राकर	अतिथि व्याख्या
7	प्रो. सी. खलखो	सहायक प्राध्यापक	32	श्री नरेश कुमार	अतिथि व्याख्या
8	श्री एस.आर. सात्रे	ग्रंथपाल	33	श्री अजय कुमार भोई	अतिथि व्याख्या
9	श्री मनीराम धीवर	सहायक प्राध्यापक	34	श्रीमती कविता भावसकर	अतिथि व्याख्या
10	डॉ. दुर्गावती भारतीय	सहायक प्राध्यापक	35	श्री गौरव कुमार सोनी	अतिथि व्याख्या
11	श्रीमती सीमारानी चेलक	सहायक प्राध्यापक	36	कु. दीप्ति पटेल	अतिथि व्याख्या
12	डॉ. ईश्वरी प्रसाद चेलक	सहायक प्राध्यापक	37	कु. ममता तम्बोली	अतिथि व्याख्या
13	श्री प्रदीप कन्हेर	सहायक प्राध्यापक	38	कु. डाकेश्वरी साहू	अतिथि व्याख्या
14	श्रीमती सरस्वती सेठ	सहायक प्राध्यापक	39	परवीन करीम	अतिथि व्याख्या
15	प्रो. अजय कुमार राजा	सहायक प्राध्यापक	40	श्री योगेश कुमार साहू	अतिथि व्याख्या
16	श्रीमती राजेश्वरी सोनी	सहायक प्राध्यापक	41	कु. शिवानी तावेस्कर	अतिथि व्याख्या
17	श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर	सहायक प्राध्यापक	42	श्री टीकम साहू	कम्प्यु.शि.स्ववित्तीय
18	श्री दिलीप कुमार लहरे	सहायक प्राध्यापक	43	कु. पूजा यादव	कम्प्यु.शि.स्ववित्तीय
19	डॉ. अजय कुमार देवांगन	सहायक प्राध्यापक	44	कु. रूखमणी साहू	योगशि.स्ववित्तीय
20	श्री मनबोध चौहान	सहायक प्राध्यापक	45	कु. रेणुका साहू	ज.भा. प्राध्यापक
21	श्री दिलीप कुमार बढ़ाई	सहायक प्राध्यापक	46	श्री गुप्तेश नामदेव	ज.भा. प्राध्यापक
22	श्री आशुतोष पूरी गोस्वामी	सहायक प्राध्यापक	47	डॉ. अमर सिंह ठाकुर	ज.भा. प्राध्यापक
23	कु. प्रियंका चक्रधारी	सहायक प्राध्यापक	48	कु. दीपिका साहू	ज.भा. प्राध्यापक
24	कु. मनीषा बेहरा	सहायक प्राध्यापक	49	श्रीमती रोशनी ध्रुव	ज.भा. प्राध्यापक
25	श्री जगदीश सत्यम	सहायक प्राध्यापक			

बचपन

आज भी ताज़ा है वो यादें,
जो हम जोग बढ़ी में,
सिक्का फेंककर करते थे फरियादें।
गुज़र गए वो प्यार भरे पल,
जब घर में गुंजती रहती थी,
हमारे आवाजों की कल कल।

पर आज भी बची है हममें,
बहुत सी नादानियाँ,
जिससे,
बज जाती है माँ के हाथों,
और हमारे गालों के बीच,
धीमी सी तालियाँ।

नाम - कु. चाँदनी निषाद
कक्षा - बी.कॉम. 2 सेमे.

माँ का आँचल, मेरी दुनिया

तेरी गोद में खिला था मैं बन कर एक फूल,
तूने सिखाया हर सच्चाई को करना कबूल,
हर सुबह तैयार करके भेजा मुझे स्कूल,
तूने सुधारी मेरी हर एक भूल।

तूने मुझे फूल से फल बनाया,
ऊँगली पकड़कर चलना सिखाया,
मेरे साथ जिंदगी का खूबसूरत वक्त बिताया,
बूँद था मैं, मुझे सागर बनाया।

माँ तू है कितनी प्यारी,
तेरे आँचल में देखी दुनिया सारी,
तेरी ममता से महका है मेरा चमन,
ऐ माँ तेरे चरणों में शत-शत नमन।

तेरे लिए तो मैं ही सबसे अच्छा हूँ,
मैं ही सबसे सच्चा हूँ,
मैं चाहे कितना भी बड़ा हो जाऊँ,
माँ, मैं अब भी तेरा बच्चा हूँ।

नाम - दर्शिका गोलछा
कक्षा - बी.कॉम. 1 सेमे.

शुभकामना संदेश

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री

Bhupesh Baghel
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001
ई-मेल: cmcg@nic.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail: cmcg@nic.in

D.o.No. 644 Date 27/04/2023

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द द्वारा सत्र 2022–23 के लिए महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका 'मधुरम्' का प्रकाशन किया जा रहा है। ऐसे प्रकाशन अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इस पत्रिका में संस्था के रचनाशील प्राध्यापकों तथा छात्र–छात्राओं की मौलिक रचनाओं सहित उनकी विभिन्न कार्यात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(भूपेश बघेल)

शुभकामना संदेश

विनोद सेवनलाल चन्द्राकर
संसदीय सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन,
वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.)

निवास/कार्यालय
"श्री निवास"
बस स्टैंड के सामने, महासमुंद
जिला- महासमुंद, छत्तीसगढ़ पिन नं.- 493445
शासकीय निवास/कार्यालय
ई-4, बॉटल हॉउस के पास, शंकर नगर,
रायपुर, छत्तीसगढ़ पिन नं.- 492001
मो. : 94252 03876, 99779 11119
Email : chandrakarvinod047@gmail.com

क्रमांक/511/सं.सचिव/2023 महासमुन्द दिनांक- 25/04/2023.

"शुभकामना संदेश"

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द की वार्षिक महाविद्यालयीन पत्रिका "मधुरम" के "सत्र 2022–23" अंक प्रकाशन पर शुभकामना संदेश प्रेषित करते हुये मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

उक्त महाविद्यालयीन पत्रिका द्वारा अपने पूरे शिक्षण सत्र भर हुये महाविद्यालय के गतिविधियों का संग्रह एवं "छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों" के सतत शिक्षण सह रचनात्मक क्रियाकलापों पर प्रकाश डालती अभिनव दर्पण के समान है। इस प्रकार की पत्रिकायें बच्चों को विविध शिक्षण, खेल एवं अन्य महाविद्यालयीन गतिविधियों में सहभागी बनने के लिये प्रेरित करती है। इनके माध्यम से छात्रों को अपनी प्रतिभा को निखारने एवं व्यक्तित्व विकास हेतु उपयुक्त मंच प्रदान करती है। महाविद्यालय द्वारा अपनी इस पत्रिका के माध्यम से शिक्षण–सत्र भर किये गये शिक्षण एवं सह–शिक्षण गतिविधियां जैसे–शिक्षण सेमीनार, खेलकूद, एन.एस.एस एवं एन.सी.सी. प्रशिक्षण कार्यक्रम, रेडक्रॉस, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तथा विविध सामाजिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आदि को अपने छात्रों एवं पालकों के मध्य एक संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करती है। मुझे पूर्ण विश्वास है, कि पत्रिका "मधुरम" छात्रों के लिये प्रेरणाप्रद एवं लाभदायक सिद्ध होगी।

वार्षिक महाविद्यालयीन पत्रिका "मधुरम" के सफल प्रकाशन पर मैं संपूर्ण महाविद्यालय परिवार एवं प्यारे छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई देता हूं।

शुभकामनाओं सहित....

(विनोद सेवनलाल चन्द्राकर)

यूथ रेडक्रॉस सोसायटी – समाज सेवा हेतु तत्पर

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय मचेवा महासमुंद में केन्द्र शासन व राज्य शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन, महाविद्यालययूथ रेडक्रॉस प्रभारी अजय कुमार राजा के मार्गदर्शन में दिनांक 22 जुलाई 2022 दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेडक्रॉस सोसायटी व रेडरिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालयीन प्राध्यापक एवं कर्मचारियों, विद्यार्थी के लिए कोविड-19 द्वितीय एवं बूस्टर खुराक हेतु टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्राध्यापक, कर्मचारी वर्ग के साथ-साथ छात्र-छात्राओं का टीकाकरण किया गया। इस टीकाकरण शिविर में प्राध्यापक, कर्मचारियों, परिजन एवं छात्र-छात्राओं ने वैक्सीन की द्वितीय व तृतीय डोज लगवाया। दिनांक 1 दिसंबर 2022 को प्राचार्य ड. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशन ,श्री अजय कुमार राजा यूथ रेडक्रस प्रभारी के नेतृत्व में "विश्व एड्स दिवस" इस साल की थीम "समानता" पर मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में छात्र छात्राओं हेतु " एड्स - जानकारी ही बचाव" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता ड. एस.आर. बंजारे मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला अस्पताल महासमुंद व ड. नागेश्वर राव नोडल अधिकारी एड्स नियंत्रण जिला महासमुंद थे। मुख्य वक्ता ड. एस आर बंजारे ने अपने वक्तव्य में कहा कि एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसे पूरी तरह से ठीक करने के लिए अब तक कोई दवा नहीं बनी है, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 में विश्व स्तर पर करीब 6,50,000 लोगों की मृत्यु एचआईवी के कारण हुई थी, वहीं भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 में करीब 42 हजार लोगों की मौत एड्स संबंधित बीमारियों के कारण हुई, ऐसे में दुनियाभर के लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना बहुत जरूरी है, उन्होंने इस बीमारी के 4 प्रमुख लक्षणों को बताते हुवे विद्यार्थ्यों से आह्वान किया कि एड्स के सम्बंध में अपने परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों व समाज को जागरूक करने में अपना योगदान दें। उक्त दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न कक्षा के छात्र छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय "समानता सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है" चाहे वे एच. आई. वी. संक्रमित ही क्यों न हो रखा गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायो से चंदन तारक, द्वितीय स्थान बी.कॉम. द्वितीय वर्ष केसरी ध्रुव एवं तृतीय स्थान बी.एस.सी. प्रथम वर्ष से कु. भूमिका ध्रुव रही। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस.सी. द्वितीयवर्ष बायो से किर्ती यादव, द्वितीय स्थान बी.एस.सी. द्वितीयवर्ष ट्विंकल साहू एवं तृतीय स्थान बी.एस.सी. द्वितीयवर्ष से कु. डिम्पल साहनी रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रथम स्थान बी.एस.सी. प्रथम वर्ष बायो से प्रज्ञा चंद्राकर, द्वितीय स्थान बी.एस.सी. प्रथम वर्ष कशिश चंद्राकर एवं तृतीय स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष से कु. वर्षा गजेन्द्र रही। उल्लेखनीय है कि यूथ रेडक्रॉस सोसायटी का मुख्य रूप से रक्तदान कार्य में भी विशेष सहयोग रहा है, विभिन्न रक्तदान शिवरों में छात्र छात्राओं ने स्वयं या परिजनों के जन्मदिवस के अवसर पर अथवा जिला ब्लडबैंक से जानकारी मिलने पर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया है, इस वर्ष अब तक कुल 65 यूनिट रक्तदान किया गया है।

प्रो. अजय कुमार राजा
रेड रिबन क्लब व यूथ रेड क्रास प्रभारी

विद्यार्थी प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना वर्ष 2022-23

शा.म.व.स्ना.महा.महासमुन्द में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2015-16 के तात्कालिक प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार खरे के निर्देशन में उक्त योजना प्रारंभ किया गया। जिसमें दानदाताओं के दिए गये दान की राशि को इलाहाबाद। इंडियन बैंक में स्थायी जमा के रूप में जमा किया जाता है और जमा राशि के ब्याज राशि से (प्रतिवर्ष) रजत पदक बनवाकर वार्षिक स्नेह सम्मेलन में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत दानदाताओं द्वारा अपने परिजन के सम्मान में और स्मृति में दान आमंत्रित किया जाता है। वर्ष 2022-23 में आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन में वर्ष 2019-20, वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के परीक्षा परिणाम के आधार पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। दानदाताओं में डॉ. ज्योति पाण्डेय (पूर्व प्राचार्य) द्वारा रू. 25,000 की राशि माताजी श्रीमती इंद्राणी देवी मिश्रा के सम्मान में महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक हेतु, डॉ. अनिल कुमार खरे (पूर्व प्राचार्य एवं संचालक) द्वारा रू. 10,000 की राशि पिताजी स्व. श्री गणेश प्रसाद खरे की स्मृति में बी.एससी तृतीय प्राणीशास्त्र में सर्वाधिक अंक हेतु, प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल (वर्तमान प्रभारी प्राचार्य) द्वारा रू. 10,000 की राशि माताजी स्व.श्रीमती द्रौपदी बाई अग्रवाल की स्मृति में एम.ए. चतुर्थ हिन्दी में सर्वाधिक अंक हेतु, डॉ. जया ठाकुर (पूर्व विभागाध्यक्ष) द्वारा रू. 21,000 राशि माताजी स्व. श्रीमती मीरा देवी जसवानी की स्मृति में एम.ए. चतुर्थ समाजशास्त्र हेतु, डॉ. रीता पाण्डेय (विभागाध्यक्ष) द्वारा रू. 10,000 की राशि पिताजी स्व. श्री रामकृष्ण मिश्रा की स्मृति में एम.ए. चतुर्थ इतिहास हेतु, डॉ. दुर्गावती भारतीय (विभागाध्यक्ष) द्वारा रू. 10,000 की राशि पिताजी स्व. श्री जे.पी. वर्मा की एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी साहित्य हेतु, श्रीमती जयश्री पंचागम (स.प्रा.) द्वारा रू. 10,0000 की राशि पिताजी स्व. श्री मुन्नालाल साहू की स्मृति में बी.ए. तृतीय वर्ष मनोविज्ञान में सर्वाधिक अंक हेतु, श्रीमती नंदनी ध्रुव (आरक्षक) द्वारा रू. 10,000 की राशि शहीद पति स्व. श्री महेन्द्र ध्रुव की स्मृति में एम.कॉम चतुर्थ हेतु, श्री जे.के चन्द्राकर (व्याख्याता, के.वी.) द्वारा रू. 10,000 की राशि की माताजी स्व. श्रीमती रमशीला जगतराम चन्द्राकर की स्मृति में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर अर्थशास्त्र हेतु, श्रीमान संजय बंसल (प्रबंधक आगरा पब्लिकेशन) द्वारा रू. 20,000 की राशि बी.कॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लेखांकन समूह हेतु, श्रीमान पारस चोपड़ा (व्यावसायी) द्वारा रू. 10,000 की राशि बी.कॉम द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक हेतु दान किया गया है।

श्रीमती राजेश्वरी सोनी
स.प्रा. वाणिज्य/कार्यक्रम अधि. रासेयो

सावित्रीबाई फुले के जयंती के अवसर पर व्याख्यानमाला

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला परेड में शामिल राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं एनसीसी कैडेट पुरस्कृत होते हुए

शुभकामना संदेश

चुन्नीलाल साहू
संसद सदस्य (लोक सभा)
महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

सदस्य :
- कोयला एवं इस्पात संबंधी स्थायी समिति
- परामर्शदात्री समिति-कोयला एवं खान मंत्रालय

सत्यमेव जयते

दिल्ली पता :
175, नॉर्थ एवेन्यू
(राष्ट्रपति भवन के पास)
नई दिल्ली-110 001
दूरभाष : 011-23094063
मोबाइल : 9713242005
ई-मेल : sahucl68@gmail.com

पत्रांक 731/MP/MSMD/2023 | दिनांक 27/04/2023

-: शुभकामना संदेश :-

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छत्तीसगढ़) के द्वारा सत्र 2022-23 हेतु वार्षिक पत्रिका **"मधुरम्"** का प्रकाशन किया जा रहा है।

"मधुरम्" के माध्यम से प्रध्यापकों एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखनी को नया आयाम मिलेगा। महाविद्यालय की विभिन्न कार्यात्मक इकाइयों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी विद्यार्थियों एवं समाज में पत्रिका के माध्यम से प्रसारित होगी। इससे महाविद्यालय एवं विद्यार्थियों की प्रतिभाओं व उपलब्धियों को नई दिशा मिलेगी।

महाविद्यालयीन पत्रिका **"मधुरम्"** के प्रकाशन पर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ....

सदैव आपका

चुन्नीलाल साहू

शुभकामना संदेश

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) – 492010 भारत

Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) – 492010 – INDIA
Office : +91 771-2262857, +91 771-2263435
E-mail : vc_raipur@prsu.ac.in
Website : www.prsu.ac.in

रायपुर, दिनांक 28 अप्रैल, 2023

शुभकामना

यह हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़) द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका 'मधुरम्' सत्र 2022–23 का प्रकाशन किया जा रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थान छात्र–छात्राओं को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास के सक्षम केन्द्र होते हैं। तकनीकी प्रयोग के साथ युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन–क्षमता के प्रदर्शन एवं उनकी अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए महाविद्यालय सतत् क्रियाशील रहे और उत्कृष्ट मानव संसाधन के विकास में अपनी भूमिका में महाविद्यालयीन पत्रिका अपनी सार्थकता को सिद्ध कर सके, ऐसी मेरी कामना है।

महाविद्यालयीन पत्रिका 'मधुरम्' महाविद्यालय के शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के दर्पण के रूप में शिक्षकों एवं छात्रों को प्रेरित करने के अपने उद्देश्य में सफल सिद्ध होगी।

अनन्त शुभकामनाओं सहित।

(प्रो.सच्चिदानन्द शुक्ल)
कुलपति
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर

प्रति,
प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल
प्राचार्य
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

वाणिज्य विभाग – प्रतिवेदन वर्ष 2022–23

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द के वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर पर 225 एवं स्नातकोत्तर स्तर में 30 सीट शासन द्वारा स्वीकृत है। प्राध्यापक के 01 पद तथा सहायक प्राध्यापक के 04 पद के विरूद्ध प्राध्यापक पद रिक्त व सहायक प्राध्यापक पद पर श्री अजय कुमार राजा (विभागाध्यक्ष), श्रीमती राजेश्वरी सोनी, श्री मनबोध चौहान, श्रीमती मनीषा बेहरा पदस्थ है। उल्लेखनीय यह है कि गत वर्ष विश्वविद्यालय की प्राविण्य सूची में स्नातकोत्तर में 07 एवं स्नातक स्तर में 01 विद्यार्थियों ने स्थान अर्जित किया है। दिनांक -08/04/2022 वाणिज्य, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र की संयुक्त तत्वधान में एक दिवसीय ''सामाजिक विज्ञानों में शोध प्रविधि की उपादेयता'' विषय पर छात्र-छात्राओं को शोध की जानकारी देने हेतु राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 29/09/2022 वाणिज्य संकाय द्वारा बी.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए महाविद्यालय की कार्यकलाप के बारे में जानकारी एवं महाविद्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों की परिचय देने हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं वाणिज्य परिषद् का गठन किया गया। दिनांक 14/11/2022 छात्र-छात्राओं हेतु देशी खेल एवं वाणिज्य विषय पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता आयोजित कर विषय वस्तु का प्रायोगिक ज्ञान दिया गया। दिनांक 16/11/2022 स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं हेतु विपणन आधारित विज्ञापन कलाओं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व छात्र-छात्राओं को विज्ञापन की महत्ता समझायी गयी। दिनांक 26/11/2022 वाणिज्य संकाय अंतर्गत विषय आधारित प्रत्येक कक्षा को साज-सज्जा एवं Best Out of Waste प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिस पर छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी कक्षाओं को विषय आधारित सज्जा किया गया। दिनांक 07/06/2022 से 17/06/2022 तक वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए 10 दिवसीय Value Added Course "Computerised Accounting And Tax Management विषय पर आयोजित कर उनके कौशल में विकास किया गया। दिनांक 23/11/2022 एयरलाईंस में रोजगार के विषय में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमें इन्टरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एविएशन से मुख्य अतिथि सुश्री राधा यादव द्वारा एयरलाईंस में रोजगार की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दिया गया। दिनांक 30/01/2023 वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग की संयुक्त तत्वधान में वित्तीय अनुशासन में जिला कोषालय अधिकारी की भूमिका विषय पर छात्र-छात्राओं के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रो. अजय कुमार राजा
विभागाध्यक्ष
(वाणिज्य संकाय)

लघु कथा ''साँप''

माँ साँप... माँ साँप... अपने पाँच वर्षीय पुत्र कान्हा की चीख सुनकर ममता किचन से भागते हुए बैठक के दरवाजे पर आकर ठिठक गई। बैठक के दूसरे दरवाजे से गली में खेल रहे बच्चे और मोहल्ले के कुछ लोग भी अंदर झांककर देखने लगे और 'बचाओ...बचाओ...' कहकर चिल्लाने लगे। भोजन की थाली हाथ में लिये डरा- सहमा कान्हा जमीन पर पालथी मारकर जड़वत बैठा था और सामने ही भूरे रंग का नाग फन उठाए, कुंडली मारकर ममता ने एक पल की भी देरी किए बिना लपक कर कोने में रखे हाकी स्टीक को हाथ में लिया ही था कि तभी दरवाजे पर खड़े लोगों में से कुछ उसे सुरक्षित करने की छूटी से उसके सामने आकर खड़े हो गए। उन्हीं में से एक युवक रोहित ने बड़ी ही तेजी से आगे आकर साँप को लाठी से पीट- पीट कर मार डाला। ममता ने कान्हा को गोद में उठा लिया और चूमने लगी। आखिर कान्हा ही तो एक आखिरी आश थी, ममता के जीवन के लिये...उसके पति की मृत्यु के बाद। सभी रोहित के साहस की प्रशंसा कर रहे थे। वे कह रहे थे कि रोहित के कारण ही कान्हा की जान बच सकी है, अन्यथा अनर्थ ही हो जाता। ममता देख रही थी कि लोगो ने उसके घर के अंदर घुसे नाग को तो मार दिया है पर साथ ही दूसरे नाग को घर में घुसने का रास्ता भी दे दिया है। मोहल्ले में रोहित एक नंबर का निकम्मा, जुआरी, शराबी व चरित्रहीन व्यक्ति के रूप में जाना जाता है... वह ममता पर भी बुरी नजर रखता है। ममता का सुहाग उजड़ने के बाद पिछले चार वर्षों में रोहित अनेकों बार उसे अपने जाल में फसाने का प्रयास कर चुका है। एक बार तो आधी रात में वह दीवार फांदकर ममता के घर के अंदर तक घुस आया था...ममता के शोर मचाने पर मोहल्ले के लोगों ने उसे पकड़कर बहुत पीटा था। तब से लेकर आज तक कभी उसने ममता की ओर आँख उठाकर देखने की भी हिम्मत नहीं की थी। नौकरीपेशा ममता हाकी की विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी रह चुकी है। हाकी के बाल की तरह इधर- उधर फिसलते साँप के सिर को वह अपने एक ही वार से कुचल सकती थी। पर रोहित ने लपककर यह यह अवसर उससे छिन लिया था। स्वस्थ्य, सबल, नौकरी पेशा होते हुए भी लोगों की नजरों में वह अबला जो थी। विवाह से पूर्व अपने पिता के साथ खेतों में काम करते समय ऐसी परिस्थितियों से कई जर चुकी ममता के लिये साँप से दो-चार होना कोई नयी बात नहीं थी। पर अब सबके सामने रोहित का आभार प्रकट कर उसे धन्यवाद कहने के अतिरिक्त उसके पास और कोई रास्ता भी नहीं था। ममता अत्यंत क्षुब्ध है स्त्रियों के प्रति समाज के उस सबलावादी दृष्टिकोण से जिसके कारण वह सामर्थ्यवान होते हुए भी अबला कहलाने को मजबूर है। रोहित साँप के बहाने उसके सामर्थ्य को, स्वाभिमान को लाठी से पीट- पीट कर चकनाचूर कर रहा होता है और वह थोपे गए सामाजिकता के बंधन और सुरक्षा के दायरें से घिरी स्वयं को बेबस, लाचार खड़ा पाती है।

(दिनांक-23 मई 2022)

डॉ. अमरसिंह ठाकुर
व्याख्याता हिन्दी (ज.भा.स.)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला परेड में शामिल राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं एनसीसी कैडेट पुरस्कृत होते हुए

सरगुजा स्वीप मतदान जागरूकता प्रश्न मंच में महाविद्यालय छात्र विजेता

B

C

अलुमनी समिति

अलुमनी समिति, महाविद्यालय से अध्ययन प्राप्त कर चुके ऐसे भूतपूर्व विद्यार्थियों की समिति है, जो अपने उत्कृष्ट कार्यों से नगर, समाज एवं महाविद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। अलुमनी, महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास एवं अकादमिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहें हैं। दिनांक 03 दिसम्बर 2018 को अलुमनी समिति का पंजीयन रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटीज अधिनियम से हुआ है, जिसका क्रमांक 1220184 0792 है। अलुमनी समिति का मोनो एवं लोगो - "सुनहरी यादें, स्वर्णिम भविष्य" है। समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष आम सभा का आयोजन किया जाता है जिसमें महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अलुमनी का सम्मान, साहित्यिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं एवं वर्तमान में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन भी देते हैं। महाविद्यालय के अलुमनी विधायक, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, आयुक्त, प्राध्यापक, व्यायामवीर, सी.ए. आदि पदों पर सुशोभित हैं। हमें महाविद्यालय के अलुमनी पर गर्व है। वर्तमान में अलुमनी पदाधिकारी के अतिरिक्त 15 सदस्य प्रबंध कार्यकारिणी में हैं एवं लगभग 100 सदस्य पंजीकृत है। अलुमनी समिति की संरक्षक प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल, श्री दाऊलाल चन्द्राकर अध्यक्ष, श्री संजय शर्मा उपाध्यक्ष, डॉ. दुर्गावती भारतीय सचिव, श्री खिलावन बघेल सह सचिव, श्री अजय कुमार राजा कोषाध्यक्ष है। महाविद्यालय स्तर पर समिति के संचालन हेतु अलुमनी समिति बनी है जिसकी संयोजक डॉ. सीता पाण्डेय एवं सह संयोजक डॉ. मालती तिवारी है।

डॉ. सीता पाण्डेय
संयोजक
अलुमनी समिति

महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले वीर शहीद

स्व. शहीद श्री महेन्द्र ध्रुव

स्व. शहीद श्री महेन्द्र ध्रुव

महाविद्यालय के वाणिज्य स्नातक छात्र श्री महेन्द्र कुमार ध्रुव (पिता केजूराम ध्रुव) का जन्म 21 जुलाई 1974 को कोसमखुड़ा (छुरा, जिला गरियाबंद) में हुआ था। बचपन से मेधावी एवं गुरूजनों के प्रियछात्र महेन्द्र ध्रुव ने 1994-1998 वाणिज्य स्नातक की पढ़ाई इस महाविद्यालय से की स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण होने के पूर्व ही 1998 में पुलिस उप निरीक्षक के पद पर भोपाल (म.प्र.) में चयनित और पदस्थ हुए। उसके पश्चात् सत्र 2002 में छ.ग. के दन्तेवाड़ा जिला के जगरगुण्डा ब्लॉक में पदस्थापना हुई जो अत्यंत बीहड़ एवं जंगली नक्सली क्षेत्र है। यहाँ पहुँचते ही महेन्द्र ध्रुव ने नक्सल विरोध कार्यवाही प्रारंभ कर दी, जिससे नक्सलियों में हड़कंप मच गया एवं अत्यंत उग्र होकर उन्होंने जगरगुण्डा के साप्ताहिक बाजार में इन पर हमला कर दिया। इस हमले में उन्हें गोलियाँ भी लगी किन्तु उन्होंने नक्सलियों को वहाँ से खदेड़कर ही दम लिया। इस मुठभेड़ के बाद वे दन्तेवाड़ा (कारली-छावनी) भिलाई (देवरी), दुर्ग एवं (ईसगाँव), कांकेर आदि नक्सली क्षेत्र में रहते हुए नक्सलियों में हुई। जहाँ 05 नक्सलियों ने ग्राम नेतानार में एम्बुस लगाकर इन पर 21 अक्टूबर 2011 को हमला कर दिया। इसी एम्बुस में सर्चिंग के दौरान ब्लास्टिंग एवं पीठ पर गोली लगने की वजह से नक्सलियों से लड़ते हुए शहीद हुए। महाविद्यालय परिवार इनका शहादत पर नमन करता है।

स्व. शहीद श्री फणेश्वर सिन्हा

स्व. शहीद श्री फणेश्वर सिन्हा

महाविद्यालय के कला स्नातक छात्र श्री फणेश्वर सिन्हा पिता श्री जगन्नाथ सिन्हा का जन्म 06 नवम्बर 1985 को सोरिद खुर्द में हुआ था। बचपन से ही अध्ययन के प्रति रूचि होने के कारण अत्यंत कम उम्र में ही स्कूली शिक्षा प्रारंभ हो गया। 2004-2006 तक शास. राजीव लोचन महाविद्यालय राजिम में बी.ए. अंतिम की पढ़ाई हेतु इस महाविद्यालय में आये और द्वितीय श्रेणी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 2008 में इनका चयन पुलिस विभाग में जी.डी. सिपाही के पद पर जिला गरियाबंद में रिजर्व पुलिस बल पर हुआ। कर्तव्य के प्रति ईमानदारी श्री फणेश्वर 23 मई 2011 जिला गरियाबंद के सीमावर्ती राज्य ओड़िसा के नुआपाड़ा, थाना कामेना, ग्राम खारेपानी, सुनाबेड़ा के जंगल में नक्सल विरोधी सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सली मुठभेड़ में शहीद हो गये। महाविद्यालय परिवार उनकी शहादत को नमन करता है।

* श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य पुष्टि मार्ग के जनक *

श्री वल्लभाचार्य, भक्तिकालीन सगुणधारा की कृष्णभक्ति शाखा के आधार स्तंभ एवं पुष्टि मार्ग के प्रणेता माने जाते हैं। आपका जन्म विक्रम संवत् 1535 (ई सन् 1479) वैशाख कृष्ण एकादशी को छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थित चंपारण्य में हुआ था। आपके पिता का नाम लक्ष्मण एवं माता का नाम इलम्मागारू था। आपके पूर्वज दक्षिण भारत के कांकरवाड़ ग्राम के तैलंग ब्राह्मण थे। माता-पिता के काशी प्रवास के दौरान मार्ग में चंपारण्य में आपका जन्म हुआ। आपको अग्नि का अवतार भी कहा जाता है। आप प्रारंभ से मेधावी रहे। 11 वर्ष की अवस्था में आपका अध्ययन पूर्ण हो गया। श्री वल्लभाचार्य जी, भारतीय अध्यात्मिक के जगत में वल्लभ संप्रदाय या वैष्णव संप्रदाय के अनुयायी एवं पुष्टि मार्ग के जनक माने जाते हैं। श्री वल्लभाचार्य को श्री रूद्र संप्रदाय के श्री विल्व मंगलाचार्य जी द्वारा इन्हें अष्टदशाक्षर, गोपाल मंत्र की दीक्षा दी गई। त्रिदण्ड सन्यास की दीक्षा स्वामी नारायणेन्द्र तीर्थ से प्राप्त हुई वल्लभाचार्य का विवाह देवभट्ट की कन्या महालक्ष्मी से हुआ एवं इनसे दो पुत्र हुए। गोपीनाथ एवं विट्ठलनाथ दोनों पुत्र भक्त वत्सल थे। भगवत्प्रेरणावश से ब्रज में गोकुल पहुँचे। ब्रज स्थित गोवर्धन पर्वत पर अपनी गद्दी स्थापित की एवं अपने शिष्य पूरनमल खत्री के सहयोग से उन्होंने 1576 श्रीनाथजी (राजस्थान) के मंदिर का निर्माण कराया। यहाँ पर कृष्ण की आराधना करते थे। वल्लभाचार्य जी संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान थे। तीर्थाटन करते हुए विजयनगर गए एवं वहाँ के शासक कृष्णदेवराय (1509-30) की सभा में उपस्थित विद्वानों की सभा में शास्त्रार्थ किया। शास्त्रार्थ पश्चात् उन्हें वैष्णवाचार्य की उपाधि दी गई। वे विजयनगर से, उज्जैन आए। क्षिप्रा नदी तट, मथुरा, वृंदावन, गिरिराज जैसे भारत के 84 स्थानों में भागवत का पाठ किया जो 84 बैठक के नाम से प्रसिद्ध है। श्री वल्लभाचार्य जी ने अनेक ग्रंथों, नामावलियों काव्यों की रचना की, जिसमें षोडश ग्रंथ प्रमुख हैं - 1. यमुनाष्टक, 2. बालबोध, 3. सिद्धांत मुक्तावली, 4. पुष्टि प्रवाह मर्यादा भेद, 5. सिद्धांतरहस्य, 6. नवरत्नस्तोत्र, 7. अंतःकरणबोध, 8. विवेकधैर्याश्रय, 9. श्रीकृष्णाश्रय, 10. चतुः श्लोकी, 11. भक्तिवर्धिनी, 12. जलभेद, 13. पंचपद्यानि, 14. सन्यास निर्णय, 15. निरोध लक्षण, 16. सेवाफल। महाप्रभु वल्लभाचार्य ने अध्यात्म में पुष्टिमार्ग को अपनाया भक्तिकालीन सगुणधारा की कृष्णभक्ति शाखा के आधार स्तंभ एवं पुष्टिमार्ग के प्रणेता थे। वल्लभाचार्य ने श्रीकृष्ण के कृपा (अनुग्रह) को पुष्टि कहा है। पुष्टि का शाब्दिक अर्थ - पोषण। ईश्वर का अनुग्रह पोषण है। ईश्वर को तीन मार्गों से प्राप्त किया जाता है - ज्ञान मार्ग, कर्म मार्ग एवं भक्ति मार्ग। वल्लभाचार्य महाराज ईश्वर को भक्ति मार्ग से प्राप्त करने के पक्षधर थे। उनका कहना था, कि यह भक्ति भी ईश्वर के अनुग्रह एवं कृपा से प्राप्त होगी। पुष्टि मार्ग कहता है, कि ईश्वर जिससे प्रेम करता है। उसी पर अनुग्रह करेगा। भक्त को किसी अन्य साधन की आवश्यकता नहीं है मात्र भगवत् कृपा का आश्रय लेना होता है। पुष्टिभक्ति का लक्षण यह है, कि भगवान के स्वरूप की प्राप्ति के अतिरिक्त भक्त अन्य किसी फल की आकांक्षा ही न रखें। भगवान कृष्ण ही सदा सर्वदा श्रेष्ठ, स्मरणीय तथा कीर्तनीय हैं ''सर्वदा सर्वभावेन भजनी यो ब्रजाधिप:। तस्मात्सर्वात्मना नित्यं श्री कृष्ण शरणं मम।'' महाप्रभु वल्लभाचार्य अद्वैतवाद के संबंध में कहते है - ''ब्रह्म सत्य है, ब्रह्माण्ड भी सत्य है आत्मा (जीव) ब्रह्म का अंश है इसलिए वह अद्वैत है।'' अ + द्वैत - शब्द का अर्थ, जो दो नहीं मानता। अर्थात आत्मा एवं परमात्मा को एक ही मानता है। ब्रह्म सत्य, जगत सत्यं अंशोजीवोहि नापरः। ब्रह्म सत्य है जगत सत्य है और जीव ब्रह्म का अंश है। श्रीकृष्ण को परम् ब्रह्म परमेश्वर माना गया है। वल्लभाचार्य जी कहते हैं, कि जीव में ब्रह्म का अंश होता है। जीव ह्रदय में रहता है जीव, अणु है, चेतन है, नित्य है। शरीर के नष्ट होने पर जीव नष्ट नहीं होता है। ब्रह्म में जो चेतना है जी में भी वही चेतना है। इसलिए वह अद्वैत है। द्वैतवाद परमात्मा को आत्मा से भिन्न सत्ता के रूप में स्वीकारते हैं। श्री वल्लभाचार्य के अनुसार तीन स्वीकार्य तत्व है - 1. ब्रह्म, 2. जगत, 3. जीव ब्रह्म के तीन स्वरूप है - आदिदैविक, आध्यात्मिक एवं अंतर्यामी श्रीकृष्ण के मधुर रूप एवं लीला की जीव के आविर्भाव का स्रोत माना गया है। जगत ब्रह्म की लीला का विलास है। संपूर्ण सृष्टिलीला की आत्मकृति है। श्री वल्लभाचार्य के 04 प्रमुख शिष्य थे - भक्त सूरदास, कृष्णदास, परमानंद दास एवं कुंभनदास। आपका स्वर्गारोहण काशी के हनुमानघाट में विक्रम संवत् 1587 में 52 वर्ष की आयु में हुआ। मात्र 52 वर्ष की आयु में आपने अपने अध्यात्मिक ज्ञान से पुष्टिमार्ग एवं अद्वैतवाद जैसे नए सिद्धांतों से परमात्मा को पाने का बताया। हमारे लिए यह अत्यंत गौरव की बात है, कि महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चंपारण्य है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में है एवं उनके अवतरण से हमारी धरा धन्य हो गई है। उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हमारे महाविद्यालय का नाम महाप्रभु वल्लभाचार्य के नाम से रखा गया। यह भी हमारे लिए अत्यंत सम्मान का विषय है। आध्यात्मिक एवं दार्शनिक आधार पर देखें तो आज भी हमें ईश्वर के अनुग्रह की आवश्यकता है एवं ईश्वर को प्राप्त करने के मार्ग में आत्मा, ब्रह्म का अंश है। आत्मा में जो चेतन तत्व है वही ब्रह्म में भी है, इसलिए महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के विचार आज भी जीवंत एवं प्रासंगिक हैं, जिसका अध्ययन एवं चिंतन कर हम अपना आध्यात्मिक विकास कर सकते हैं पर यह तभी संभव है जब ईश्वर की कृपा (पुष्टि) अनुग्रह हो।

प्रस्तुति,
डॉ. रीता पाण्डेय
विभागाध्यक्ष, इतिहास

महाविद्यालय के विकास में सतत् संलग्न नैक समिति एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

महाविद्यालय के नैक मूल्यांकन के अंतर्गत नैक समिति का गठन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करना है। समस्त महाविद्यालयों का नैक द्वारा प्रति पाँच वर्ष में मूल्यांकन किया जाता है। नैक का अर्थ है राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद अर्थात् नेशनल असेसमेंट एण्ड एक्रेडिटेशन काउंसिल (NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL) इसे ही संक्षेप में नैक (NAAC) कहा जाता है। इसका मुख्यालय बैंगलोर में है। यह संस्थान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग :यूजीसी के अंतर्गत स्थापित संस्थान है जो महाविद्यालयों में शिक्षा के गुणवत्ता के स्तर के जाँच करता है एवं उन्हें ग्रेड एवं प्रमाण पत्र प्रदान करता है। महाविद्यालय को नैक द्वारा दिया गया ग्रेड ही किसी संस्था के गुणवत्ता स्तर को बताता है। नैक द्वारा महाविद्यालय का मूल्यांकन सात मापदण्डों-1. पाठ्यक्रम सम्बंधी 2. शिक्षण एवं अधिगम सम्बंधी 3. शोध, नवाचार एवं सामाजिक विस्तार सम्बंधी 4. अधोसंरचना विकास 5. विद्यार्थी विकास सम्बंधी 6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबंधन सम्बंधी एवं 7. संस्थागत मूल्य एवं श्रेष्ठ परम्पराएँ सम्बंधी के आधार पर किया जाता है। महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए सभी क्राइटेरिया के प्रभारी वरिष्ठ प्राध्यापक है जो अपनी समिति के साथ सक्रिय रूप से कार्य करते है। नैक फॉर्मेट के अनुसार मूल्यांकन की समस्त विस्तृत प्रक्रिया का संचालन नैक समिति के मार्गदर्शन में किया जाता है। महाविद्यालयीन नैक समिति की संयोजक डॉ. नीलम अग्रवाल, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, प्रो. मनीराम धीवर, सहायक प्राध्यापक, भौतिकशास्त्र के निर्देशन में नैक/ आईक्यूएसी समिति यह कार्य करती है।

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने कृत संकल्पित है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (Internal Quality Assurance cell- IQAC) का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय में शिक्षा के गुणात्मक विकास हेतु निरंतर सक्रिय है महाविद्यालय के छात्रों की शिक्षा एवं महाविद्यालय द्वारा उन्हें दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने के सम्बन्ध में (IQAC) समय-समय पर अपनी बैठकों के माध्यम से निर्णय लेकर उनका क्रियान्वयन करती है। महाविद्यालय में अपने गठन से अब तक (IQAC) महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता पूर्वक सक्रिय है। वर्तमान में (IQAC) के समन्वयक श्री मनीराम धीवर सहायक प्राध्यापक, भौतिकशास्त्र जिनके निर्देशन में (IQAC) संचालित है।

नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत तकनीकी कार्य हेतु तकनीकी कार्य समिति निरंतर कार्यशील है।

महाविद्यालयीन नैक(NAAC) समिति-

संयोजक	- डॉ नीलम अग्रवाल, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र
सह संयोजक	- श्रीमती सरस्वती सेठ, सहायक प्राध्यापक रसायनशास्त्र
सदस्य	- श्री आशुतोषपुरी गोस्वामी, सहायपक प्राध्यापक अंग्रेजी

महाविद्यालयीन (IQAC)

अध्यक्ष	- प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल, प्राचार्य
संयोजक	- श्री मनीराम धीवर, सहायक प्राध्यापक भौतिकशास्त्र
सह संयोजक	- श्रीमती सीमारानी प्रधान, सहायक प्राध्यापक हिन्दी
सदस्य	- वरिष्ठ प्राध्यापक, क्रीडा अधिकारी, ग्रंथपाल, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, नियोक्ता एवं भूतपूर्व व वर्तमान छात्र प्रतिनिधि

महाविद्यालयीन तकनीकी कार्य समिति

संयोजक	- श्री अजय कुमार देवांगन, विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विभाग
सदस्य	- श्री टीकम साहू, अतिथिव्याख्याता कम्प्यूटर विभाग, श्री कुन्दन देवांगन, प्रयोगशाला तकनीशियन

इस तरह सम्पूर्ण महाविद्यालय नैक मूल्यांकन कार्य हेतु पूर्ण निष्ठा के साथ सतत् कार्यशील रहता है।

डॉ. नीलम अग्रवाल
समन्वयक नैक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र

जनभागीदारी समिति - विकास की ओर अग्रसर

जिले का अग्रणी महाविद्यालय शास. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय 1965 में स्थापित हुआ तथा 01 सितम्बर 1981 को शासनाधीन किया गया। महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय में स्नातक के साथ स्नातकोत्तर स्तर का अध्यापन कार्य किया जाता है। शासनाधीन होने के साथ ही जनभागीदारी समिति का गठन किया गया है। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शासन द्वारा नियुक्त जनप्रतिनिधि होते हैं उपाध्याय जिला प्रशासन से नियुक्त किया जाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य पदेन सचिव के रूप में रहते है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय से प्रभारी अधिकारी एवं अन्य सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से अध्यक्ष द्वारा नामांकित किये जाते हैं। समिति के गठन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के अधोसंरचना का विकास, विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही साथ शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। सत्र 2019-20 से जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के रूप में संसदीय सचिव एवं विधायक महासमुन्द माननीय श्री विनोद सेवनलाल चन्द्राकरजी द्वारा महाविद्यालय के विकास के लिए अनेक कार्य कराये जा रहे हैं। पानी की कमी को देखते हुए बोरखनन, विद्यार्थियों के बैठने की समस्या को देखते हुए फर्नीचर क्रय सभागार में 10 नग ब्रोबलेड पंखे, 2 वाटरकूलर प्यूरी फायर, छात्राओं के बैठने के लिए 'गर्ल्स कॉमन रूम', विद्युत समस्याओं को दूर करने के लिए नवीन ट्रांसफॉर्मर हेतु राशि स्वीकृत, वाणिज्य संकाय में नवीन कम्प्यूटर लैब स्थापना, कला संकाय स्नातकोत्तर विभाग हेतु 05 नग प्रोजेक्टर, लाइब्रेरी हेतु 12 नग बुक सेल्फ, कम्प्यूटर, ऑनलाइन एंट्री करने हेतु सॉफ्टवेयर क्रय करने हेतु राशि स्वीकृत की गई है। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जनभागीदारी मद से शिक्षकों एवं साफ-सफाई हेतु चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उनके प्रयास से जनपद पंचायत महासमुन्द द्वारा महाविद्यालय परिसर में ओपन जिम का निर्माण किया गया है। इस सत्र हिन्दी एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के शोध केन्द्र उन्नयन, सेमीनार, लैब में प्रायोगिक सामग्री क्रय करने की अनुशंसा की गई है। जनभागीदारी समिति के प्रयास से यह महाविद्यालय नित नये सोपान स्थापित करने में सफल हुआ है।

डॉ. दुर्गावती भारतीय
जनभागीदारी प्रभारी

झलकियाँ

विज्ञान दिवस के अवसर पर प्राध्यापक गण

अर्थशास्त्र विभाग का परिषद गठन

Youth in India

Youth is a period when a person is young. It is the time between childhood and adulthood. According to United Nations youth includes the person aged between 15 and 24. As we know that India is the second most populated country of world, more than 50% of its population are below the age of 25 and more than 65% are below the age of 35. In 2020, the average age of an Indian was about 29 years. From the above data, we get to know that a large population of India consists of youth. Young kids are very important part of any country because the form they foundation of our future, they are partners of today and they will become leaders of tomorrow. Young people are so dynamic, energetic, excited and revolutionary in nature, i.e., They easily accept the changes around them. They are so flexible that can easily pick any skill and play a central role in the development of any country. They can be both, useful for any country if guided in a good direction as well as dangerous if they get wrong direction and guidance. So it is a great opportunity for us Indians to utilise this huge population in the development of India, but there are lots of challenges in utilising this huge population. Such as Youths are our future, they have the capacity to bring changes and innovation in India as well as world. It is over duty to encourage and guide them in right direction. They are aware about their rights but we should also make them aware about their duties towards their country and world. At global level UNESCO has been working with thousands to sustainable development and building peace. Many leaders and freedom fighters of India too believed in youth and their capabilities. Swami Vivekanand gave them message "Arise! Awake! and stop not until the goal is reached."

1. The first thing we should do is to stop the dropouts of students through various awareness programs especially at backward areas. We should focus on overall development of student, i.e., mental, physical, emotional development etc.
2. Proper guidance should be provided to students, help them finding there talents and encourage them to work on it. Providing them various platforms to improve that talents.
3. Use of technology is good but we should try to stop it's over use. Government should make laws related to IT.
4. We should also organise awareness programs for students as well as for parents so that they can guide there children in a proper way

By : **Mrinali Chandrakar**
Guest Lecturer - History

✻ वीरांगना बिलासा दाई ✻

16 वीं शताब्दी के गोठ ला, आज मैंय हा बतावत हँव ।
बिलासा दाई के सुग्घर गुण ला, गाके मैंय सुनावत हँव ।
परसुराम के घर म आइस, केंवट कुल के शान ।
बैसाखा के कोरा म खेलत, बढ़ाइस ओखर मान ।
अरपा के कल-कल धार मा, करेस तँय नौकाहार ।
बरछी, भाला, तीर चलाए, कोनो नइ पाँवय पार ।
बरहा खुसरिस बस्ती मा, गजब साहस दिखाय ।
भाला धरके भाग पाछु, ओला मार गिराय ।
शौर्य, पराक्रम के तय मूर्ति, हस बड़ महान ।
बिलासा दाई कहसे करव, मय तोर बखान ।
कल्याण साय राजा के, बचाएस तय जान ।
तोर साहस के राजा तको, करय बड़ मान ।
तोर नाव ले नगर बनिस, बिलासपुर हावय नाँव ।
सुख बाटत देयेस दाई, सब ला अछरा के छाँव ।
परोसी राजा बैर मा, कर दिस एक दिन प्रहार ।
बघनिन कस लड़ेस दाई, चलाये सनन-सनन तलवार ।
रणचंडी कस दिखय बिलासा, हावय शक्ति के अवतार ।
कतको नरसंहार करेस, होके घोड़ा मा सवार ।
अरपातीर के सोनहा भुइयाँ, बनगे हावय तोर धाम ।
दाई बिलासा तोर चरण ला, सत्-सत् हे प्रणाम ।

नाम - कु. बोधिता निषाद
कक्षा - एम.एस.सी. 3 सेमे. (प्राणीशास्त्र)

✻ स्वामी विवेकानंद ✻

जो प्रेरणास्रोत युवाओं के, लिखूं मैं उनपर पंक्तियाँ चंद ।
सिंधु जैसा चरित है जिनका, नाम उनका विवेकानंद ।।
राष्ट्रप्रेम अरू ओज तेज, रग रग जिनका भरा हुआ ।
राष्ट्रीय संस्कृति को पहचान देते, जिनका जीवन बढ़ा हुआ ।।
बहुमुखी प्रतिभा से भरे हुए, निस्वार्थ प्रेम सिखलाया ।
जात-पात से ऊपर उठकर, उन्नत करना बतलाया ।।
एक योगी सन्यासी ने, स्वार्थ से उठकर कर्म किया ।
कर्मठ, पुरूषार्थी स्वामी जी ने, जीवन जीने का मर्म दिया ।।
आत्मनिर्भर, आत्मानंद की, शिक्षा जिन्होंने दे डाली ।
प्रेम करो सभी से और, जीवन में लाओ खुशहाली ।।
डरो नहीं आगे बढ़ो, लक्ष्य मिलने तक रूको नहीं ।
युवा हो तुम शक्ति है तुममे, झुको नहीं तुम झुको नहीं ।।
स्वामी जी है आदर्श हमारे, उनके दिखाए मार्ग पर हमें चलना ।
युवाओं के हाथ में है भविष्य, हमको ही इन्हें उज्ज्वल करना ।।
स्वामी जी का एक एक वाक्य, रग-रग में उत्साह भर देता ।
इनके कर्म आगे बढ़ने को, सदैव हमको दृढ़ बल देता ।।

नाम - कु. श्रेया चन्द्राकर
कक्षा - एम.एस.सी. 3 सेमे. (बॉटनी)

झलकियाँ

शोध लेखन एवं प्रकाशन प्रशिक्षण कार्यशाला

समाज शास्त्र विभाग परिषद गठन

अग्रणी महाविद्यालय में शोध केन्द्र

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में एवं राजनीति विज्ञान विभाग में पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर के अधीन शोध-केन्द्र संचालित है। हिन्दी के शोध निर्देशक प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी.लिट् को शोध का दीर्घ अनुभव है। उन के उपाधि प्राप्त शोधार्थी विविध क्षेत्र में समाज को मार्गदर्शन दे रहे हैं। वर्तमान में उनके निर्देशन में 8 शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं जिसमें 06 शोधार्थी महाविद्यालय के शोधकेन्द्र में पंजीकृत हैं। जिसमें 02 सहायक प्राध्यापक एवं 01 रेलवे में इंजीनियर है। राजनीति विज्ञान के शोध निर्देशक डॉ. मालती तिवारी के अंतर्गत शोधार्थी उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में उनके 03 शोधार्थी महाविद्यालय में पंजीकृत है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों में शोध निर्देशक हैं लेकिन शोध केन्द्र बहुत कम महाविद्यालय में संचालित हैं। लंबे समय से जिले में शोध केन्द्र की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। वर्तमान में यही एक शोध केन्द्र जिले में संचालित है।

प्राचार्य/शोध निर्देशक (हिन्दी)
प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल
डी.लिट्

शोध निर्देशक/विभागाध्यक्ष
डॉ. मालती तिवारी
सहा. प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान

हमारा महाविद्यालय परिवार

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय जो कि जिले का एक मात्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय है। जहाँ पर संचालित स्नातक स्तर के 5, स्नातकोत्तर स्तर के 12 तथा डिप्लोमा के 3 कक्षाएँ संचालित होने के साथ शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक स्टाफ सहित 85 से अधिक कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों से सम्बन्धित जानकारी तथा आंकड़ों का संग्रहण यहाँ के कार्यालय द्वारा कुशलता से रखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 3 से 4 हजार विद्यार्थियों का प्रवेश एवं लगभग 8 से 9 हजार नियमित एवं प्राईवेट परीक्षार्थियों के परीक्षा कार्य का संचालन भी कुशलता से किया जाता है। इसके अतिरिक्त यह महाविद्यालय जिले का अग्रणी महाविद्यालय होने के कारण 10 शासकीय तथा 08 अशासकीय महाविद्यालयों की जानकारी भी समय-समय पर संकलित करके उच्च कार्यालय को प्रेषित की जाती है।

महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	नाम एवं पदनाम	क्र.	नाम एवं पदनाम	क्र.	नाम एवं पदनाम
1.	श्री शशि कुमार सोनी छात्रावास अधीक्षक	16.	श्री राकेश कुमार जांगड़े, डा.ए.ऑ. (स्ववित्तीय मद)	31.	श्री दिनेश सिन्हा, माली
2.	श्री मनोज शर्मा, सहायक वर्ग 02 (मुख्यलिपिक)	17.	श्री कोमल साहू, ज.भा.प्रयोगशाला तकनीशियन	32.	श्री रवि ओगरे, बुकलिफ्टर
3.	श्री वेद देवांगन डा.ए.ऑ.	18.	श्री अनुराग सोनी, ज.भा.प्रयोगशाला तकनीशियन	33.	श्री तारण दास बंजारे, सा.स्टैण्डमैन
4.	श्री सौरभ कुमार साहू सहायक वर्ग 03	19.	श्री रोहित कन्नौजे, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	34.	श्री संतोष कन्नौजे, सा.स्टैण्डमैन
5.	श्री एस.आर. मानकर प्रयोगशाला तकनीशियन	20.	श्री शशांक दानी, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	35.	श्री पीलाराम यादव, फर्राश
6.	श्री कुन्दन कुमार देवांगन प्रयोगशाला तकनीशियन	21.	श्री संदीप यादव, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	36.	श्री चन्द्रप्रकाश सिन्हा, ज.भा.स. चौकीदार
7.	श्री केशर कुमार कश्यप प्रयोगशाला तकनीशियन	22.	श्री हरिचंद निषाद, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	37.	श्री कौशल कुमार साहू, ज.भा.स. भृत्य
8.	श्री शेषनारायण साहू प्रयोगशाला परिचारक	23.	श्री चमनलाल साहू, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	38.	श्रीमती ज्योति विश्वकर्मा, फर्राश
9.	श्रीमती पूर्णिमा साहू प्रयोगशाला परिचारक	24.	श्री योगेश चंदेल, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	39.	श्री अजय कुमार, स्वच्छक
10.	श्रीमती देहूती बेलगेहे प्रयोगशाला परिचारक	25.	कु. नीलम ध्रुव, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	40.	श्री प्रदीप बंजारे, सुरक्षाकर्मी
11.	श्री जगतारण बघेल प्रयोगशाला परिचारक	26.	श्री निशांत पाटकर, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	41.	श्री धर्मेन्द्र साहू, स्वच्छक
12.	श्री ललित कुमार लोधी प्रयोगशाला परिचारक	27.	कु. लक्ष्मंतीन जांगड़े, ज.भा. प्रयोगशाला परिचारक	42.	श्री देवीराम बंजारे, चौकीदार
13.	श्री सुशील कुमार जांगड़े चौकीदार	28.	श्री मोरध्वज कन्नौजे, डा.ए.ऑ.ज.भा.	43.	श्रीमती एमन चंद्राकर, मेट्रन
14.	श्री जी.एस. ठाकुर वरिष्ठ लिपिक (स्ववित्तीय मद)	29.	श्री मुकेश पैंदरिया, क्रीड़ा सहायक		
15.	श्री बी.एल. साहू कार्यालय सहायक (स्ववित्तीय मद)	30.	श्री कपिल पैंदरिया, योग सहायक		

धरोहर झरोखा – मिनी संग्रहालय

महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ के इतिहास एवं संस्कृति, पुरातात्विक स्थलों से परिचय कराने एवं संरक्षण हेतु विवेकानंद सभागार स्थित कक्ष में इतिहास विभाग द्वारा धरोहर झरोखा – मिनी संग्रहालय दिनांक 15 जून 2022 को संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल जनभागीदारी समिति एवं एलुमनी सदस्य के सहयोग से निर्मित किया गया है।

धरोहर झरोखा में छत्तीसगढ़ में पाँचवीं शताब्दी से लेकर ग्यारहवीं शताब्दी तक उत्खनन में प्राप्त मूर्तियों की प्रतिकृति स्थापित की गई है एवं टेराकोटा गैलरी के अंतर्गत महाविद्यालय के एलुमनी द्वारा बनाई गई टेराकोटा की आकर्षक मूर्तियां एवं छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई मूर्तियां भी स्थापित की गई है।

विद्यार्थी एवं महाविद्यालय में आने वाले अतिथि धरोहर झरोखा का अवलोकन कर अपनी देश की संस्कृति एवं पुरातत्व से परिचित होकर लाभान्वित हो रहे हैं महाविद्यालय द्वारा धरोहर झरोखा के विस्तार एवं संचालन हेतु समिति का गठन किया गया है जिसके संयोजक एवं सदस्य निम्नानुसार है।

संरक्षक	-	प्रो. (डॉ.) अनुसुईया अग्रवाल, डी.लिट्., प्राचार्य
संयोजक	-	डॉ. शीता पाण्डे विभागाध्यक्ष इतिहास
सदस्य	-	डॉ. मालती तिवारी विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र
सदस्य	-	डॉ. दुर्गावती भारतीय विभागाध्यक्ष हिन्दी
सदस्य	-	श्रीमती राजेश्वरी सोनी सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
सदस्य	-	श्री प्रदीप कन्हेर सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र
सदस्य	-	श्री मनोज शर्मा कार्यालयीन प्रमुख

हिन्दी विभाग – साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिन्दी विभाग के स्नातक स्तर की स्थापना महाविद्यालय की स्थापना के साथ 1965 में हुई है। सन् 1982–83 में हिन्दी में स्नातकोत्तर कक्षायें प्रारंभ हुई है। स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों के लिए 50 स्थान निर्धारित है। सत्र 2022–23 में हिन्दी साहित्य में बी.ए. : प्रथम वर्ष - 285, द्वितीय वर्ष - 341 एवं तृतीय वर्ष - 333 विद्यार्थी अध्ययनरत है। हिन्दी भाषा - बी.ए. प्रथम वर्ष - 439, द्वितीय वर्ष - 438 एवं तृतीय वर्ष - 437 विद्यार्थी हिन्दी भाषा समाह हमें दो कालखंड प्रत्येक कक्षा के लिए हिन्दी भाषा आ.पा. के अन्तर्गत पढ़ाया जाता है। वर्तमान में प्राध्यापक का 01 पद रिक्त है। सहा.प्रा. के 03 पद स्वीकृत हैं जो पूर्ण है। जनभागीदारी मद से 01 व्याख्याता हिन्दी की नियुक्ति इस सत्र हुई है। हिन्दी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष कार्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु वार्षिक कैलेण्डर का निर्माण किया जाता है। 31 जुलाई 2022 को मुंशी प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। संस्था की प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने मुंशी प्रेमचंद के समाज को साहित्यिक देय पर विस्तृत रूप से व्याख्यान दिया था। 14 अक्टूबर 2022 हिन्दी दिवस के अवसर पर महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के भाषा शैली को पुष्ट करने हेतु निबंध लेखन, काव्य-पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 16 अक्टूबर 2022 को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थी उपस्थित थे। हिन्दी पखवाड़ा के समापन दिनांक 29 अक्टूबर 2022 को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों हेतु भाषण एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन हिन्दी विभाग में किया गया था। हिन्दी विभाग एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला दिनांक 22 अक्टूबर 2022 का आयोजन। विवेकानंद सभागार में किया गया था। कार्यक्रम में ''छत्तीसगढ़ी राजभाषा दशा और दिशा'' विषय पर विद्वान साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के ''अभिव्यक्ति क्षमता विकास'' हेतु दिनांक 12 एवं 13 अक्टूबर 2022 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें 23 विद्यार्थियों ने शोध पत्र का वाचन कर अपने अभिव्यक्ति क्षमता का विकास किया। दिनांक 18 सितम्बर 2022 को ''निराला के साहित्य का विहंगम अवलोकन'' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया था। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नागेश्वर सिंह सेवा निवृत्त विभागाध्यक्ष हिन्दी, रांची वि.वि., द्वितीय वक्ता - डॉ. सुरेन्द्र विक्रम, विभागाध्यक्ष हिन्दी, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज, तृतीय वक्ता डॉ. मृदुला शुक्ला विभागाध्यक्ष हिन्दी इंदिरा कला संगीत वि.वि. खैरागढ़ उपस्थित थे। दिनांक 05 नवम्बर 2022 को ''प्रसाद के समग्र साहित्य का अवलोकन'' विषय पर हिन्दी विभाग में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजेश दुबे प्राचार्य शहीद राजीव पाण्डेय शासकीय महाविद्यालय भाठागांव एवं द्वितीय वक्ता के रूप में डॉ. मधुलता बारा, सहा.प्रा., पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर उपस्थित थे। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध पत्र लेखन प्रक्रिया के ज्ञान हेतु दिनांक 26 नवम्बर 2022 को एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया था जिसमें 38 विद्यार्थियों ने शोध-पत्र का वाचन किया। 28 नवम्बर 2022 को छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजभाषा दिवस के अवसर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार श्री आनंद तिवारी पौराणिक ने छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास पर अपना व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों पर नृत्य कर राजभाषा दिवस को सार्थक किया। दिनांक 30 नवम्बर 2022 को एम.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं दिनांक 02 दिसम्बर 2022 को एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 10 जनवरी 2023 को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. अनुसुइया अग्रवाल प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय व स्नातक महाविद्यालय थी। विभाग में हिन्दी साहित्य परिषद का गठन किया जाता है। स्नातकोत्तर विद्यार्थी परिषद के निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन करते हैं।

डॉ. दुर्गावती भारतीय
विभागाध्यक्ष
(हिन्दी)

राजनीति विज्ञान विभाग – प्रतिवेदन

डॉ. मालती तिवारी
विभागाध्यक्ष
राजनीति विज्ञान

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनीति शास्त्र के स्नातक स्तर की स्थापना महाविद्यालय की स्थापना के साथ 1965 में हुई सन् 1982-83 में राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ हुई, स्नातकोत्तर पर विद्यार्थियों के लिए 50 सीट निर्धारित है। सत्र 2022-23 में राजनीतिशास्त्र में प्रथम वर्ष 439, द्वितीय वर्ष में 439, तृतीय वर्ष 437 एवं स्नातकोत्तर कक्षा एम.ए. प्रथम/तृतीय सेमेस्टर में 50-50 है। महाविद्यालय में वर्तमान में एक प्राध्यापक तथा दो सहायक प्राध्यापक का पद है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष डॉ. मालती तिवारी, श्री केशरचंद्र बनपाल सहायक प्राध्यापक एवं श्री विजय मिर्रे अतिथि व्याख्याता राजनीति विज्ञान कार्यरत है। सत्र 2022-23 में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में 50 विद्यार्थी एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में 43 विद्यार्थी पंजीकृत है। सत्र 2021-22 में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्र तेजस्वी सिंह ठाकुर लेफ्टिनेंट पद पर चयनित हुआ जिसका विभाग द्वारा सम्मानीत किया गया। सत्र 2021-22 में अध्ययनरत भगवती सोनवानी ने एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा में विश्वविद्यालय के प्रावीण्य सूची में 6वाँ स्थान बनाकर महाविद्यालय एवं विभाग का नाम गौरान्वित किया। विभाग द्वारा अकादमिक व्यक्तित्व विकास हेतु विभागीय सेमिनार जिसमें 17 अक्टूबर 2022 को "मानव अधिकार में प्रशासनिक व्यवस्था एक संदर्भ", 04 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, दिनांक 15 नवंबर 2022 को बौद्धिक विकास हेतु प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, 19 नवंबर 2022 को "छत्तीसगढ़ कल आज और कल" सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. समीक्षा भारती शासकीय राजीव लोचन महाविद्यालय राजिम उपस्थित रही। 26 नवंबर 2022 को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीमती योगिता वासनिक अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री दामोदर प्रसाद चंद्रा सचिव जिला सेवा विधिक प्राधिकरण महासमुंद सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। एम.ए. चतुर्थ में 50 अंक का मौखिक एवं 50 अंक का प्रोजेक्ट वर्क (लघु शोध) है। प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को विषय से संबंधित अलग-अलग विषयों पर लघुशोध प्रोजक्ट फाईल बनवाई जाती है। विभाग द्वारा दिनांक 08/04/2022 को एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय "सामाजिक विज्ञानों में शोध प्रविधि की उपादेयता"। संगोष्ठी में 350 लोगों का पंजीयन हुआ जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. प्रमोद पवार डी.एम.ई.एस. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय अमलनेर जिला जलगांव महाराष्ट्र, डॉ. मनोहर डी पाटील प्राचार्य एस.एस.बी.पी. कला वाणिज्य महाविद्यालय धुले महाराष्ट्र, डॉ. सुभाष चंद्राकर सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, डॉ. रविन्द्र ब्रम्हे प्राध्यापक अर्थशास्त्र की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों से शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राणीशास्त्र विभाग का प्रतिवेदन सत्र 2022-23

महाविद्यालय सत्र 1965 को स्थापित किया गया। जिसे महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की स्मृति में महाविद्यालय का नाम महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय रखा गया है। महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संचालित है। विज्ञान संकाय में पाँच पाठ्यक्रम अर्थात विभाग संचालित है। जिसमें प्राणीशास्त्र विभाग भी सम्मिलित है। हालाकि प्राणीशास्त्र विभाग की स्नातक स्तर को शिक्षा महाविद्यालय के स्थापना के कुछ वर्ष पश्चात् स्तर की शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रारंभ की गयी। विज्ञान संकाय के स्नातक पाठ्यक्रमों में 300 सीटे तथा प्राणीशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रमों में 20 सीटे छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त (अनुमोदित) की गई है। 1 प्रयोगशाला तकनीशियन तथा 2 प्रयोगशाला परिचारक एवं 2 प्रयोगशाला परिचारक वर्तमान में पदस्थ है। महाविद्यालयों स्तर पर प्रायोगिक कार्य निर्विघ्न संपादन करने तथा सहयोग से जनभागीदारी मद से 1 प्रयोगशाला तकनीशियन नियुक्त किया गया है। वर्तमान में विभाग में विभिन्न प्रायोगिक सामग्री जैसे विभिन्न प्रकार के यंत्रों, 1 कम्प्यूटर एवं रसायन प्रायोगिक कार्य संपन्न कराने हेतु उपलब्ध है।

सुश्री प्रियंका सोनवानी
विभागाध्यक्ष

राष्ट्रीय सेवा योजना महिला की के स्वयंसेवकों द्वारा सिरपुर मेंप्रस्तुतीकरण

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष इकाई के स्वयंसेवक द्वारा सिरपुर मेंप्रस्तुतीकरण

राष्ट्रीय सेवा योजना – महिला ईकाई – प्रतिवेदन (2022–23)

श्रीमती राजेश्वरी सोनी
स.प्रा. वाणिज्य/कार्यक्रम अधि. रासेयो

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना महिला ईकाई छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवा भावना का विकास, सहयोग भावना, एकजुटता, संगठन क्षमता, नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन क्षमता, सांस्कृतिक कलात्मक प्रतिभा, देशी खेल की प्रतिभा आदि उत्तरोत्तर उन्नति विषयक कार्यों के लिए विशेष योजना के रूप में 24 सितम्बर 1969 में लागू किया गया है। शुरूआत में 37 विश्वविद्यालयों में लगभग 4000 स्वयं सेवकों को शामिल किया गया था। शा.म.व.स्ना.महा. महासमुन्द में महिला ईकाई (ईकाई क्र.-02) में 100 स्वयंसेवकों की निर्धारित ईकाई है जिसमें छात्राओं को पंजीकृत किया जाता है। वर्ष ह2022-23 में श्रीमती राजेश्वरी सोनी स.प्रा. वाणिज्य एवं कार्यक्रम अधिकारी रासेयो महिला ईकाई के नेतृत्व में वर्ष भर निर्धारित एवं आदेशित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को समान कराया गया। राष्ट्रीय स्तर में स्वयंसेवक कु. रोशनी राजपूत ने जमशेदपुर, झारखण्ड में कु. पूर्णिमा साहू, अहमदाबाद, गुजरात में कु. मनीषा कोसरे साहसिक शिविर मनाली हिमाचल प्रदेश में, अपनी सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की। राज्य स्तरीय विशेष शिविर में कु. विधि सोनी ने खम्हरिया दुर्ग में सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की। प्रत्येक स्तरीय शिविर सात दिवस के लिए आयोजित किया जाता है। व्यक्तित्व स्तर पर कु. मनीषा कोसरे में वर्ष 2022-23 में रक्तदान किया। कु. पूर्णिमा साहू ने अपने गाँव में पढ़ाई तुहर दुआर के अन्तर्गत 05 बच्चों को शिक्षा प्रदान किया। कु. सोनिया साहू ने एन.सी.सी. बैच बनाकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। कु. अरूणा सोनवानी ने रोको और टोको अभियान में जागरूकता कार्य किया। कु. शीतल साहू द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। रोशनी राजपूत द्वारा एन.सी.सी. कक्ष का संयोजन किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2023 जिला परेड में तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य रूप से स्वयंसेवकों द्वारा पौधारोपण, पौधों का संरक्षण, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता, कुपोषण सुरक्षा, युवा उत्सव, प्री.आर.डी.सी. 2023 में वि.वि.स्तरीय सहभागिता, ग्राम में तिरंगा ध्वज वितरण, नशा मुक्ति अभियान, सड़क सुरक्षा सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, साक्षरता रैली, फिट इंडिया, फ्रीडम रन 3.0, स्वच्छ भारत महा अभियान 2.0, हेल्प डेस्क, व्यक्तित्व निर्माण कार्यशाला, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन कार्यशाला, स्वीप इलेक्शन क्विज सहित समस्त गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत किया। आगामी वर्ष में सहभागिता एवं गतिविधियों में वृद्धि होने में स्वयंसेवकों का सुव्यवस्थित व्यक्तित्व निर्माण होगा।

शिविर अनुभव : मेरे द्वितीय एन.सी.सी. कैम्प, लखौली का अनुभव

मैं शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द में एन.सी.सी. तृतीय वर्ष की कैडेट हूँ। मैं आप लोगों के साथ अपने एन.सी.सी. के द्वितीय शिविर के अनुभव को साझा करना चाहती हूँ जो दिनांक 07/11/2022 से 14/11/2022 तक लखौली कैम्प एरिया, आरंग में संचालित हुआ।

एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर) – यह देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने के क्षेत्र में कार्य करने वाला एक संगठन है। यह संस्था देशभर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं (कैडेट्स) को बुनियादी तौर पर सैन्य प्रशिक्षण देते हैं। प्रत्येक वर्ष यह संस्था विभिन्न शिविरों का आयोजन करती है जिसमें से एक संयुक्त राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर 19 के बारे में मैं बताना चाह रही हूँ।

हमारे महाविद्यालय के कुल 22 छात्र-छात्राओं ने एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर (सहायक प्राध्यापक - रसायनशास्त्र) सर के नेतृत्व में इस शिविर की सहभागिता की। हमारे साथ शासकीय आदर्श विद्यालय, महासमुन्द के कुल 15 छात्राएँ भी थी। एन.सी.सी. के शिविर व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत पसंद है, क्योंकि वहाँ हमारे खान-पान, रहन-सहन एवं सुरक्षा की बहुत अच्छी व्यवस्था की जाती है।

07 नवम्बर को तकरीबन 12 बजे हम लखौली कैम्प एरिया में पहुँच गए जहाँ पर हमारा बायोमैट्रिक से पहचान के बाद हमारे दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। इसके पश्चात् हमें हमारा कमरा आवंटित किया गया एवं खाना खाने को कहा गया। शाम को रोलकॉल हुआ जिसमें कैम्प में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को चार कंपनियों में विभाजित कर दिया गया, जिसमें हमारी कंपनी ब्रावो थी। हम इसी कंपनी स से अब पहचाने जाने लगे। रोलकॉल में हमें पूरे शिविर में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया गया एवं विभिन्न दिशा-निर्देश दिए गए। हमारे कंपनी के पी.आई. (परमानेन्ट इंस्ट्रक्टर) सर ने कुछ सीनियर्स के साथ मुझे भी कंपनी सीनियर बना दिया जिसके कारण मन में थोड़ा डर, थोड़ा उत्साह एवं आत्मविश्वास की लहरें उठने लगी। फिर रोलकॉल (उपस्थिति की रिपोर्टिंग) की गतिविधियों के बाद एवं हमारे रात के खाने के बाद हम अपने-अपने रूम में सोने चले गए।

कु. अदिति पाण्डेय
एन.सी.सी. कैडेट
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
✲ अनमोल लम्हें ✲

यू अचानक से आज क्यूँ
दिल खुशियों से नाम-नाम हो गयी,
मैं आया था घूमने की ख्वाहिश लेके
मगर मन और दिमाग स्तब्ध-सी हो गयी ॥

मैं गया था उनके समाधि पर
अन्तरात्मा अन्दर से रो पड़ी,
ऐसी प्रेरणा मिली उनसे
आँसू आँखों से छलक पड़ी ॥

तस्वीर ऐसी खूबसूरत उनके
बालों की रूपरेखा तेरे नाम था,
टूट गयी शिलांग के जमीं पर
माला हीरे की कलाम का था ॥

15 अक्टूबर 1931 को नन्हा सा कली खिला,
27 जुलाई 2015 को है बिखर गया,
थी आँसू दुनिया की आँखों में,
वो तितली बन कहीं उड़ गया ॥

5 बजे प्रातः उठकर अखबार बांटते
आकर बाद उनके पढ़ चल पड़े,
अध्ययन में रमी जिंदगी
जाकर ज्ञान छोड़ चल पड़े ॥

सागर खेत खलिहानों में,
पढ़ने के मस्ताने थे
रामेश्वरम् में जन्मे थे ॥

कुछ करने की ललक उनमें
भिन्न विचार के दीवाने थे,
डाल गये मिसाइल भारत के झोले में
वो खुली आँखों से देखते सपने मस्ताने थे ॥

कलाम-कलाम दुनिया पुकारे
वो प्रेम अमर बलिदानी थे,
इंसान चेहरे से नहीं दिल से सुंदर होते हैं
कह गये वो उनकी अपनी जुबानी थे ॥

नाम - कुन्दन सिंह खुटे
कक्षा - एम.एस.सी. 3 सेमे.

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता

निःशुल्क पीएससी कोचिंग नेतृत्व साधना फाउंडेशन, दुर्ग द्वारा प्राचार्य को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए

भूगोल विभाग द्वारा परिषद गठन

मतदाता जागरूकता स्वीप कार्यक्रम डॉक्टर मालती तिवारी एवं सीईओ जिला पंचायत महासमुंद

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक

महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट

महाविद्यालय के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मा. विनोद सेवन लाल चंद्राकर विधायक, जनभागीदारी अध्यक्ष एवं संसदीय सचिव छ.ग. शासन

गणतंत्र दिवस परेड एन.सी.सी. कैडेट एवं ऑफिसर

कम्प्यूटर विभाग का प्रतिवेदन सत्र 2022–23

स्नातक स्तर पर बी.सी.ए. एवं (स्ववित्तीय) मद से पी.जी.डी.सी.ए., डी.सी.ए. कोर्स महाविद्यालय में कम्प्यूटर विभाग का अध्यापन कार्य क्रमशः 2017-18 एवं 2006-07 से संचालित किया जा रहा है शासन द्वारा स्नातक स्तर के लिए 01 सहायक प्राध्यापक एवं 01 प्रयोगशाला तकनीशियन का पद स्वीकृत है डिप्लोमा कोर्स स्ववित्तीय मद के तहत 02 सहायक प्राध्यापक एवं 01 प्रयोगशाला परिचारक का पद स्वीकृत है वर्तमान में विभागाध्यक्ष के रूप में पदस्थ डॉ. अजय कुमार देवांगन सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर विज्ञान, श्री टीकम साहू सहायक प्राध्यापक (स्ववित्तीय), कु. पूजा यादव सहायक प्राध्यापक (स्ववित्तीय), कु. दीपिका साहू सहायक प्राध्यापक (जनभागीदारी), श्री चमन साहू प्रयोगशाला परिचारक (स्ववित्तीय) कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग में कार्यरत हैं। मई (30/05/2022) - स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के अध्यापन के बाद कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के द्वारा Value Added Course (Basic Computer Training Course) कराया गया कम्प्यूटर विज्ञान की उपयोगिता को देखते हुए भविष्य में इस विषय की जानकारी के आधार पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर रोजगार प्राप्त करने सम्बंधित जानकारी दी गयी। दिसंबर (20/12/21) - स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के अध्यापन के साथ कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं महिला सशक्तिकरण समिति के द्वारा A Step towards Women Empowerment (आधारभूत कम्प्यूटरशिक्षा कार्यक्रम) कराया गया कम्प्यूटर विज्ञान की उपयोगिता को देखते हुए भविष्य में इस विषय की जानकारी के आधार पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर रोजगार प्राप्त करने सम्बंधित जानकारी दी गयी।

डॉ. अजय देवांगन
कम्प्यूटर विभाग

गर्ल्स कॉमन रूम

महाविद्यालय में लगभग 3000 छात्राएं अध्ययनरत् है। उनके अध्ययन, अध्यापन की सुविधा, अनिवार्य आत स्वच्छताएं एवं सुरक्षा के लिए विवेकानंद सभागार समीप गर्ल्स कॉमन रूम की स्थापना की गई है। यह कॉमन रूम यूजीसी के मापदण्ड के अनुसार संचालित की जा रही है। गर्ल्स कॉमन रूम का निर्माण जन भागीदारी मद से किया जा गया है। छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ सुरक्षा, सुविधा के लिए गर्ल्स कॉमन रूम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कु. प्रियंका सोनवानी
प्रभारी, गर्ल्स कॉमन रूम

भूगोल विभाग पर्यावरण संवर्धन हेतु संकल्पित

स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में भूगोल विषय का अध्यापन 2020-21 से किया जा रहा है। शासन द्वारा 01 सहायक प्राध्यापक, 01 प्रयोगशाला तकनीशियन एवं 01 प्रयोगशाला परिचायक का पद स्वीकृत है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष भूगोल के रूप में पदस्थ श्री दिलीप कुमार बढ़ाई सहायक प्राध्यापक भूगोल, श्री कुंदन देवांगन प्रयोगशाला तकनीशियन भूगोल, श्री निशांत पाटकर प्रयोगशाला परिचायक भूगोल में कार्यरत है। अगस्त (09/2022) - स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को अध्यापन कार्य पूर्व भूगोल विषय की महत्ता से परिचित कराते हुए भविष्य में इस विषय की जानकारी के आधार पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर रोजगार प्राप्त करने संबंधित जानकारी दी गयी। अक्टूबर (10/2022) - विभाग में सतत् विकास व रिमोट सेंसिंग के विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। स्नातक स्तर में भूगोल विषय संबंधित समस्त छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल बनाकर प्रेजेन्टेशन देने की प्रतियोगिता रखी गयी। नवंबर (11/2022) - विद्यार्थियों के लिए विषय आधारित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न मंच का कार्यक्रम रखा गया। दिसंबर (07/12/2022) - विधिवत् प्रयोगशाला का उद्घाटन प्राचार्या डॉ. अनुसुइया अग्रवाल (डी.लिट्) के द्वारा किया गया तथा प्राचार्य के निर्देशन में विभागीय छात्र परिषद का गठन श्री दिलीप कुमार बढ़ाई विभागाध्यक्ष भूगोल, डॉ. ई.पी.चेलक विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र, श्री अजय कुमार राजा विभागाध्यक्ष वाणिज्य, डॉ. अजय कुमार देवांगन विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साइंस, डॉ. ममता सिरमौर वर्मा अतिथि व्याख्याता समाजशास्त्र एवं शिवानी तावेरकर सहायक व्याख्याता समाजशास्त्र की उपस्थिति में हुआ। जिसमें अध्यक्ष-कोमल साहू, उपाध्यक्ष-कनुप्रिया साहू, सचिव-छाया साहू, सह-सचिव-वर्षा गजेन्द्र, कोषाध्यक्ष-हेमेन्द्र कागजी सर्वसम्मति से मनोनित हुए। जनवरी(01/2023) - प्रयोगशाला निर्माण के पश्चात् श्री दिलीप कुमार बढ़ाई सहायक प्राध्यापक भूगोल के निर्देशन में प्रायोगिक कार्य व क्षेत्र सर्वेक्षण कार्य कराया गया। फरवरी(02/2023) - भूगोल विषय के स्नातक स्तर के समस्त छात्र-छात्राओं को उत्तर पुस्तिका लेखन करते समय रेखाचित्र व मानचित्रों का अनुप्रयोग कैसे व कहां करें इस विषय पर प्रश्न देकर अभ्यास कराया गया। (छात्र-छात्राओं द्वारा विषय की मांग व रूचि को देखते हुए स्नातक स्तर में सीट वृद्धि हेतु महाविद्यालय प्रयासरत है।)

प्रो. दिलीप बढ़ई
विभागाध्यक्ष
(भूगोल)

रसायन शास्त्र विभाग - प्रतिवेदन

शास.महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द, महासमुन्द जिले का अग्रणी महाविद्यालय है। महाविद्यालय शैक्षणिक कार्यों के संपादन एवं शैक्षणिकेत्तर गतिविधियों के क्रियान्वयन में अपनी एक पृथक पहचान रखता है। महाविद्यालय में बी.एस-सी. सत्र 1983-84 से प्रारंभ हुआ एवं रसायन शास्त्र विषय में स्नातकोत्तर की कक्षाएं सत्र 1989-90 में 40 सीट संख्या के साथ आरंभ हुई। वर्तमान सत्र 2022-23 में रसायन शास्त्र विषय में स्नातक स्तर. में सीट संख्या 460(300सीट बायो समूह एवं 160 सीट गणित समूह) तथा स्नातकोत्तर स्तर पर सीट संख्या 75 है। शासन द्वारा रसायन विभाग में प्राध्यापक का एक पद तथा सहायक प्राध्यापक के तीन पद स्वीकृत हैं। रसायन शास्त्र विभाग में तीन नियमित सहायक प्राध्यापक कार्यरत है तथा प्राध्यापक के रिक्त पद के विरूद्ध शासन के नियमानुसार अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति हुई है। रसायन विभाग में कार्यरत अधिकाधिक एवं कर्मचारी इस प्रकार हैं-

अधिकारी गण :- 1.श्रीमती करूणा दुबे-विभागाध्यक्ष रसायन विभाग - सहायक प्राध्यापक, 2. श्री प्रदीप कन्हेर - सहायक प्राध्यापक, 3. श्रीमती सरस्वती सेठ - सहायक प्राध्यापक, 4. कु. नम्रता तम्बोली - अतिथि सहायक प्राध्यापक

कर्मचारी गण :- 1. श्री एस.आरमानकर - प्रयोगशाला तकनीशियन, 2. श्री शशांक दानी - प्रयोगशाला परिचारक जनभागीदारी, 3. श्री रोहित कन्नौजे - प्रयोगशाला परिचारक जनभागीदारी सत्र 2022-23 में बी. एस.सी. प्रथम वर्ष बायो समूह में 300 तथा बी.एस.सी. प्रथम वर्ष गणित समूह में 89 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया इस बी.एस.सी. प्रथम वर्ष में रसायन शास्त्र विषय में विद्यार्थियों की कुल संख्या 389 है एम.एस.सी. रसायन शास्त्र प्रथम सेमेस्टर में 75 तथा तृतीय सेमेस्टर में 68 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। प्रतिवर्षानुसार सत्र 2022-23 में भी स्नातक स्तर पर छात्र संख्या अधिक होने के कारण प्रत्येक कक्षा में दो सेक्शन बनाकर समय सारिणी के अनुसार अध्यापन कार्य किया गया। महाविद्यालय के रसायन विभाग में प्रायोगिक कार्यों हेतु स्नातक स्तर एवं स्नातकोत्तर स्तर के लिये पृथक-पृथक प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध है जिसमें विद्यार्थी निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप बैच में प्रायोगिक कार्य करते है स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिये विभाग में विभागीय लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें विषय से संबंधित सन्दर्भ पुस्तकें उपलब्ध हैं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के विभाग में कम्प्यूटर की सुविधा भी प्रदान की जाती है। प्रतिवर्षानुसार सत्र 2022-23 में बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये 12.09.2022 तिथि में उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । एम.एस.सी. विद्यार्थियों के लिये दिनांक 19.0.2022 को रसायन परिषद गठन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष-गीतांजली डडसेना एम.एस.सी.तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष - कु.पूजा साहू एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर, सचिव - कु.प्रतिक्षा दानी एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर, सह सचिव - कु. गायत्री एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर मनोनित हुये। रसायन परिषद गठन कार्यक्रम में पटाखों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों में कलात्मक अभिरूचियों के विकास को दृष्टिगत रख सलाद सजा प्रतियोगिता एवं व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एम.एस.सी. रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा सेमिनार दिये गये बी. एस.सी. विद्यार्थियों के लिये एकेडमिक कलेण्डर के अनुसार त्रैमासिक परीक्षा, अर्द्धवार्षिक परीक्षा, प्री-फाइनल परीक्षा आयोजित की गई। एम.एस.सी. विद्यार्थियों के लिये आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा एवं सेमिनार लिये गये। रसायन विभाग के प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों की विषय संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया एवं विद्यार्थियों को जागरूक कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रेरित किया गय

प्रो. करूणा दुबे
विभागाध्यक्ष
रसायन शास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग – गतिविधियाँ

डॉ. लीलम अग्रवाल
विभागाध्यक्ष

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द की स्थापना सत्र 1965 में हुई थी। महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना सत्र 1984-85 में हुई। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शिक्षण के अलावा विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर अतिरिक्त ज्ञानवर्धक जानकारी भी विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रदान की जाती है। अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर पद्धति से शिक्षण एवं आन्तरिक परीक्षा आयोजित की जाती है, ताकि विद्यार्थी पैटर्न के अनुरूप ही परीक्षा की तैयारी कर सकें। अर्थशास्त्र में विभागीय परिषद का किया जाता है। सत्र 2022-23 में भी अर्थशास्त्र परिषद का गठन किया गया जिसके पदाधिकारी निम्नानुसार है :- अध्यक्ष - अजय कुमार नायक (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), सचिव - कु. संयवी सिंह ठाकुर (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर)(एम.ए. तृतीय सेमेस्टर), उपाध्यक्ष - डिनेन्द्र कुमार साहू (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर), सह सचिव - कु. विधि चंद्राकर (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर), परिषद के माध्यम से विद्यार्थियों में विषय के प्रति समझ विकसित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता है। सत्र 2022-23 में परिषद के कार्यक्रमों के तहत सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर कक्षा के छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर आलेख का पाठन किया गया। वर्तमान सत्र 2022-23 में अर्थशास्त्र परिषद का उद्घाटन दिनांक 19 अक्टूबर 2022 को किया गया। जिसमें प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल द्वारा परिषद के पदाधिकारियों को कर्तव्यों के उचित निर्वहन हेतु शपथ दिलाया गया। डॉ. आर.के. अग्रवाल द्वारा कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. लीलम अग्रवाल द्वारा परीक्षा में उत्तर लिखने के तरीके व अच्छे अंक प्राप्त करने टिप्स दिए गए। इस अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल वि. की प्रावीण्य सूची में आठवां स्थान प्राप्त करने पर कु. तारिणी यादव का एवं छ.ग. लोक सेवा आयोग सहायक प्राध्यापक परीक्षा में चयनित होने पर डॉ. प्रवीण कुमारचंद्राकर का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। अर्थशास्त्र विभाग में 2 सहायक प्राध्यापकों के पद स्वीकृत है जिसमें डॉ. लीलम अग्रवाल (विभागाध्यक्ष) एवं डॉ. रमाकांत अग्रवाल कार्यरत है। अर्थशास्त्र विभाग का अपना स्वयं का कक्ष है एवं विभागीय लाइब्रेरी भी है जिसमें लगभग 300 पुस्तकें उपलब्ध है।

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर प्राचार्य प्रो. डॉ अनुसुइया अग्रवाल डी लिट् एवं महाविद्यालय परिवार

जिला स्तरीय मेगा शिविर के समापन समारोह के अवसर पर प्रो. केसरीलाल वर्मा कुलपति एवं डॉ. ज्योति पांडे प्राचार्य

जिला स्तरीय मेगा शिविर के समापन समारोह के अवसर पर प्रो. केसरीलाल वर्मा कुलपति एवं डॉ. ज्योति पांडे प्राचार्य

वाणिज्य विभाग द्वारा 12 दिवसीय वैल्यू ऐडड कोर्स के उद्घाटन सत्र

सत्र 22-23 में छात्रसंघ पदाधिकारी शपथ ग्रहण समारोह

युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य एवं स्टाफ

योग विभाग – विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध

दिलीप कुमार लहरे
(विभागाध्यक्ष, योग विभाग)

आयोजित कार्यक्रम

पंच दिवसीय योग एवं जुम्बा प्रशिक्षण कार्यक्रम - यह कार्यक्रम दिनांक 02/11/2022 से 07/11/2022 आयोजित किया गया था, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अनुसुइया अग्रवाल सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही योग विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों की उपस्थिति भी सराहनीय थी। विभिन्न प्रकार के आसनों के साथ प्राणायाम का भी गुर सिखाया गया, साथ ही साथ मानसिक स्वास्थ्य की पुष्टी एवं तंदरूस्ती के लिए संगीत के साथ जुम्बा का भी लाभ भरपूर लिए। शारीरीक, मानसिक, सामाजिक एवं अध्यात्मिक स्वास्थ्य की पुष्टि हेतु यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष कराया जाता है। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य से लेकर विद्यार्थी तक लाभ प्राप्त करते हैं। भक्तियोग कार्यक्रम - यह हमारे प्रायोगिक का हिस्सा है। जिसमें योग में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा भजन, कीर्तन, चालीसा, मंत्र आदि का अभ्यास किया जाता है। भक्ति का तात्पर्य ''समर्पण'' होता है। अपने आराध्य, ईष्ट के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव मनुष्य के मन को मजबूत बनाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य को तंदरूस्त रखता है। भक्ति योग कार्यक्रम दिनांक 24/09/2022 को आयोजित किया गया था। जिसमें योग के बच्चे लाभान्वित हुए। दक्षिणभोज कार्यक्रम - यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति की पहचान है। भारतीय संस्कृति, कला, विज्ञान, अध्यात्म से सुसज्जित है। उनमें से एक दक्षिण भोज भी है। जिसका आयोजन प्रतिवर्ष दीपावली के पहले किया जाता है। योग विभाग के बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यंजन, पकवान एवं मिष्ठान बनाकर केले के पत्ते में परोसा जाता है। माना जाता है, कि केले के पत्ते में भोजन करने से पेट संबंधित विकार दूर होता है। नकारात्मकता से निजात मिलती है। इस वर्ष यह कार्यक्रम दिनांक 21/10/2022 को रखा गया था। जिसमें महाविद्यालय प्रमुख प्राचार्य मैम से लेकर योग विभाग के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। योग विभाग के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरमहाविद्यालय योग प्रतिस्पर्धा दिनांक 05/12/2022 को डॉ. राधाबाई शास. नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर में हुआ। ''मंत्रयोग कार्यक्रम'' मंत्रयोग कार्यक्रम का अर्थ मंत्र से स्वयं को जोड़ना। मंत्र के उच्चारण मात्र से मानसिक विकार दूर हो जाता है साथ ही साथ भावनाओं एवं विचार की भी शुद्धि होती है। योग के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से 108 बार गायत्रीमंत्र का उच्चारण किया गया। मंत्र योग के माध्यम से अंतःकरण की शुद्धि होती है, तथा मानसिक स्वास्थ्य भी तंदुरूस्त होती है। इस कार्यक्रम का आनंद व लाभ लेने हेतु महाविद्यालय प्रमुख डॉ. अनुसुइया अग्रवाल सहित समस्त योग विभाग के सदस्य उपस्थित रहे।

✲ उम्मीद ✲

जिंदगी अधूरी है कामयाबी के बिना इसलिए,
उम्मीद कामयाबी की है तुम्हारें अपनों को तुमसे,
उम्मीद तुम्हारे पापा को है, तुमसे की आज जो तुम उनके बेटे के नाम से जाने
जाते हो, कल वो तुम्हारे पापा के नाम से पहचाने जाए।
उम्मीद तुम्हारी माँ को है तुमसे की कल वो तुम्हारे काम के बारे में
सबको बता-बता के न थके कभी।
उम्मीद तुम्हारे भाई-बहनों को है तुमसे की
हर साल तुम्हारे खुद के लाए हुए तोहफा मिले।
उम्मीद कामयाबी की है तुम्हारे अपनों को तुमसे
क्योंकि जिंदगी अधूरी है कामयाबी के बिना
कामयाबी शब्द है ऐसा जिसके रस्ते में मुश्किलें हजार आएंगी।
पर कभी हार न मानना तुम क्योंकि तुम्हारी कामयाबी सिर्फ
अपनों की उम्मीद ही नहीं है, बल्कि
तुम्हारी जिम्मेदारी और तुम्हारा आने वाला कल है।

नाम - केशरी ध्रुव
कक्षा - बी.कॉम. 2

✲ प्रमाण ✲

नेत्र दृष्टिहीन हुई, कर्ण हो रहे अभव्य।
समाज नेतृत्वहीन हुआ, तू स्वयं को सम्मान दे ।।
आरंभ का प्रमाण दे ।।

प्राण क्षतिग्रस्त हुआ, देह बस से त्रस्त हुआ।
विचार बुद्धिहीन हुई, इसे पुनः निर्माण दे ।।
आरंभ का प्रमाण दे ।।

इतिहास भूत, मिट गया, भविष्य बिखरा पड़ा।
कौन है तू संसार में प्रश्न लिए खड़ा ।।
शत्रु तो परास्त तुझसे आज वो भुजंग बने।
अधर्म का धर्म लेकर तुझे ये डस चले ।।
समय सीमा में उलझ, व्यर्थ न भौकाल दे ।।
आरंभ का प्रमाण दे ।।

गजराज बल भांति रख किन्तु अब वीरता के लक्षण नहीं।
रिपुवंश नाशकर, शृंगार सम भक्षण नहीं ।।
ज्ञात तुझी में शौर्य समर्पण, शत्रुपक्ष बल तोड़ दे।
है गरूड़ ज्ञान की तब, रावण की बुद्धि जोड़ दे ।।
पर्वत की छाती पे चढ़, सिंह की दहाड़ दे ।।
आरंभ का प्रमाण दे ।।

सत्य, धर्म, कर्तव्य का, निश्छल भाव धारण कर।
सुधारक बन समुदाय का, नया एक उदाहरण कर ।।
अनाचार अभिव्यक्ति, लोभ का अभाव रख।
प्रतिशोध कर, तू क्रोधकर, सिंहासन का प्रभाव रख ।।
भाँति पवन के अज्ञानता, जड़ सहित उखाड़ दे ।।
आरंभ का प्रमाण दे ।।

नाम - सागर उपाध्याय
कक्षा - बी.एस.सी. 2 सेमे.

Department of English

The Department of English was established in the year-1965 the very date of the establish-ment of the College. Since its inception of the Department has been engaged in imparting quality education. The Undergraduate course in English Literature was introduced in the year 2006-07 to meet the pressing demand of the students. The P.G. course in the English Literature was introduced in the year-2002-03 with only 30 allotted seats. By observing over all response and sucess of the P.G. course the intake of 30 seats was later on streached to 60 seats in the year-2020. The Department of English strictly follows the syllabus/curriculam offered by affiliating University Pt. Ravishankar Shukla University Raipur. The syllabus of both U.G. and P.G. courses offers wide variety of optional papers in the final year of the each course. The Indian, American and African Literature etc. Gives a broader overlook to the students to understand various types of literature and culture. The papers such as Linguistic and English Language teaching encourages students to deeper insight to the understanding of English Language along with English Literature. The Department of English has produced many bright Alumni who are importing their services in the various fields of the society such as Higher Education, School Education and Administration. Thus making name of department shine. The Department of English has its own separate department and class rooms with ITC facility. The Department of English has its own department Library of more than 200 books. Presently the Department of English has four qualified and dedicated faculty members :- Shri C. Xalxo - H.O.D. English, Shri A.P. Goswami - Asst. Prof. English, Shri Naresh Mire - Guest Faculty English, Smt. Roshni Dhruw - Janbhegadari Faculty English. Formation of the council of English Literature. Value Added course.

Shri C. Xalxo
HOD

महाविद्यालय की उपलब्धियाँ

मैरिट सूची 2022–23

Vonita Ratre
MA 4th semester
Sociology 2022
Rank 2nd 1667/2000

Padmini
MA 4th semester
Sociology 2022
Rank 3rd 1665/2000

Namrata Soni
MA 4th semester
Sociology 2022
Rank 4th 1664/2000

Hema
MA 4th semester
Sociology 2022
Rank 9th 1620/2000

Santoshini
MA 4th semester
Sociology 2022
Rank 5th 1639/2000

Nidhi Bagga
M.Com 4th semester
Rank 1st 1815/2000

Sagar Gandecha
M.Com 4th sem
Rank 2nd 1784/2000

Honey Patkar
M.Com 4th sem
Rank 3rd 1772/2000

Vivek Gandecha
M.Com 4th sem
Rank 7th 1754/2000

Priyanka Badiya
M.Com 4th sem
Rank 8th 1741/2000

Nomita Sahu
M.Com 4th sem
Rank 8th 1741/2000

Arvind Chandrakar
M.Com 4th sem
Rank 10th 1732/2000

Barkha Rathi
B.Com Part 3
Rank 10th 1524/1800

Preeti Shrey
M.Sc 4th sem
Physics
Rank 1st 2103/2400

Manisha Chandrakar
M.Sc 4th sem
Physics
Rank 2nd 2101/2400

Satwant Singh
M.Sc 4th sem
Physics
Rank 10th 2007/2400

Abhishek
MA 4th sem
Political Science
Rank 6th 1349/1700

Shinal Bardiya
MA 4th sem
History
Rank 3rd 1348/1600

Khileshwari Mandle
MA 4th sem
History
Rank 4th 1340/1600

Durga Sahu
MA 4th sem
History
Rank 6th 1330/1600

Reshma Khan
MA 4th sem
History
Rank 8th 1323/1600

Gargi Chandrakar
MA 4th sem
Sociology
Rank 1st 1696/2000

महाविद्यालय पुस्तकालय – एक जानकारी

:: किताबे ::

किताबे करती है बाते,
बीते जमाने की दुनिया की,
इंसानों कीआज की,
कल की एक-एक पल की।
खुशियों की, गमों की
फूलों की, बमों की
जीत की, हार की
प्यार की, हार की

क्या तुम नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें?
किताबे कुछ कहना चाहती है
तुम्हारे पास रहना चाहती है।
किताबों में खेतियां लहलहाती है।
किताबों में झरने गुनगुनाते है
परियों की किस्से सुनाते है
किताबों में रॉकेट का राज है।

किताबों में साईंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है।
क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबे कुछ कहना चाहती है
तुम्हारे पास रहना चाहती है।।

''सफदर हाशमी''

महाविद्यालय ग्रन्थालय महासमुन्द

छात्र-छात्राओं को बुक-बैंक, बी.पी.एल. एवं जनभागीदारी मद से पुस्तकें की सुविधा दी जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को बुक-बैंक योजना के अन्तर्गत सत्र के प्रारंभ में ही पुस्तकें सत्र-पर्यन्त के लिये निर्गमित करदी जाती है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने तथा भाषण निबंध एवं अन्य तत्कालीन गतिविधियों में भाग लेने के लिए ग्रन्थालय में अध्ययन सामग्री की सुविधाएं उपलब्ध है। महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की पुस्तकों को विभागीय ग्रन्थालय हेतु रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, भौतिकी, वाणिज्य, हिन्दी, साहित्य, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास विभाग एवं महाविद्यालय में संचालित निःशुल्क कोचिंग सेन्टर में भी पुस्तके उपलब्ध करा दिया गया है। ग्रन्थालय कक्ष के बरामदे में छात्रों को बैठकर अध्ययन करने की सुविधा है। महाविद्यालय ग्रन्थालय में संचालित है सुविधा का भी लाभ छात्र छात्रों एवं प्राध्यापकों को प्रदान किया जाता है।

ग्रन्थपाल - सूरज राम सात्रे, सहयोगी कर्मचारी - रवि कुमार ओगरे, समय - प्रातः 10:30-5:30 बजे तक

सदस्य - 1. महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ, 2. महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र/छात्रायें

महाविद्यालय ग्रन्थालय में 15 दैनिक समाचार पत्र आते है, जिसमें अंग्रजी समाचार पत्रों की संख्या 03 है।

महाविद्यालय में प्रवेशित छात्र / छात्रों की संख्या 4642

प्रतिदिन 500 छात्र/छात्राओं की मान से पुस्तके आदान-प्रदान नियमानुसार किया जाता है -

वित्तीय स्त्रोत - महाविद्यालय ग्रन्थालय को यूजी.सी., रूसा, राज्य शासन के अतिरिक्त जनभागीदारी समिति एवं स्व वित्तीय मद से राशि प्राप्त होती है।

सूरज राम सात्रे
ग्रंथपाल

महाविद्यालयीन कार्यक्रमों की झलकियाँ

प्रवेश उत्सव के अवसर पर मान. श्री विनोद सेवनलाल चन्द्राकर विधायक एवं जनभागीदारी अध्यक्ष

वार्षिक पुरस्कार समारोह 2022-23

गणतंत्र दिवस का अवसर

अलूमनी ऐसोसिएशन के सदस्यगण एवं प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडे

अलूमनी एसोसिएशन में श्री ईश्वर शर्मा द्वारा काव्य व्याख्या

दिनांक 17, 18, 20 अप्रैल 2023 तीन दिवसीय निःशुल्क बेकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम

26 नवंबर को श्रीमती वनिता वासनिक विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल एवं स्टाफ द्वारा शपथ लेते हुए

श्री अजय कुमार राजा कार्यक्रम अधिकारी रासेयो राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा एवं कुलपति प्रोफेसर केसरी लाल वर्मा तथा डॉ. मालती तिवारी जिला संगठक

इतिहास विभाग – कल आज और कल

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर इतिहास विषय का अध्यापन 1965 से एवं स्नातकोत्तर विषय का अध्ययन सत्र 2005-06 से किया जा रहा है। शासन द्वारा इतिहास विषय हेतु एक पद प्राध्यापक एवं एक पद सहायक प्राध्यापक स्वीकृत है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. रीता पाण्डेय सहायक प्राध्यापक इतिहास एवं मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास कार्यरत है। सत्र 2022-23 के एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में 50 विद्यार्थी एवं तृतीय सेमेस्टर इतिहास में 32 विद्यार्थी पंजीकृत है। विभाग के विद्यार्थी अध्ययन क्रीड़ा एवं अन्य गतिविधियों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते है। मई-जून 2022 में विभाग के 04 विद्यार्थियों ने पं. रविशंकर विश्व विद्यालय रायपुर की मेरिट सूची में स्थान बनाया है। इतिहास विभाग द्वारा छ.ग. की लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने हेतु धरोहर झरोखा मिनी संग्रहालय की स्थापना की गई है, एवं प्रत्येक शनिवार से 11:30 से 01:00 बजे तक पी.एस.सी. निःशुल्क कोचिंग का संचालन किया जाता है। जिसमें विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। सत्र 2022-23 में इतिहास विभाग की उपलब्धियाँ निम्नानुसार है - इतिहास परिषद का मनोनयन 09 सितंबर 2022 को किया गया जिसमें अध्यक्ष-बसंती तांडे, उपाध्यक्ष-प्रज्ञा ठाकुर, सचिव-सरस्वती सिंह ठाकुर, सह सचिव-मनोहर सोनवानी, कोषाध्यक्ष-श्रद्धा साहू, दीपा नाय, सांस्कृतिक प्रभारी-रोशनी राजपूत, पूर्णिमा साहू, मीडिया प्रभारी-अमित आवले, मुकुल कन्नौजे, सलाहकार समिति-हीरा साहू, ज्योति, गिरी, पंकज को सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। 07 नवंबर 2022 को विद्यार्थियों के अकादमिक एवं व्यक्तित्व विकास हेतु विभागीय सेमीनार का आयोजन किया गया। डॉ. अनुसुइया अग्रवाल प्राचार्य के आदेशानुसार डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष के संयोजन में छ.ग. के रीति रिवाज प्रथा एवं परंपराओं का वर्तमान समय में महत्व के विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। संचालन मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्या इतिहास द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनोहर, हीरा, ज्योति, प्रज्ञा, श्रद्धा, होरिलाल साहू, पूर्णिमा, रोशनी आदि विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। 19 नवंबर को विभाग में डॉ. एस.एस. तिवारी विभागाध्यक्ष इतिहास शासकीय चंद्रपाल डड़सेना महाविद्यालय पिथौरा के व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी प्राचार्य डॉ. ई.पी. चेलक की अध्यक्षता में व डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्य इतिहास की संयोजन में किया गया। व्याख्यान का विषय इतिहास में तथ्य एवं तथ्यों की व्याख्या थी। उद्देश्य-विद्यार्थियों को इतिहास लेखन (पेपर) के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। संचालन-श्रीमती सीमा रानी प्रधान सहायक प्राध्यापक हिन्दी व आभार मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास द्वारा किया गया, तथा पी.जी. के विद्यार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 28 जनवरी 2023 को विभाग द्वारा मई-जून में मेरिट में आए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। पंडित रविशंकर विश्व विद्यालय रायपुर की मेरिट सूची में सीमन बरडिया ने तीसरा स्थान, खिलेश्वरी मांडले ने चौथा स्थान, दुर्गा साहू ने छठवां स्थान तथा रेशमा साहू ने आठवां स्थान प्राप्त किया है, तथा पी.जी. के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल की अध्यक्षता में डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष इतिहास व मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास के संयोजन में किया गया। 07 फरवरी 2023 को सिरपुर महोत्सव में आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता एवं सिरपुर का शैक्षणिक भ्रमण। अपर कलेक्टर के आदेशानुसार प्राचार्य की अनुमति से श्री आशुतोष गिरि गोस्वामी व मृणाली चंद्राकर के नेतृत्व में एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ के विद्यार्थियों द्वारा संगोष्ठी में भाग लिया गया व सिरपुर स्थित पुरातात्विक स्थलों व मंदिरों का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। 16 फरवरी 2023 को पी.एस.सी. मुख्य परीक्षा हेतु उत्तर लेखन बाबत् मार्गदर्शन दिया गया। विभाग द्वारा पी.एस.सी. निःशुल्क कोचिंग की संयोजक व इतिहास विभाग डॉ. रीता पाण्डेय, मृणाली चंद्राकर एवं राजदीप साहू द्वारा विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा में उत्तर लेखन हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

डॉ. रीता पाण्डेय
विभागाध्यक्ष (इतिहास)

राष्ट्रीय सेवा योजना : ग्रामीण विकास के लिए युवा मेगा शिविर 2022

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द सकारात्मक सोच के साथ निरंतर उद्देश्यात्मक कार्यों को सफल बनाया जा रहा है। मेगा शिविर 2022 का आयोजन 8 मार्च से 11 मार्च 2022 तक किया गया जिसे सकारात्मक सोच के सफल प्रयोग के रूप में माना गया। प्राचार्य महोदया के उद्बोधन के साथ जिला संगठक के निर्देशानुसार सात ईकाई शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द, शास.खे.ल. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बागबाहरा, शासकीय नवीन महाविद्यालय, चिरको, श्याम बालाजी कॉलेज, इंडियन कॉलेज, श्याम विद्या मंदिर, गुड शेफर्ड स्कूल के सात कार्यक्रम अधिकारी के 230 स्वयं सेवकों द्वारा शिविर दिनचर्या का पालन करते हुए परियोजना कार्य में पंद्रह चबुतरों का निर्माण महाविद्यालय के मुख्य द्वार के दोनों तरफ किया जिसका उद्देश्य सहभीरों को परीक्षा दिलाने साथ आये परियोजना को विश्राम का स्थान प्रदान करना है। वर्ष भर महाविद्यालय में अनेक गतिविधि संचालित होती है जैसे प्रवेश, नामांकन, टी.सी., स्कॉलरशिप आदि में साथ आये परिजनों को विश्राम हेतु स्थान प्रदान करना है। मेगा शिविर 2022 के परियोजना कार्य में हर्बल गार्डन में औषधिय पौधों का पौधारोपण एवं पौधों को संरक्षित कर क्यारियों का निर्माण किया गया। प्रस्तुत किया गया। मेगा शिविर में 25 यूनिट का रक्तदान एवं 65 स्वयं सेवकों का सिकल सेल परीक्षण किया गया। परियोजना कार्य में स्मृति ऑक्सीजोन जिसमें महाविद्यालय स्टाफ द्वारा अपने परिजनों की स्मृति में पौधारोपण किया गया है उसे स्वच्छ करना और संरक्षित करना और ईटों से घेरा बनाना रहा है। परियोजना कार्य में महाविद्यालयीन हॉस्टल की नालियों की निकासी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना रहा है। परियोजना कार्य में भागीरथी स्मृति ओपन जिम का समतली करण करना रहा है। मेगा शिविर 2022 जिसका थीम ग्रामीण विकास के लिए युवा था उसके बौद्धिक सत्र में श्री प्रवीण शुक्ला अधिकारी जिला साइबर क्राइम द्वारा साइबर अपराध से बचाव एवं सुरक्षा की विस्तृत जानकारी दिया गया। श्रीमती ऐश्वर्या शुक्ला व्यवहार न्यायाधीश द्वारा समाज में बढ़ते अपराध की जानकारी देते हुए सुरक्षा एवं न्याय पालिका के विचारों का विस्तृत जानकारी दिया गया। श्रीमती मेघा टेम्भुरकर (ए.एस.पी., महासमुन्द), सुश्री पूजा बंसल (सी.ई.ओ. ज.प. बागबाहरा), डॉ. ए. करीम (सम्माननीय रासेयो सलाहकार), तारिणी चन्द्राकर (आस्था सुमेल संस्था), श्री जितेन्द्र चन्द्राकर (अध्यक्ष, लक्ष्यदूत समिति) द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। श्री सुरेश शुक्ला (विद्वान सेवा परिषद), सुश्री चेतना देसाई (युनीसेफ, रायपुर) द्वारा बाल अधिकार, कुपोषण से संबंधित जानकारी एवं स्वयं सेवकों के प्रश्नों का उचित समाधान दिया। समापन समारोह में सम्माननीय डॉ. केसरी लाल वर्मा कुलपति, पं. रविशंकर वि.वि., रायपुर, डॉ. समरेन्द्र सिंह राज्य सम्पर्क अधिकारी, डॉ. नीता बाजपेयी कार्यक्रम समन्वयक, श्रीमती उषा विदानी, श्रीमती किरण पुलहरे सरपंच ग्राम मचेवा मंचस्थ अतिथि के रूप विराज कर मेगा शिविर में उपस्थित स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन किया।

डॉ. मालती तिवारी
रासेयो जिला संगठक
जिला महासमुन्द

क्रीड़ा विभाग - गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

सत्र 2022-23 में दिनांक 29/12/2022 तक आयोजित अंतर महाविद्यालय एवं सेक्टर स्तरीय प्रतियोगिताएँ (शास. महाप्र. वल्ल. स्ना. महाविद्यालय, महासमुन्द) सेक्टर स्तरीय फुटबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता - 10/10/2022 सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता - 14/11/2022 अंतरमहाविद्यालयीन के खिलाड़ीयों बॉल बैडमिंटन (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता - 19/12/2022

इस सत्र महाविद्यालय के खिलाड़ीयों द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ

सेक्टर स्तरीय बास्केटबॉल (पुरूष) प्रतियोगिता - विजेता, सेक्टर स्तरीय कबड्डी (पुरूष) प्रतियोगिता - विजेता, अंतर महाविद्यालयीन बॉल बैडमिंटन (महिला/पुरूष) - उपविजेता, सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता - राजनारायण झारे (गोला फेंक, तवा फेंक) - द्वितीय शिवम् चन्द्राकर (भाला फेंक) - प्रथम, हिम्मत लाल (400 मी. दौड़) - प्रथम, अभिषेक (पैदल चाल) - प्रथम, केमिन दीवान (गोला, तवा फेंक) - प्रथम, डोमन (1500 मी. दौड़) - द्वितीय, जगदीश (भाला फेंक) - द्वितीय, सेक्टर स्तरीय शतरंज (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता - अखिलेश - प्रथम, सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता - केमिन दीवान (गोला फेंक) - प्रथम, (तवा फेंक) - तृतीय

महाविद्यालय के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित खिलाड़ीयों की सूची

राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता - भावेश रामटेके, नितेश पुतलहरे, ओमकार, स्वप्नील चन्द्राकर, गौरव सेन, कबड्डी (पुरूष) - हुमेश्वर ध्रुव, चन्द्रकुमार, कबड्डी (महिला) - केमिन दीवान, बास्केटबॉल (पुरूष) - लालू सोनवानी, चतन सिंह, डिगेश नेताम, कुलेश्वर चन्द्राकर, राहुल, बास्केटबॉल (महिला) - हेमा साहू, बैडमिंटन (महिला) - चांदनी साहू, वालीबॉल (पुरूष) - रितिक टण्डन, एथलेटिक्स (महिला/पुरूष) - केमिन दीवान, राजनारायण झारे, शिवम् चन्द्राकर, हिम्मत लाल, अभिषेक निर्मलकर, शतरंज (महिला / पुरूष) - शीतल साहू, अखिलेश

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित खिलाड़ीयों की सूची

हैण्ड बॉल (महिला) - अनुष्का मोटघरे, वंशिका सिन्हा, गीता शिवनकर, हीरा ध्रुव, नेहा, बेनजीर खान, प्रेमा, धनेश्वरी, हेमा साहू, पूजा साहू, हैण्डबॉल (पुरूष) - धनंजय चेलक, कौनेन अहमद, मोनू सिंह, आदित्य, जयचंद दास, हिमांशु साहू, कबीर अहमद, आदित्य साहू, सिब्तैन रजा, सकलैन अहमद, कुलेश्वर चन्द्राकर, लालू सोनवानी, रोशन यादव, त्रिवेन्द्र यादव

पूर्वी क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु महाविद्यालय के खिलाड़ीयों का चयन -

हॉकी (महिला/पुरूष) - हर्षिता कन्नौजे - बी.एससी (तृतीय सेमेस्टर), दिव्या राजपूत - बी.ए (तृतीय सेमेस्टर), सचिन - एम.ए (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्वी अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ीयों का चयन -

ताइक्वांडो (पुरूष) - राजनारायण झारे - योगा, हिमांशु साहू - पी.जी.डी.सी.ए., बॉल बैडमिंटन (पुरूष) - मुरली - बी.ए. (तृतीय सेमेस्टर) निलेश - एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर)

दिलीप कुमार लहरे
(विभागाध्यक्ष, क्रीड़ा विभाग)

राष्ट्रीय सेवा योजना - पुरूष इकाई - प्रतिवेदन (2022-23)

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोर महाविद्यालय, महासमुंद छ.ग. की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई विगत 43 वर्षों से संचालित है। सत्र 2022-23 में प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल एवं डॉ. मालती तिवारी जिला संगठक रासेयो जिला महासमुन्द के निर्देशन व श्री अजय कुमार राजा कार्यक्रम अधिकारी रासेयो पुरूष इकाई के मार्गदर्शन में रासेयो स्वयंसेवक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है। उल्लेखनीय है, कि इस वर्ष राज्य स्तरीय सात दिवसीय शिविर के समापन समारोह में दिनांक 03 फरवरी 2023 को रासेयो राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में श्री अजय कुमार राजा कार्यक्रम अधिकारी, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद को छत्तीसगढ़ राज्य के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी का पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र व 11 हजार रूपये की नगद राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है की विगत वर्ष 2021 में इस इकाई को छत्तीसगढ़ राज्य की सर्वश्रेष्ठ रासेयो संस्था का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। रासेयो स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर शिविरों में छ.ग. राज्य, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है जिसमें राष्ट्रीय एकता शिविर श्री रामचंद्र योगाश्रम अमलेश्वर रायपुर, छ.ग. में दिनांक 21 से 27 मई 2022 तक स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू एवं खेमराज यदु की सहभागिता। राष्ट्रीय एकता शिविर अहमदाबाद, गुजरात में दिनांक 27 जुन से 03 जुलाई 2022 तक स्वयंसेवक ऋषभ राजपूत एवं भूपेश साहू की सहभागिता। राज्य स्तरीय 3 दिवसीय चिंतन शिविर महामाया मंदिर परिसर रतनपुर, बिलासपुर में दिनांक 23 से 25 जुलाई 2022 तक स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू की सहभागिता। राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम हुबली कर्नाटक में दिनांक 12 से 16 जनवरी 2023 तक स्वयंसेवक गोपी सिन्हा की सहभागिता। राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर कृष्णा महाविद्यालय दुर्ग में दिनांक 28 जनवरी से 03 फरवरी 2023 तक स्वयंसेवक रोहित ढीमर की सहभागिता रही। उल्लेखनीय है, कि रासेयो स्वयंसेवकों का मुख्य रूप से रक्तदान कार्य में भी विशेष सहयोग रहा है, स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न रक्तदान शिविरों में, स्वयं या परिजनों के जन्मदिवस के अवसर पर अथवा जिला ब्लड बैंक से जानकारी मिलने पर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया जाता है. इस वर्ष अब तक कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों द्वारा कुल 65 यूनिट रक्तदान किया गया है। उल्लेखनीय है, कि रासेयो स्वयंसेवकों ने मतदाता जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन - पौधारोपण, पोषण अभियान, बाल सुरक्षा एवं बाल अधिकार हेतु जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान, डेंगु एवं मलेरिया उन्मूलन अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान सहित विभिन्न जागरूकता अभियान में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला अस्पताल एवं नगर पालिका को निरंतर सहयोग प्रदान कर रहें है। उल्लेखनीय है, कि रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को प्रवेश संबंधी, छात्रवृत्ति से संबंधित, परीक्षा फार्म संबंधी कार्यों में सहायता प्रदान करने हेतु हेल्पडेस्क का संचालन भी किया जाता है।

प्रो. अजय कुमार राजा
कार्यक्रम अधिकारी
रासेयो पुरूष इकाई

एन.सी.सी. – राष्ट्रभक्ति की ओर अग्रसर

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द में NCC कम्पनी 3/B की स्थापना 15 जुलाई 1971 को हुई। जिसमें कुल 54 सीट आबंटित है। सत्र 2022-23 में प्रथम वर्ष में नव प्रवेशित 21 कैडेट्स जिसमें 15 एस.डी. और 06 एस.डब्लू. कैडेट्स प्रवेश लिए। इसी प्रकार द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में 16 (10 एस.डी. और 06 एस.डब्लू.) और 17 (12 एस.डी. और 05 एस.डब्लू) कैडेट्स हैं। एन.सी.सी. अधिकारी के रूप में वर्ष भर में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ संचालित करायी जाती है - महाविद्यालय एन.सी.सी. 27 सीजी बटालियन रायपुर के अंतर्गत आता है।

गतिविधियाँ - 31 मई 2022 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कैडेटों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें जन जागरूक करने एवं इससे होने वाले दुष्प्रभाव व इसका सेवन न करने का संदेश दिया गया। एन.सी.सी. कैडेट्स सुमन कुमार को गणतंत्र दिवस परेड में डिकेट-2 और वाय.ई.पी. चयन शिविर में शामिल होने पर बटालियन द्वारा बेस्ट कैडेट का अवार्ड दिया गया। ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर पौधारोपण किया गया, एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। एन.सी.सी. कैडेट लक्ष्मी पटेल द्वारा 17 जून से 27 जून 2022 तक आयोजित ''हिमाचल प्रदेश ट्रैकिंग'' में भाग लिया गया। 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें योग को अपने जीवन में आत्मसात करने की शपथ ली गयी। 13 अगस्त 2022 को ''हर घर झंडा'' कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेटों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता हेतु रैली निकाली गयी। 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस समारोह में महाविद्यालय के कुल 28 कैडेटों ने मार्च पास्ट किया। इस आयोजन में ''परेड गैरसशस्त्र बल समूह'' के अंतर्गत महाविद्यालय के कैडेटों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 18 अगस्त 2022 को शासन द्वारा चलाए गए। कोविड वैक्सीन अभियान में एन.सी.सी. कैडेट वालण्टियर के रूप में सक्रिय रूप से भूमिका निभाए। 22 अगस्त 2022 को एन.सी.सी. प्रथम वर्ष के लिए महाविद्यालय में भौतिक परीक्षण एवं साक्षात्कार उपरांत कैडेट्स का चयन किया गया। एन.सी.सी. कैडेट कु. दिव्या दीवान को छ.ग. एवं म.प्र. का प्रतिनिधित्व दिल्ली में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर'' के तहत अवसर मिला। जिसमें उन्होंने छ.ग. की मुड़िया जनजाति का प्रतिनिधित्व किया। 19 सितम्बर को एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा ''पुनीत सागर अभियान'' चलाया गया। जिसमें ग्राम तुमाडबरी के तालाबों की साफ-सफाई का कार्य किया गया, तथा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। महाविद्यालय में एन.सी.सी. कैडेटों को पूर्व सैनिकों द्वारा अग्निवीर योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। एन.सी.सी. कैडेट तरूण बंजारे का ऑल इण्डिया थल सेना शिविर दिल्ली के लिए चयन किया गया। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर - लखौली आरंग में दिनांक 07/11/2022 से 14/11/2022 तक आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय के कुल 22 कैडेट्स अपनी सक्रिय सहभागिता दिए। जिसमें कैडेटों को रायफल चलाना, ड्रिल, गार्ड ऑफ ऑनर तथा विभिन्न सांस्कृति, साहित्यिक गतिविधियाँ करायी गई। 27 नवम्बर 2022 को महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स, एन.सी.सी. दिवस पर ''कस्तूरबा गाँधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट बेलसोंडा'' में उपस्थित होकर वहाँ परिसर की सफाई, पौधारोपण किए, तथा नक्सल प्रभावित परिवार से आए बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया। 01 दिसम्बर 2022 को ''विश्व एड्स दिवस'' पर एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर रैली निकाला गया, तथा जागरूकता अभियान चलाया गया। 16 दिसम्बर 2022 को ''विजय दिवस'' के अवसर पर ''शहीद स्मारक'' महासमुंद में मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर आशीष कुमार दास, ग्रुप कमाण्डर एन.सी.सी. छत्तीसगढ़ उपस्थित हुए। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के कैडेट सुमन कुमार का चयन गणतंत्र दिवस परेड दिल्ली के लिए हुआ। जिसमें बटालियन एवं महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ। महाविद्यालय के एन.सी.सी. के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के बच्चों का ''बी'' एवं ''सी'' सर्टीफिकेट परीक्षा का आयोजन हुआ। परीक्षा केन्द्र शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर में परीक्षक के रूप में कार्य किया गया। ''सी'' सर्टीफिकेट परीक्षा का मूल्यांकन कार्य ग्रुप मुख्यालय रायपुर में संपन्न कराया गया।

प्रदीप कन्हेर
एन.सी.सी. अधिकारी

गणित विभाग – प्रतिवेदन सत्र 2022-23

स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में गणित विषय का अध्यापन 1983-84 से किया जा रहा है एवं स्नातकोत्तर विषय का अध्यापन सत्र 2014-15 से किया जा रहा है। शासन द्वारा प्राध्यापक हेतु 01 पद स्वीकृत है एवं 02 पद सहायक प्राध्यापक हेतु स्वीकृत है। वर्तमान में विभागाध्यक्ष के रूप में श्री मनीराम धीवर सहायक प्राध्यापक भौतिकशास्त्र पदस्थ हैं। वर्तमान में दीप्ति पटेल, गौरव सोनी तथा कविता भवालकर अतिथि व्याख्याता गणित के पद पर कार्यरत हैं। एम.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर में 44 विद्यार्थी पंजीकृत हैं, एवं तृतीय सेमेस्टर में 45 विद्यार्थी पंजीकृत है। विभाग के विद्यार्थी अध्ययन, क्रीड़ा एवं अन्य महाविद्यालय गतिविधियों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते है। सत्र 2022-23 में गणित विभाग की उपलब्धियाँ निम्नानुसार रही है - अक्टूबर (18/10/2022) - गणित परिषद का मनोनय किया गया जिसमें अध्यक्ष - गीतांजली देवांगन, उपाध्यक्ष - रोहित धृतलहरे, सचिव - होमेश कुमार साहू, सह सचिव - पिंकी साहू तथा कार्यकारिणी सदस्य में हितेश, ओमप्रकाश, गुंजा साहू, ज्योति, उत्तम कुमार नन्दे, जयश्री चन्द्रा, कृतिदेवांगन, श्वेता निशाल, रीना साहू, पद्मिनी साहू, शीतिन खान, ज्योति साहू, हिमाद्री पटेल, ममता नायक, भनेश्वर तारक, राकेश सेन तथा रिंकी दुबे को सर्व सम्मति से मनोनित किया गया। नवम्बर (05/11/2022) - विभागीय सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें एम.एस.सी. प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों ने गणित के विभिन्न विषयों में अपना सेमीनार प्रस्तुत किया। दिसम्बर (22/12/2022) - विभाग में गणित दिवस का आयोजन किया गया जिसमें यू.जी. तथा पी.जी. के सभी विद्यार्थियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। फरवरी (28/02/2023) - विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के सभी विद्यार्थियों ने आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। जिसमें एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर का छात्रा कु. गीतांजली देवांगन ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसे स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रो. मनीराम धीवर
विभागाध्यक्ष (गणित)

महाविद्यालय कन्या छात्रावास

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद के कन्या छात्रावास का निर्माण लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क) के द्वारा किया गया है जिसका विधिवत उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिनांक 16.07.2005 को किया गया। उक्त कन्या छात्रावास के भूतल में 15 कमरा, 01 हॉल (भोजन कक्ष) 01 किचन रूम, स्टोर रूम, 06 बाथरूम, 06 प्रसाधन कक्ष उपलब्ध है। प्रथम तल में 13 कमरा, 01 हॉल, 04 बाथरूम, 04 प्रसाधन कक्ष उपलब्ध है। सभी कक्षों में टेबल कुर्सी व पलंग उपलब्ध है। छात्रावास अधीक्षक तथा भृत्य (चौकीदार) के लिये आवास उपलब्ध है। कन्या छात्रावास 60 छात्राओं हेतु भवन उपलब्ध है। छात्रावास के संचालन हेतु शासन द्वारा स्वीकृत पद निम्नानुसार है - छात्रावास अधीक्षक का 01 पद, भृत्य 02 पद, स्वच्छक 01 पद तथा स्वच्छक 01 पद (कलेक्टर दर अंशकालीन) छात्रावास का संचालन - वर्तमान में कन्या छात्रावास का संचालन जनभागीदारी के सहयोग से एवं छात्राओं से प्राप्त शुल्क के माध्यम से छात्रावास का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में छात्रावास में 18 छात्राएँ निवासरत हैं।

प्रो. सरस्वती सेठ
सहायक प्राध्यापक

भौतिक शास्त्र विभाग – प्रगति की ओर अग्रसर

भौतिकशास्त्र-विभाग में सहायक प्राध्यापक के तीन पद स्वीकृत है जिसमें दो नियमित सहायक कार्य है। तकनीशियन का जगदीश कुमार सत्यम् व एक अतिथि व्याख्याता कु. डाकेश्वरी साहू एक पद स्वीकृत है जिसमें जनभागीदारी समिति से अनुराग सोनी कार्यरत है व प्रयोगशाला परिचारक का दो पद स्वीकृत है जिसमें जनभागीदारी समिति से श्री हरिचंद निषाद व कु. नीलम ध्रुव कार्यरत है। सत्र 2024-22 में भौतिकशास्त्र-विभाग में बी.एससी प्रथम वर्ष में 135 नियमित व 50 अमहाविद्यालयीन कुल 185, बी.एससी द्वितीय वर्ष में 124 नियमित व 29 अमहाविद्यालयीन कुल 153 तथा बी.एससी तृतीय वर्ष में 138 नियमित व 37 अमहाविद्यालयीन कुल 175 कुल 543 छात्र, छात्राओं का प्रायोगिक कार्य सम्पादित कराया गया। प्रायोगिक कार्य प्रातः 10:30 से 12:00 बजे तक व शाम 3:00 से 5:30 बजे तक प्रत्येक दिन नियमित छात्र/छात्राओं का प्रायोगिक कार्य करवाया तथा दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक अमहाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं का करवाया जाता है। भौतिकशास्त्र प्रायोगिक परीक्षा 2022 दिनांक 11/03/2022 से 15/03/2022 के बीच बाह्य परीक्षक श्री डॉ. रामपति पटेल सहायक प्राध्यापक भौतिकी, की उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया। जनभागीदारी समिति फंड से लगभग रू. 70 हजार का आवश्यक के उपकरणों की खरीदी की गयी। भौतिकशास्त्र परिषद का गठन किया गया। सत्र आम मासिक परीक्षा, तिमाही परीक्षा, छःमाही परीक्षा व प्री फाईनल परीक्षा ली गई। बी.एससी गणित समूह द्वारा प्रयोगशाला को साफ-सफाई की गई। सत्र 2024-22 में भौतिकशास्त्र-विभाग में एम.एससी 1 सेम. में 19 व एम.एस.सी. 3 सेम. में 17 कुल 36 छात्र/छात्राओं का प्रायोगिक कार्य दोपहर 2:00 बजे से 5:30 बजे तक प्रत्येक दिन नियमित छात्र/छात्राओं का प्रायोगिक कार्य सम्पादित कराया गया। भौतिकशास्त्र परिषद का गठन किया गया। भौतिकशास्त्र प्रायोगिक परीक्षा 2022 दिनांक 18/02/2022 से 22/02/2022 के बीच बाह्य परीक्षक श्रीमती डॉ. नीतू सिंह सहायक प्राध्यापक व श्री डॉ. नंद कुमार चक्रधारी सहायक प्राध्यापक भौतिकी के उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया। विज्ञान दिवस दिनांक 28/02/2022 को भौतिकशास्त्र-विभाग द्वारा मनाया गया। जिसमें एम.एससी के दोनो सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रति वर्ष एम.एस.सी. के दोनो सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा सेमीनार दिया जाता है।

दिनांक 17/04/2023

श्री मनीराम धीवर
विभागाध्यक्ष
भौतिक शास्त्र

महाविद्यालय का वनस्पति शास्त्र विभाग

विज्ञान क्लब के द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम - विज्ञान क्लब के द्वारा अंतराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल एवं संकाय अध्यक्ष श्रीमती करूणा दुबे के गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं कार्यक्रम का संचालन ड. ई. पी. चेलक द्वारा किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा में सहभागिता - स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत कक्ष क्रमांक 06, 07 08 एवं 09 को छात्र-छात्राओं के सहयोग से स्वच्छ किया गया। स्वच्छता हेतु विभिन्न कक्षाओं में स्वच्छता के जागरूकता हेतु हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर कार्यक्रम को पूर्ण किया। स्वच्छता अभियान- एम.एस.सी प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर वनस्पति शास्त्र के छात्र-छात्राओं द्वारा कैंपस एवं लैब में स्वच्छता अभियान चलाया गया। ICT का उपयोग - छात्र-छात्राओं को (स्मार्टक्लास) कक्ष के अंतर्गत प्रोजेक्टर, चार्ट एवं ग्रीन बोर्ड के माध्यम से पढ़ाई करायी जा रही है। आंतरिक मूल्यांकन - यूनिट परीक्षा, त्रैमासिक परीक्षा, अर्धवार्षिक परीक्षा एवं प्री फाइनल परीक्षा संपन्न करायी जा चुकी है। छात्र-छात्राओं को विषय के टॉपिक वितरण कर सेमिनार का आयोजन भी कराया जा रहा है तथा छात्र-छात्राओं का शंका समाधान किया जा रहा है। कैरियर गाइडेंस - IQAC के तत्वधान में गठित रोजगार परामर्श एवं निर्देशन प्रकोष्ठ के द्वारा विद्यार्थी उन्नयन एवं संवर्धन हेतु रोजगार परामर्श एवं निर्देशन का कार्य किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत राज्यशासन एवं केन्द्रशासन के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर निकलने वाली भर्ती विज्ञापनों की जानकारी समाचार पत्र एवं अन्य माध्यमों के द्वारा छात्र-छात्राओं तक पहुंचाया गया तथा छात्र-छात्राओं की योग्यता एवं विज्ञापन के अनुसार विशेष मार्गदर्शन दिया जा रहा है। बाटनिकल सोसायटी का गठन - बाटनिकल सोसायटी के द्वारा औषधीय पौधों पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं एक दिवसीय स्थानीय पर्यावरण का शैक्षणिक भ्रमण एवं अध्ययन हेतु ग्राम मचेवा के विभिन्न जलाशय एवं खेतो में लगी फसलो का अध्ययन किया गया। पर्यावरण संरक्षण समिति - पर्यावरण संरक्षण समिति के द्वारा महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु ध्वनि एवं वायु प्रदुषण के दुष्प्रभाव एवं रोकथाम विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजक - स्कूल/कॉलेज में मीलेट फसल पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन क्र. 487/2023 महासमुंद दिनांक 22.03.2023। मुख्य वक्ता - विज्ञान संकाय में शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम। कैरियर गाइडेंस प्रभारी - Personality Development Workshop 31/01/2023। मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक - कला संकाय में वि.वि. परीक्षा की तैयारी एवं उत्तर लेखन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 12/12/2022। विश्वविद्यालयीन परीक्षा की तैयारी पर व्याख्यान विज्ञान संकाय - इस विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय से छात्र-छात्राओं को प्रोजेक्टर का उपयोग करते हुए पूर्व में हल किये हुए मॉडल उत्तर पुस्तिकाओं, आरेख, डायग्राम, फॉर्मूला आदि का प्रदर्शन किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को उत्तर पुस्तिका कैसे लिखे विषय पर यूनिटवार, दिये गये प्रश्नानुसार जानकारी दी गई एवं अनावश्यक पूरक उत्तर पुस्तिका नहीं लेने की सलाह दी तथा परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन को महत्वपूर्ण बताया। मुख्य कथानक पारिस्थि - राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2022 में अभिप्रेरणा विचार प्रस्तुति 28/10/2022 जिला स्तरीय प्रदर्शनीय एवं प्रदर्श योजना (इस्पायर अवार्ड) में निर्णायकमंडल मनोनीत किया गया।

डॉ. ई.पी. चेलक
विभागाध्यक्ष (वनस्पति शास्त्र)

* निराशा के आगे जीत है *

एक किसान दिन रात मेहनत करके ही दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर पाता था। ये किसान एक सेठ के यहाँ काम करता था, लेकिन एक दिन इस सेठ ने किसान को गुस्सा होकर इसे अपने यहाँ से निकाल दिया और उसे दिए गए खेतों को वापस छीन लिया। ये किसान काफी दुखी हो गया और इस सोच में पड़ गया कि आखिर ये कैसे दो वक्त की रोटी जोड़ पाएगा। इस किसान का घर बेहद ही छोटा था और घर के आसपास थोड़ी सी ही जमीन थी। जिसमे जंगली घास उग रही थी। सेठ के यहाँ से निकाले जाने के गम में ये किसान रोज चुपचाप बैठा रहता था और यहीं सोचता था कि आखिर कैसे पैसे कमाए जाए। तभी एक दिन इस किसान के घर एक माली आया। माली ने किसान को काफी दुखी देखा और उससे कारण पूछा। किसान ने बताया कि वो सेठ के यहाँ काम करता था। मगर सेठ ने उसे निकाल दिया है। उसके पास कोई भी काम नहीं बचा है। तब माली ने किसान के घर को अच्छे से देखा और उससे पूछा, तुम्हारे घर के आसपास ये जो जमीन है किसकी है। किसान ने कहा यह जमीन मेरी है। माली ने किसान से बोला तो तुम इस जमीन पर खेती क्यों नहीं करते हो। किसान ने दुखी होकर बोला ये बहुत ही थोड़ी सी जमीन है और इस पर ज्यादा अनाज नहीं उग सकेगा। तब माली ने किसान से कहा कि अगर इस जमीन में ज्यादा अनाज नहीं उगा सकता है, तो तुम इस पर सब्जी उगा दो। सब्जी उगाने के लिए अधिक जमीन नहीं चाहिए होती है और थोड़ी सी जमीन पर अच्छी खासी सब्जी उग जाती है। सब्जी उगाकर तुम उसे रोज बाजार में बेचकर पैसे कमा सकते हो। माली की बात को मानते हुए किसान ने अपनी थोड़ी सी जमीन पर कई प्रकार की सब्जियाँ उगा ली और कुछ ही महिनों में ये सब्जियाँ बेचने के लायक हो गई। किसान ने सब्जियों को बाजार में जाकर बेचा तो पाया कि उसे इन सब्जियों के लिए जो दाम मिले वो सेठ के यहाँ मिलने वाली वेतन से काफी अधिक था। किसान को काफी खुशी हुई और उसने अपनी जमीन पर सब्जी उगाने का काम शुरू कर दिया। इस तरह से किसान कुछ ही सालों में एक जमीनदार बन गया और उसने पैसे कमाकर और जगह भी जमीन खरीद ली और वहाँ पर भी सब्जी उगाने का व्यापार शुरू कर दिया। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि अक्सर हम लोग नौकरी की तलाश में रहते हैं, लेकिन अगर हम चाहें तो खुद से ही अपना व्यापार शुरू कर सकते हैं जैसे कि इस किसान ने सब्जी उगाकर अपना व्यापार शुरू किया, इसलिए बाधा आने पर निराश ना होकर कोई बेहतरीन विकल्प निकालने पर आप जोर दें।

नाम - गौरव पाटकर
कक्षा - बी.कॉम. फाइनल ईयर

* कहानी से मिली सीख *

जीवन में कई बार हमें अचानक से ऐसे अवसर मिल जाते हैं जो हमारी जिंदगी को पूरी तरह से बदल देते है, इसलिए आपके जीवन में भी कभी ऐसा कोई अवसर आए, तो उसे पहचान लें और आसानी से हाथों से जाने न दें।

महाविद्यालय में पी.एस.सी. नि:शुल्क कोचिंग का संचालन

संरक्षक - प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल, डी.लिट्.

डॉ. रीता पाण्डेय
संयोजक

महाविद्यालय में नियोजित पाठ्यक्रम के अध्यापन के अतिरिक्त विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षा हेतु जागरूकता करने दिनांक 16 मार्च 2017 से इतिहास विभाग द्वारा पी.एस.सी. नि:शुल्क कोचिंग का संचालन किया जा रहा है। पी.एस.सी. नि:शुल्क कोचिंग की क्लास प्रत्येक शनिवार को 11:30 से दोपहर 01 बजे विवेकानंद सभागार स्थित पी.एस.सी. नि:शुल्क कोचिंग कक्ष में संचालित होती है। उक्त कोचिंग में, महाविद्यालय समस्त संकाय के विद्यार्थी एवं जिले के कोई भी इच्छुक विद्यार्थी अध्ययन कर सकता है। विद्यार्थियों को पी.एस.सी. पाठ्यक्रम प्रारंभिक मुख्य एवं साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है। साथ ही विद्यार्थियों के लिए विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर अभि प्रेरणात्मक व्याख्यान कराया जाता है। महाविद्यालय में अध्ययन करते करते विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होते हैं। अभी तक अनेक विद्यार्थी पी.एस.सी. की प्रारंभिक परीक्षा दिया चुके हैं। पी.एस.सी. नि:शुल्क कोचिंग समिति की संयोजक-डॉ. रीता पाण्डेय, विभागाध्यक्ष इतिहास सहसंयोजक डॉ. दुर्गावती भारतीय, विभागाध्यक्ष हिन्दी एवं सदस्य श्री अजय कुमार राजा, विभागाध्यक्ष वाणिज्य, श्रीमती सीमा रानी प्रयाल हैं।

समाजशास्त्र विभाग – सामाजिक शिक्षा हेतु संलग्न

स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में समाजशास्त्र विषय का अध्यापन 1965 से किया जा रहा है एवं स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन सत्र 2008-09 से किया जा रहा है। वर्तमान में प्रभारी विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र के रूप में पदस्थ श्री दिलीप कुमार बढ़ाई सहायक प्राध्यापक भूगोल, डॉ. ममता सिरमौर वर्मा अतिथि व्याख्याता, कु. शिवानी तावेरकर सहायक व्याख्याता समाजशास्त्र कार्यरत है। एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में 43 विद्यार्थी पंजीकृत है तथा तृतीय सेमेस्टर समाजशास्त्र में 40 विद्यार्थी पंजीकृत है। विभाग के विद्यार्थी अध्ययन, क्रीड़ा एवं अन्य गतिविधियों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते है। दिसंबर (03/12/2022) - विभाग में डॉ. संजय पंढ़ाकर समाजशास्त्र शासकीय जे. योगानंदम् महाविद्यालय, रायपुर के द्वारा शोध पद्धतिशास्त्र के संबंध में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के आयोजक के रूप में श्री दिलीप कुमार बढ़ाई सहायक प्राध्यापक भूगोल, संचालन डॉ. ममता सिरमौर वर्मा अतिथि व्याख्याता समाजशास्त्र तथा आभार शिवानी तावेरकर सहायक व्याख्याता समाजशास्त्र के द्वारा किया गया। इसमें स्नातकोत्तर के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहें। दिसंबर (13/12/2022) - समाजशास्त्र छात्र परिषद का मनोनयन प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल (डी.लिट्) की अध्यक्षता में, डॉ. मालती तिवारी विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र, डॉ. नीलम अग्रवाल विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र एवं डॉ. ई.पी. वेलक विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र की उपस्थिति में हुआ। जिसमें, अध्यक्ष- तिजेश्वरी साहू, उपाध्यक्ष- किरण जगत, सचिव- खुशबू साहू, सह-सचिव -प्रिया पांडे, कोषाध्यक्ष- पूजा कुर्रे, सांस्कृतिक प्रभारी- सुधा साहू, स्वच्छता प्रभारी- पूर्णिमा साहू (सर्व सम्मति से मनोनित) किया गया। दिसंबर (15/12/2022) - मई-जून 2022 की सेमेस्टर परीक्षा में विभाग के 06 विद्यार्थियों ने पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर की मेरिट सूची में स्थान अर्जित किया है।

प्रो. दिलीप बढ़ाई
विभागाध्यक्ष (भूगोल)

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई गई शपथ

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ ज्योति पांडे द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण दिलाई गई। राष्ट्रीय एकता दिवस को कोविड-19 निर्देशों के अनुसार पूरी सतर्कता बरतते हुए मास्क का प्रयोग, सामाजिक दूरी बनाएं रखते हुए उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। डॉक्टर ए करीम, डॉ रविद्र मिश्रा, करुणा दुबे, एमएस वर्मा, डॉक्टर रीता पांडे, डॉ मालती तिवारी, कार्यक्रम संयोजक एवं जिला संगठन महासमुंद डॉ सी खलको, डॉ पी चेलक, एमआर धीवर, अजय कुमार राजा, राजेश्वरी सोनी, सीमा प्रधान, सरस्वती सेठ, एसआर मन्नाडे, मनोज शर्मा, वेद देवांगन, कुंदन देवांगन सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

3G 4G 08:10 ··· VoLTE2 43

Haribhoomi

...हीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन

नर्रा में स्थाई समिति...

...पति रामेश्वर को ...र्ताओं ने दी बधाई

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई गई शपथ

दीपावली के ... रुपए एडवां...

नए कानून की आड़ में चंद उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है मोदी सरकार : सिन्हा

... के साथ लोगों पर पड़ रही महंगाई की दोहरी मार

...मों ने बिगाड़ा किचन का बजट

दीपावली के उपरांत ही ...

त्योहारी सीजन में रंगाई ... के लिए नहीं मिल रहे ...

Make Shopping Easier
BAJAJFINSERV.IN
Learn More

पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता की दिलाई गई शपथ

शपथ लेते हुए अधिकारी-कर्मचारी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. लाल्कीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में 31 अक्टूबर 2020 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडे द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ दिलाई गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस को कोविड-19 निर्देशों के अनुसार पूरी सतर्कता बरतते हुए मास्क का प्रयोग, सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. ए करीम, डॉ. रविंद्र मिश्रा, करुणा दुबे, एमएस वर्मा, डॉ. रीता पांडे, डॉ. मालती तिवारी, कार्यक्रम संयोजक एवं जिला संगठन महासमुंद डॉ. सी खलखो, डॉ. पी चेलक, एमआर धीवर, अजय कुमार राजा, राजेश्वरी सोनी, सीमा प्रधान, सरस्वती सेठ, एसआर मत्रा डे, मनोज शर्मा, वेद देवांगन, वृंदन देवांगन सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सिटी हाइपर एंकर

सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का किया स्मरण

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पटेल के योगदान पर लगाई गई प्रदर्शनी

महासमुंद @ पत्रिका. *महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर ऑफ द आर्ट्स एवं इंडियन कौंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई।*

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवनी एवं देश के एकीकरण पर उनके अमूल्य योगदान पर देशभक्ति गीत भाषण एवं व्याख्यान भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि नारायण नामदेव थे। मंचासीन सभी अतिथियों और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ ली गई। सर्वप्रथम यूजीसी संयोजक प्रो करुणा दुबे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवनी और योगदान पर लगाए गए प्रदर्शनी के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शक्ति को प्रतिबिंबित करती है। देश की आजादी एवं एकीकरण में सरदार पटेल के योगदान को हमें नहीं भूलना चाहिए। देश की सुरक्षा में समर्पित भाव से योगदान देना चाहिए। मुख्य अतिथि ने कहा कि अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता। एकता में ही शक्ति है। भारत मे अनेकता होते हुए भी सभी एकता के सूत्र में बंधे हैं। यही हमारे राष्ट्र की विशेषता है। अध्यक्ष डॉ. अनुसुईया अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में बताया कि सरदार पटेल महान विभूति होने के पश्चात भी जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़े थे। इतिहास विभागाध्यक्ष और यूजीसी की सह संयोजक डॉ. रीता पांडेय द्वारा सरदार वल्लभ भाई की जीवनी पर देश के एकीकरण के योगदान में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। लौह पुरुष एकीकरण के शिल्पी एवं बिस्मार्क क्यों कहा जाता है, इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। भीमेश्वरी साहू बीएससी तृतीय वर्ष के द्वारा देशभक्ति गीत, यामिनी पटेल एवं गीतांजलि डड़सेना एमएससी तृतीय सेमेस्टर रसायन शास्त्र द्वारा भाषण दिया गया। कार्यक्रम का समापन बोधिता निषाद द्वारा राष्ट्रगान से किया गया।

छात्रों को किया प्रेरित

इंडियन कॉलेज ऑफ एजुकेशन बेलसोंडा में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय स्तर पर गीत, भाषण, कविता का आयोजन किया गया। गीत, भाषण, कविता का थीम छत्तीसगढ़ की संस्कृति जिसमें महाविद्यालय के समस्त बीएड, डीएलएड, पीजीडीसीए, डीसीए, पीजी डिप्लोमा इन योगा, बीए, बीकॉम के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्राचार्या डॉ. एस बन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ की महत्ता को बताते हुए छत्तीसगढ़ की कला, कृति, संस्कृति को समझने और इसे सुरक्षित रखने पर प्रकाश डाला। मुरली बन्द्राकर ने संस्कृति, एकता, अखण्डता के लिए समस्त छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया।

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera

Govt. M.V.P.G. College Mahasamund
NATIONAL UNITY DAY

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera

योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक स्वास्थ्य सुधार के साथ बढ़ती है संतुलन एकाग्रता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में योग विभाग व रासेयो इकाई के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ ज्योति पांडेय के निर्देशानुसार योगा फॉर ह्यूमैनिटी थीम पर आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम प्रातः 6:40 को प्रधानमंत्री का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संदेश वाचन को विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ को सुनाया गया।

सरस्वती सेठ प्रभारी योग विभाग ने योग के लाभ को बताते हुए कहा कि हम प्रतिवर्ष 21 जून को ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में क्यों मनाते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर अजय कुमार राजा ने बताया कि योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक, भावात्मक स्वास्थ्य के सुधार के साथ-साथ संतुलन एकाग्रता जैसी क्षमताएं विकसित कर सकते हैं। इस अवसर पर योग शिक्षिका कुमारी रुकमणी साहू एवं योग विद्यार्थी तोरण यादव ने योग के विभिन्न प्राणायाम एवम आसनों जैसे ताड़ासन, मंडूकासन, भुजंगासन मकरासन, शवासन आदि के बारे में अभ्यास कराते हुए इनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। योगाभ्यास के दौरान रुकमणी साहू ने यह भी बताया कि अभ्यासों में नियमितता होनी आवश्यक है। हमें प्रत्येक अभ्यास ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करनी चाहिए। योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिकी, डॉक्टर वैशाली गौतम हिरवे विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, राजेश्वरी सोनी रासेयो कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई, अजय देवांगन विभागाध्यक्ष कंप्यूटर विभाग, आशुतोष गोस्वामी दिलीप बढ़ाई, दिलीप लहरे क्रीडा अधिकारी, शेष नारायण साहू, राजेश शर्मा, राकेश जांगड़े, कपिल पेनद्रिया, मुकेश पेनद्रिया, एनएसएस एवं योग विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक स्वास्थ्य सुधार के साथ बढ़ती है संतुलन एकाग्रता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में योग विभाग व रासेयो इकाई के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ ज्योति पांडेय के निर्देशानुसार योगा फॉर ह्यूमैनिटी थीम पर आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम प्रातः 6:40 को प्रधानमंत्री का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संदेश वाचन को विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ को सुनाया गया।

सरस्वती सेठ प्रभारी योग विभाग ने योग के लाभ को बताते हुए कहा कि हम प्रतिवर्ष 21 जून को ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में क्यों मनाते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर अजय कुमार राजा ने बताया कि योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक, भावात्मक स्वास्थ्य के सुधार के साथ-साथ संतुलन एकाग्रता जैसी क्षमताएं विकसित कर सकते हैं। इस अवसर पर योग शिक्षिका कुमारी रुकमणी साहू एवं योग विद्यार्थी तोरण यादव ने योग के विभिन्न प्राणायाम एवम आसनों जैसे ताड़ासन, मंडूकासन, भुजंगासन मकरासन, शवासन आदि के बारे में अभ्यास कराते हुए इनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। योगाभ्यास के दौरान रुकमणी साहू ने यह भी बताया कि अभ्यासों में नियमितता होनी आवश्यक है। हमें प्रत्येक अभ्यास ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करनी चाहिए। योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिकी, डॉक्टर वैशाली गौतम हिरवे विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, राजेश्वरी सोनी रासेयो कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई, अजय देवांगन विभागाध्यक्ष कंप्यूटर विभाग, आशुतोष गोस्वामी दिलीप बढ़ाई, दिलीप लहरे क्रीडा अधिकारी, शेष नारायण साहू, राजेश शर्मा, राकेश जांगड़े, कपिल पेनद्रिया, मुकेश पेनद्रिया, एनएसएस एवं योग विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

3:15

हरिभूमि
रायपुर - महासमुंद भूमि
8 Nov 2022

नही होने पर पुलिस द्वारा उक्त अज्ञात शव को पोस्टमार्टम पश्चात अंतिम संस्कार के लिए मुक्तिधाम सेवा समिति को सौंपा गया था।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोमाखान अध्यक्ष संतोष पटेल ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। मंडी अध्यक्ष चन्द्राकर ने खिलाड़ियों को खेल का महत्व बताया। मुख्य अतिथि यादव ने कहा कि खिलाड़ी जीवन महत्वपूर्ण है, यह समय अनुशासन की देता है। खेल से शरीर भी स्वस्थ रहता है। हमारे छत्तीसगढ़ में तो खेल की परंपरा स

कॉलेज में योग और जुम्बा का निःशुल्क प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल के मार्गदर्शन में क्रीड़ा एवं योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में योग एवं जुम्बा प्रशिक्षण 2 से 07 नवंबर तक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनसुइया अग्रवाल (डी. लिट) उपस्थित थीं। प्राचार्य डॉक्टर अग्रवाल ने कहा कि नियमित रूप से सभी को योग करना चाहिए, जितना ज्यादा हम लोग जुम्बा व्यायाम करेंगे, उतना ही बीमारियों से दूर रहेंगे। क्रीड़ा अधिकारी दिलीप लहरे ने विद्यार्थियों को आग्रह किया कि नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों में भाग ले, जिससे भी शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। योग प्रशिक्षण रुखमणी साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कपिल पेन्दरिया, मुकेश पेन्दरिया, सत्यनारायण दुर्गा समेत लगभग 100 विद्यार्थी मौजूद रहे।

Copy text from image
Share
Edit
Lens
Delete

3:14
शास.महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातको. महाविद्यालय,
महासमुन्द, (छ.ग)
योगा एवं जुम्बा डांस प्रशिक्षण
दिनांक - 02/11/2022 से 07/11/2022
सुबह - 09 बजे
स्थान - शास.महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातको. महाविद्यालय,
महासमुन्द
Copy text from image
Share
Edit
Lens
Delete

सूर्य नमस्कार

योग शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्र 2021-22
षट्कर्म क्रिया
MVPG COLLEGE
YOGA

योग शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्र 2021-22
षट्कर्म क्रिया
MVPG COLLEGE
YOGA

सूर्य नमस्कार
योग शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्र 2021-22
षट्कर्म क्रिया
MVPG COLLEGE
YOGA

सूर्य नमस्कार
योग शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्र 2021-22
षट्कर्म क्रिया
MVPG COLLEGE
YOGA

सूर्य नमस्कार

FITNESS CLASS

ZUMBA

FITNESS

M2
वोटर कार्ड अभी बनवाएँ,
वोट डालकर कर्तव्य निभाएँ।
NSS PG COLLEGE MSMD
REDMI NOTE 9
BY DIGU
2021/12/10 12:06

लोभ लालच से नहीं डरता ।
मैं हूं भारत का भावी मतदाता ।।
NSS ने ठाना है,
आधार लिंक करवाना है।
NSS CAMPUS
Ambassador.

25 Jan 2021 2:19:14 p.m.

मतदाता जागरूकता पर प्रश्नोत्तरी व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में सम्मिलित विद्यार्थी। ●प्रकाशमनी साहू

महासमुंद। (वि.)। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में प्राचार्य डा अनुसुइया अग्रवाल और डा मालती तिवारी जिला स्वीप नोडल अधिकारी के निर्देशन व अजय कुमार राजा महाविद्यालय नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में मतदान जागरूकता हेतु भाषण एवं इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका रहा एवं इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कनुप्रिया साहू बीए प्रथम वर्ष, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वर्षा गजेंद्र बीए प्रथम वर्ष रहे। डा मालती तिवारी द्वारा प्रतियोगिता में चयनित एवं सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भाषण प्रतियोगिता की वक्ता के कमी को किस प्रकार से दूर करना हैं उससे अवगत कराया। महाविद्यालय में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी 18 नवम्बर को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में दोपहर 12 बजे सम्मिलित होंगे।

जिला स्तर पर स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार पुरस्कृत किया जाएगा । इस महाविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय प्राध्यापक सीमारानी प्रधान, राजेश्वरी सोनी, सरस्वती सेठ, केशर चंद्र बनपाल, अजय कुमार मिर्चे, कुसुम चौहान ,वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, महाविद्यालय स्वीप कैम्पस एंबेसडर रोहित ढीमर, शीतल साहू सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

दैनिक भास्कर
महासमुंद 10-11-2022

मतदाता सूची पुनरीक्षण शुरू, नए मतदाताओं को कर रहे जागरूक

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में मौजूद प्रशिक्षक वर्ग व छात्र-छात्राएं।

भास्कर न्यूज | महासमुंद

1 जनवरी 2023 की स्थिति में मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के साथ ही मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शुरू हो गया है। 1 जनवरी 2023, 1 अप्रैल 2023, 1 जुलाई 2023 और 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा अपना नाम जुड़वाने 8 दिसम्बर 2022 तक आवेदन कर सकते हैं।

उनके 18 वर्ष पूर्ण होते ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निलेश कुमार ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि सभी मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 में भागीदारी कर स्वच्छ एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने एवं मतदाता सूची में आधार लिंक करने में सहभागी बनें। इस सिलसिले में बुधवार को महासमुंद जिले के सभी मतदान केंद्रों के साथ ही महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय में मतदाता सूची में युवा मतदाताओं को नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

16 Nov 2022

मतदाता जागरुकता के लिए भाषण एवं क्विज स्पर्धा

भाषण में कनुप्रिया, क्विज में प्रथम वर्षा गजेंद्र

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल एवं डॉ. मालती तिवारी जिला स्वीप नोडल अधिकारी महासमुंद के निर्देशन एवं अजय कुमार राजा महाविद्यालय नोडल अधिकारी स्वीप कार्यक्रम के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरुकता के लिए भाषण एवं इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तर में 14 नवम्बर 2022 को राजनीति विभाग में आयोजित किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका रहा। इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के

छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कनुप्रिया साहू बीए प्रथम वर्ष, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम वर्षा गजेंद्र बीए प्रथम वर्ष रहे। डॉ. मालती तिवारी द्वारा प्रतियोगिता में चयनित एवं सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भाषण प्रतियोगिता की वक्ता के कमी को किस प्रकार से दूर करना हैं उससे अवगत कराया। महाविद्यालय में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी 18 नवम्बर 2022 को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में दोपहर 12 बजे सम्मिलित होंगे। जिला स्तर पर स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापक सीमारानी प्रधान, राजेश्वरी सोनी, सरस्वती सेठ, केशर चंद्र बनपाल, अजय कुमार मिर्चे, कुसुम चौहान, वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, महाविद्यालय स्वीप कैम्पस एंबेसडर रोहित ढीमर, शीतल साहू सहित 70 छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

16 Nov 2022

मतदाता जागरुकता के लिए भाषण एवं क्विज स्पर्धा

भाषण में कनुप्रिया, क्विज में प्रथम वर्षा गजेंद्र

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल एवं डॉ. मालती तिवारी जिला स्वीप नोडल अधिकारी महासमुंद के निर्देशन एवं अजय कुमार राजा महाविद्यालय नोडल अधिकारी स्वीप कार्यक्रम के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरुकता के लिए भाषण एवं इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तर में 14 नवम्बर 2022 को राजनीति विभाग में आयोजित किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका रहा। इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के

छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कनुप्रिया साहू बीए प्रथम वर्ष, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम वर्षा गजेंद्र बीए प्रथम वर्ष रहे। डॉ. मालती तिवारी द्वारा प्रतियोगिता में चयनित एवं सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भाषण प्रतियोगिता की वक्ता के कमी को किस प्रकार से दूर करना हैं उससे अवगत कराया। महाविद्यालय में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी 18 नवम्बर 2022 को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में दोपहर 12 बजे सम्मिलित होंगे। जिला स्तर पर स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापक सीमारानी प्रधान, राजेश्वरी सोनी, सरस्वती सेठ, केशर चंद्र बनपाल, अजय कुमार मिर्चे, कुसुम चौहान, वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, महाविद्यालय स्वीप कैम्पस एंबेसडर रोहित ढीमर, शीतल साहू सहित 70 छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय भाषण व क्विज प्रतियोगिता में 3 विद्यार्थियों का चयन

महासमुंद। जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय भाषण एवं इलेक्शन क्विज लिखित प्रतियोगिता गत18 नवंबर को शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में हुआ। इस जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में दोनों विधा में महाविद्यालय स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी संभाग स्तर अंतर जिला भाषण एवं इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता में भाषण में कु. डिंपल डड़सेना, इलेक्शन क्विज में उमेंद्र कुमार पटेल व कु. वर्षा गजेंद्र ने महासमुंद जिले का प्रतिनिधित्व किया। संभाग स्तरीय अंतर जिला प्रतियोगिता 25 नवम्बर 2022 को शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय रायपुर, छ.ग. में आयोजित किया गया। इस संभाग स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महासमुंद जिले की कु. डिंपल डड़सेना, प्रतिभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन बालसी सरायपाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता में महासमुंद जिले के उमेंद्र कुमार पटेल, शासकीय नवीन महाविद्यालय चिरको, व कु. वर्षा गजेंद्र , शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद ने संयुक्त रूप से इलेक्शन क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रथम विजेताओं को प्रमाण पत्र व 4500 रूपये पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। संभाग स्तर में चयनित प्रतिभागी राज्य स्तर भाषण एवं इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। चयन पर शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद की प्राचार्या डॉ. अनुसुइया अग्रवाल, रेखराज शर्मा जिला स्वीप सचिव महासमुंद, अजय कुमार राजा महाविद्यालय नोडल अधिकारी, श्रीमती ह्यूमा लिली दीवान प्रभारी प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय चिरको, राजेंद्र चौधरी प्राचार्य प्रतिभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन बालसी सरायपाली, डॉ. रीता पांडेय, श्रीमती सीमारानी प्रधान, डॉ. सरस्वती वर्मा, श्रीमती राजेश्वरी सोनी, श्री तरुण ध्रुव ने हर्ष व्यक्त किया।

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

16 Nov 2022

मतदाता जागरुकता के लिए भाषण एवं क्विज स्पर्धा

भाषण में कनुप्रिया, क्विज में प्रथम वर्षा गजेंद्र

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल एवं डॉ. मालती तिवारी जिला स्वीप नोडल अधिकारी महासमुंद के निर्देशन एवं अजय कुमार राजा महाविद्यालय नोडल अधिकारी स्वीप कार्यक्रम के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरुकता के लिए भाषण एवं इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तर में 14 नवम्बर 2022 को राजनीति विभाग में आयोजित किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय लोकतंत्र के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका रहा। इलेक्शन क्विज (लिखित) प्रतियोगिता में महाविद्यालय के

छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कनुप्रिया साहू बीए प्रथम वर्ष, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम वर्षा गजेंद्र बीए प्रथम वर्ष रहे। डॉ. मालती तिवारी द्वारा प्रतियोगिता में चयनित एवं सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भाषण प्रतियोगिता की वक्ता के कमी को किस प्रकार से दूर करना हैं उससे अवगत कराया। महाविद्यालय में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी 18 नवम्बर 2022 को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के स्वामी विवेकानंद सभागार में दोपहर 12 बजे सम्मिलित होंगे। जिला स्तर पर स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को उप जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापक सीमारानी प्रधान, राजेश्वरी सोनी, सरस्वती सेठ, केशर चंद्र बनपाल, अजय कुमार मिर्चे, कुसुम चौहान, वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, महाविद्यालय स्वीप कैम्पस एंबेसडर रोहित ढीमर, शीतल साहू सहित 70 छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जागरूकता कार्यक्रम महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम, मतदान का समझाया महत्व

570 छात्र-छात्राओं ने वोटर लिस्ट में जुड़वाया अपना नाम

महासमुंद (नईदुनिया न्यूज)। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई ने महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए मतदाताओं, जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो चुका है। ऐसे छात्रों का मतदाता परिचय पत्र बनवाना था। इस दौरान महाविद्यालय के बीए, बीकाम और बीएससी के लगभग 570 छात्र-छात्राओं ने वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए आनलाइन फार्म छह भरकर वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड किया। इस एप में सभी का मोबाइल नंबर रजिस्टर किया।

माहाविद्यालय में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के बाद छात्राओं ने हेल्पलाइन एप डाउनलोड किया। ● नईदुनिया

कार्यक्रम में उपस्थित डा. मालती तिवारी ने मतदान के महत्व के बारे में सभी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। हर साल एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर की तिथि में, जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो गया है ऐसे छात्र-छात्रा फार्म छह भरकर मतदाता परिचय पत्र में नाम जुड़वा सकते हैं। कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार राजा ने बताया की हम आनलाइन माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डाट एनवीएसपी डाट इन में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। मोबाइल एप वोटर हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का जानकारी दी।

कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त पत्रानुसार और कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन, जिला संगठक रासेयो जिला महासमुंद व स्वीप नोडल अधिकारी महादमुंद डॉ मालती तिवारी एवं प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुआ। जागरूकता कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, गोपी सिन्हा, मोनिका पटेल, स्वीप कैंपस एंबेसडर रोहित ढीमर व शीतल साहू के साथ साथ पूर्णिमा साहू, मनोज देवांगन, नीलकंठ पटेल, रोशनी राजपूत एवं महाविद्यालयीन छात्र छात्राएं उपस्थिति रहे।

जागरूकता कार्यक्रम महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम, मतदान का समझाया महत्व

570 छात्र-छात्राओं ने वोटर लिस्ट में जुड़वाया अपना नाम

महासमुंद (नईदुनिया न्यूज)। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई ने महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए मतदाताओं, जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो चुका है। ऐसे छात्रों का मतदाता परिचय पत्र बनवाना था। इस दौरान महाविद्यालय के बीए, बीकाम और बीएससी के लगभग 570 छात्र-छात्राओं ने वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए आनलाइन फार्म छह भरकर वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड किया। इस एप में सभी का मोबाइल नंबर रजिस्टर किया।

माहाविद्यालय में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के बाद छात्राओं ने हेल्पलाइन एप डाउनलोड किया। ● नईदुनिया

कार्यक्रम में उपस्थित डा. मालती तिवारी ने मतदान के महत्व के बारे में सभी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। हर साल एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर की तिथि में, जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो गया है ऐसे छात्र-छात्रा फार्म छह भरकर मतदाता परिचय पत्र में नाम जुड़वा सकते हैं। कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार राजा ने बताया की हम आनलाइन माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डाट एनवीएसपी डाट इन में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। मोबाइल एप वोटर हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का जानकारी दी।

कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त पत्रानुसार और कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन, जिला संगठक रासेयो जिला महासमुंद व स्वीप नोडल अधिकारी महादमुंद डॉ मालती तिवारी एवं प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुआ। जागरूकता कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, गोपी सिन्हा, मोनिका पटेल, स्वीप कैंपस एंबेसडर रोहित ढीमर व शीतल साहू के साथ साथ पूर्णिमा साहू, मनोज देवांगन, नीलकंठ पटेल, रोशनी राजपूत एवं महाविद्यालयीन छात्र छात्राएं उपस्थिति रहे।

करें राष्ट्र का जो उत्थान,
करे उसी को हम मतदान.....।
NSS- MAHASAMUND

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

10 Dec 2022

कॉलेज में मतदाता जागरुकता पर हुआ कार्यक्रम

छात्रों को मतदाता परिचय पत्र बनाने दिया गया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से प्राप्त पत्रानुसार एवं कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन, जिला संगठक रासेयो जिला महासमुंद व स्वीप नोडल अधिकारी महादमुंद डॉ. मालती तिवारी एवं प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के मार्गदर्शन में तथा अजय कुमार राजा कार्यक्रम अधिकारी पुरुष इकाई व महाविद्यालय नोडल अधिकारी स्वीप एवं राजेश्वरी सोनी कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई के नेतृत्व में शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद की राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई द्वारा महाविद्यालय में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए मतदाताओं को जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो गया हो ऐसे छात्रों को मतदाता परिचय पत्र बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. मालती तिवारी द्वारा मतदान की महत्व के बारे में सभी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1

अक्टूबर की तिथि में जिनका 18 वर्ष पूर्ण हो गया हो ऐसे छात्र/छात्रा फॉर्म 6 भरकर मतदाता परिचय पत्र में नाम जुड़वा सकते है। अजय कुमार राजा कार्यक्रम अधिकारी पुरुष इकाई ने बताया कि हम ऑनलाइन माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट www.nvsp.in में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। मोबाइल एप वोटर हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया और राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का जानकारी प्रदान किया। महाविद्यालय के बीए बीकॉम बीएससी के लगभग 570 छात्र-छात्राओं को इसकी जानकारी प्रदान कर फॉर्म 6 ऑनलाइन माध्यम से भरवाया गया और वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया गया। इस एप में सभी का मोबाइल नंबर रजिस्टर करवाया गया। इस मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रकाशमणि साहू, गोपी सिन्हा, मोनिका पटेल, स्वीप कैंपस एंबेसडर रोहित ढीमर व शीतल साहू के साथ पूर्णिमा साहू, मनोज देवांगन, नीलकंठ पटेल, रोशनी राजपूत एवं महाविद्यालयीन छात्र छात्राएं उपस्थिति रहे।

लोकतंत्र मे हिस्सेदारी ।
हम सबकी हैं जिम्मेदारी ।।
NSS - MAHASAMUND

बहकावें मे कभी न आना,
सोंच समकर बटन दबाना ||

NSS - MAHASAMUND

लोकतंत्र मे हिस्सेदारी।
हम सबकी है जिम्मेदारी।।
NSS - MAHASAMUND